विकसित भारत समाचार

मंगलवार, 23 मई, 2023

GOVERNMENT OF ASSAM

CELEBRATING 2 YEARS OF CURRENT ASSAM GOVERNMENT

PROMISE MADE
PROMISE DELIVERED

A BIG STEP TOWARDS APPOINTMENT IN

1 LAKH
GOVERNMENT POSTS

Appointment letters will be distributed by

Shri Amit Shah

Minister of Home Affairs and
Minister of Cooperation, Government of India

In the august presence of

Dr Himanta Biswa Sarma

Chief Minister, Assam

After successful appointment of 41,920 candidates and with the ongoing process of appointing 45,000 (approx.) candidates, the total appointment will stand at 86,000. Remaining recruitments for reaching the 1-lakh mark are to be completed soon.

Ceremonial distribution of appointment letters to approx

45,000

Successful Candidates

25th May 2023 | 4 pm

Veterinary College Ground, Khanapara, Guwahati

Recruitment Commission/Department
State Level Recruitment Commission for Class III Posts (excluding Divyang)
State Level Recruitment Commission for Class IV Posts (excluding Divyang)
State Level Police Recruitment Board
Health Department
Education Department
Social Justice & Empowerment Department
Sports & Youth Welfare Department
Divyang candidates who have been declared eligible by the Medical Examination Committee
Agriculture Department

- All successful candidates are asked to attend the ceremony.
- They should carry their admit cards, printouts of results and ID proofs.
- Divyang candidates who have been declared eligible by the Medical Examination Committee, constituted by Gauhati Medical College and whose names/roll nos. have been published in newspapers on 22nd and 23rd May 2023, will only attend the ceremony.
- Successful candidates shall have to report at their respective places of posting from 1st June to 15th June 2023

PUBLISHED BY DIRECTORATE OF INFORMATION AND PUBLIC RELATIONS, ASSAM

Connect with us @diprassam dipr.assam.gov.in

Subscribe to Asom Barta Whatsapp 'Assam' at 8287912158

-- Janasanyog /D/3196/ 23

CLASSIFIED

For all kinds of classified advertisements please contact

97070-14771
86382-00107

MURTI AVAILABLE

Available all kinds of Marble & White Metal Murties, Ganesh Laxmi, Radha Krishna, Bishnu-Laxmi, Hanuman, Maa Durga, Saraswati, Shivling, Nandi etc. **ARTCLE WORLD,** S-29, 2nd Floor, Shoppers Point, Fancy Bazar, Guwahati-01, **Ph. : 94350-48866, 94018-06952**

NAME CHANGE

My younger Brothers original and correct name is ABDUR REZZAK which is recorded in his all relevant documents and papers . But in my service Artillery document my said younger brother's name has been wrongly recorded as ABDUR REZZK .

Osman Goni ,
S/O - Azahar Ali
Vill-Muthakhowa
P.O- South Salmara
Dist- Dhubri

अंतराष्ट्रीय सेमिनार एवं कोच राजवंशी साहित्य सभा के स्थापना दिवस का सफल संपन्न

कोकराझाड़। कोकराझाड़ जिले के फकीराग्राम थानांतर्गत शक्तिआश्रम कोच राजवंशी साहित्य सभा के केंद्रीय कार्यालय में दो दिवसीय कार्यक्रम के साथ आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सेमिनार व कोच राजवंशी साहित्य सभा के 31वां स्थापना दिवस आज सफल समान हुआ। कार्यक्रम के आज दूसरे दिन दोपहर 2 बजे से आयोजित खुली सभा में कोच राजवंशी साहित्य सभा के केंद्रीय अध्यक्ष द्विजेन्द्र नाथ भकत की अध्यक्षता में हुई बैठक में केएसी के प्रमुख गोकुल बर्मन मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित थे। साथ ही आक्रासु के अध्यक्ष केएसी के कार्यकारी सदस्य एवं अन्य कई विशिष्ट अतिथिगण उपस्थित थे। सभा की उद्देश्य व्याख्या कोच राजवंशी साहित्य सभा कोच राजवंशी साहित्य सभा के साधारण सचिव कमल कुमार बर्मन ने की।

श्री दिगंबर जैन विद्यालय का मैट्रिक परीक्षा परिणाम संतोषजनक

गुवाहाटी (विभास)। श्री दिगंबर जैन विद्यालय का मैट्रिक परीक्षा परिणाम संतोषजनक रहा। विद्यालय की प्रधानाध्यापिका रश्मि ठोलिया ने बताया कि कुल 18 छात्रों में से 17 ने सफलता प्राप्त की है। जिनमें प्रथम स्थान में 8 और द्वितीय स्थान में 6 छात्रों ने सफलता हासिल की। डिस्टीन्सन में एक स्टार मार्क्स में दो तथा लेटर मार्क्स 23 प्राप्त हुए। स्कूल की छात्रा चंचल जैन को एडवांस मैथ्स में शत-प्रतिशत नंबर प्राप्त हुआ।

नाबालिग से जबरन शादी करने के आरोप में व्यक्ति को 25 साल की जेल

गुवाहाटी। असम की एक अदालत ने 30 वर्षीय एक युवक को 13 साल की लड़की का अपहरण करने और उससे जबरन शादी करने के आरोप में 25 साल कैद की सजा सुनाई है। असम के हैलाकांडी जिले की एक विशेष अदालत ने शनिवार को यह फैसला सुनाया था। आरोपी बिजॉय बिन हैलाकांडी जिले के धोलासीत गांव का निवासी है। पुलिस के मुताबिक, उसके खिलाफ पिछले साल 18 जनवरी को मामला दर्ज किया गया था। पीड़िता के परिवार के मुताबिक, 16 जनवरी 2022 को उनकी बेटी पास के एक गांव में धार्मिक कार्यक्रम देखने निकली थी, लेकिन घर नहीं लौटी। परिवार के सदस्यों के अनुसार, दो दिन बाद लड़की बिजॉय बिन के घर में मिली और उस व्यक्ति ने दावा किया कि उसने नाबालिग से शादी की है। परिजनों की शिकायत के बाद पुलिस ने बिजॉय बिन को हिरासत में ले लिया। नाबालिग को भी पुलिस ने उसके घर से छुड़ाया। बिन पर भारतीय दंड संहिता (आईपीसी) की धारा 366 के तहत नाबालिग का अपहरण करने और उसे शादी के लिए मजबूर करने का आरोप लगाया गया था। इसके अलावा आरोपी के खिलाफ पॉक्सो एक्ट के तहत के तहत मामला दर्ज किया गया था। सरकारी वकील मोनिका देब के मुताबिक, बिन को पांच महीने और 13 दिनों तक हिरासत में रखने के बाद जमानत दे दी गई थी। अदालत ने परिवार की अपील के बाद मामले की सुनवाई फास्ट ट्रैक में करने का फैसला किया। वकील देब ने कहा, विशेष अदालत ने सभी सुनवाई पूरी की और एक साल चार महीने में अपना फैसला सुनाया। वकील के अनुसार, बिजॉय को विशेष न्यायाधीश संजय हजारिका ने पॉक्सो एक्ट के तहत 20 साल के कठोर कारावास की सजा सुनाई थी। इसके अलावा आरोपी को आईपीसी की धारा 366 के तहत और 5 साल की जेल की सजा सुनाई गई थी। दोनों ही मामलों में आरोपी को 10,000 रुपए का भुगतान करना होगा, और यदि जुर्माना नहीं भरते हैं तो उन्हें अतिरिक्त वर्ष जेल में रहना होगा। देब ने कहा कि जांच अधिकारी सहित पांच गवाहों ने सुनवाई के दौरान गवाही दी और एक विशेष टीम ने लड़की की जांच की। उन्होंने आगे कहा कि पीड़िता की मेडिकल जांच से विशेष टीम को पता चला कि आरोप वास्तविक थे। उसने कबूल किया कि बिन ने उसका अपहरण किया और उससे शादी करने के लिए मजबूर किया। असम सरकार ने हाल के दिनों में बाल विवाह के खिलाफ कड़ा रुख अपनाया है और मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने बाल विवाह अपराधियों के प्रति शून्य-सहिष्णुता की नीति की घोषणा की है। इस साल फरवरी में असम में बाल विवाह के आरोप में 3,000 से अधिक लोगों को गिरफ्तार किया गया था।

टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज के यूथ इंप्लॉयमेंट कार्यक्रम संपन्न

गुवाहाटी (विभास)। टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस) ने युवा बेरोजगारी को दूर करने और महिलाओं को सशक्त बनाने के लिए एक अभूतपूर्व युवा रोजगार कार्यक्रम शुरू किया है, जिसका समाज और लैंगिक समानता की स्थापना पर स्थायी प्रभाव पड़ा है। टीसीएस ने कामरूप जिला प्रशासन के तत्वावधान में तथा दक्षिण कामरूप बालिका महाविद्यालय के सहयोग से समाज के वंचित वर्गों की लगभग 100 महिला उम्मीदवारों को प्रशिक्षण देकर एवं आज प्रमाणपत्र वितरण समारोह के साथ कार्यक्रम का समापन किया। इस कार्यक्रम में कामरूप जिला विकास आयुक्त नरसिंह बे, दक्षिण कामरूप बालिका महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. गजेंद्र अधिकारी, इतिहास विभाग के प्रमुख और करियर काउंसलिंग सेल के समन्वयक डॉ. रिपुन दले, टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज के नॉर्थ ईस्ट समन्वयक डॉ. ध्रुवज्योति गोगोई और और टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज के प्रशिक्षण सलाहकार बिद्युत पर्न बोरा ने भी भाग लिया।

मारवाड़ी सम्मेलन, नगांव शाखा की नई कार्यकारिणी का शपथ ग्रहण समारोह संपन्न

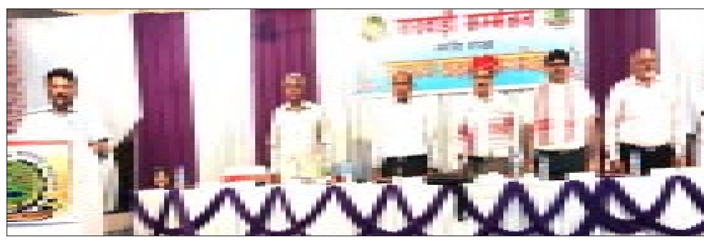

नगांव (निसं)। मारवाड़ी सम्मेलन नगांव शाखा के सत्र 2023 - 25 हेतु नई कार्यकारिणी का शपथ ग्रहण समारोह शनि मंदिर रोड स्थित श्री हनुमान जन्मोत्सव समिति भवन में रविवार को सायं 6 से संपन्न हुआ। मंच संचालक ने सर्वप्रथम शाखा अध्यक्ष ललित कोठारी को सभा की अध्यक्षता हेतु मंच पर आसीन करवाया तत्पश्चात पूर्व प्रांतीय अध्यक्ष एवं नगांव मारवाड़ी पंचायत के अध्यक्ष प्रह्लाद राय तोदी, पूर्व प्रांतीय अध्यक्ष विजय कुमार मंगलुनिया, कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि गुवाहाटी से पधारे पूर्वोत्तर प्रदेश के मारवाड़ी सम्मेलन के उपाध्यक्ष रमेश चांडक, मुख्य अतिथि पूर्वोत्तर प्रदेशीय मारवाड़ी सम्मेलन के प्रांतीय अध्यक्ष कैलाश काबरा, प्रांत के मंडलीय उपाध्यक्ष संजय गाड़ोदिया, नगांव शाखा के कोषाध्यक्ष अजय मित्तल को मंचासीन करवाया गया। सभी अतिथियों द्वारा दीप प्रज्ज्वलन के साथ कार्यक्रम का शुभारंभ हुआ। सभी अतिथियों को मोमेंटो भेंट कर सम्मान किया गया। इस अवसर पर प्रांतीय संयुक्त मंत्री मनोज कुमार काला, मंडलीय सहायक मंत्री विकास अग्रवाल के साथ नगांव शाखा के सभी पूर्व अध्यक्षों एवं पूर्व सचिव का भी अभिनंदन किया गया। शाखाध्यक्ष ललित कोठारी ने स्वागत भाषण प्रस्तुत करते हुए सभी अतिथियों, समाज बंधुओं, समाज के विभिन्न संस्थाओं के पदाधिकारी, मातृशक्ति एवं बच्चों का स्वागत किया। अपने कार्यकाल सत्र 2021 - 23 के दौरान मुख्य कार्यक्रमों की जानकारी सभा के सम्मुख रखी तथा इस सत्र के दौरान किए गए कार्यक्रमों की एक बुकलेट का अनावरण प्रांतीय अध्यक्ष के कर कमलों से करवा कर सभासदों के बीच वितरित की गई। सचिव संजय गाड़ोदिया ने सत्र 2021-23 के कार्यों का संक्षिप्त प्रतिवेदन सभा के समक्ष प्रस्तुत किया। अध्यक्ष ने अपने कार्यकाल के दौरान मिले सहयोग हेतु अध्यक्षीय पुरस्कारों की घोषणा कि, जिसमें मुख्य रूप से माणकचंद नाहटा, राधारमण खाटुवाला, अनिल शर्मा, प्रदीप सोभासरिया, ओमप्रकाश जाजोदिया, सुरेश शर्मा, निर्मला आलमपुरिया, पवन किल्ला, अनूप पोद्दार के साथ शाखा सचिव संजय गाड़ोदिया, कोषाध्यक्ष अजय मित्तल एवं अरुण नागरका को विशेष रूप से अध्यक्षीय पुरस्कार प्रदान किए गए। संस्थाओं से मिले सहयोग हेतु मारवाड़ी महिला मंच, मारवाड़ी युवा मंच नगांव शाखा, मारवाड़ी युवा मंच - नगांव समृद्धि शाखा को भी अध्यक्षीय पुरस्कार से नवाजा गया। विशिष्ट अतिथि रमेश चांडक ने सभा को संबोधित करते हुए नगांव शाखा द्वारा किए गए कार्यों की प्रशंसा कर आगे भी शाखा द्वारा उच्च स्तरीय कार्य करने हेतु शुभकामनाएं प्रेषित की।

सड़क दुर्घटना में बाइकसवार की मौत

शोणितपुर (हिंस)। जिले के भालुकपुंग के छह माइल इलाके में एक बाइक अनियंत्रित होकर खाई में पलट गई, जिसके चलते बाइकसवार की मौत हो गई। पुलिस सूत्रों ने सोमवार को बताया है कि सरेन दैमारी नामक युवक बाइक से चारीदुआर से भालुकपुंग की ओर जा रहा था। तभी बाइक अनियंत्रित होकर सड़क किनारे खाई में पलट गई। हाइसे में बाइकसवार सरेन दैमारी की मौत हो गई है। सूचना मिलने पर चारीदुआर यातायात पुलिस ने मौके पर पहुंचकर शव को पोस्टमार्टम के लिए अस्पताल में भेज दिया है।

कामरूप जिला सड़क सुरक्षा समिति की बैठक आयोजित

रंगिया (विभास)। कामरूप जिले में पिछले महीने की तुलना में इस महीने सड़क दुर्घटनाओं की संख्या में मामूली वृद्धि देखी गई है। इसके लिए दुर्घटनाओं के कारण तथा इसकी व्यवस्था का क्या संशोधन किया जा सकता है। इसका गौर से विश्लेषण करने के उद्देश्य से सोमवार को कामरूप जिले के पुलिस अधीक्षक कार्यालय के सभागार में जिला उपायुक्त तथा जिला सड़क सुरक्षा समिति की अध्यक्षा कीर्ति जल्ली की अध्यक्षता में जिला सड़क सुरक्षा समिति की एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक में दुर्घटनाओं की क्रैश रिपोर्ट का विश्लेषण किया गया। बैठक में पुलिस, परिवहन, अंचल अधिकारियों आदि की एक संयुक्त टीम को दुर्घटना संभावित क्षेत्रों विशेष रूप से राष्ट्रीय राजमार्ग के दुर्घटना संभावित क्षेत्रों का निरीक्षण करने और एक रिपोर्ट प्रस्तुत करने का काम सौंपा गया। उन्होंने तेज रफ्तार वाहनों, शराब पीकर वाहन चलाने वालों और यातायात नियमों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ अभियान तेज करने के भी निर्देश दिए। इसके अलावा, राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण अधिकारियों को दुर्घटना संभावित क्षेत्रों में उपयुक्त चेतावनी संकेतकों आदि की संख्या बढ़ाने के लिए कहा गया। उन्होंने एनएच को जोड़ने वाली उप-सड़कों पर उपयुक्त स्पीड ब्रेकर, साइनेज आदि लगाने पर भी चर्चा की। बैठक में राष्ट्रीय राजमार्ग पर अवैध पार्किंग को रोकने के लिए उचित कदम उठाने का भी निर्देश दिया। बैठक में कामरूप जिला पुलिस अधीक्षक हितेश चंद्र रॉय, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक कल्याण पाठक, जिला परिवहन अधिकारी रूपज्योति कलिता सहित लोक निर्माण (सड़क), राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण आदि विभागों के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

हाईस्कूल में फेल होने पर दो छात्राओं ने की आत्महत्या

जोरहाट/कार्बी आंग्लांग (हिंस)। जोरहाट और पश्चिम कार्बी आंगलोंग जिलों में दो छात्राओं ने सोमवार को हाई स्कूल की परीक्षा में फेल होने के बाद आत्महत्या कर ली। जानकारी के अनुसार जोरहाट जिले के मोरियानी बालिका उच्च माध्यमिक विद्यालय से हाई स्कूल की परीक्षार्थी पूर्णिमा गोगोई सोमवार को आए परीक्षा परिणाम में फेल हो गई। इसके बाद निराशा और मानसिक दबाव में नगर के 5 नंबर वार्ड की निवासी पूर्णिमा ने अपने घर के अंदर फंदे पर लटककर आत्महत्या कर ली। दूसरी घटना पश्चिम कार्बी आंगलोंग जिले के खेरनी के चेंगचेंगबिल में हुई। हाई स्कूल की परीक्षा के परिणाम में फेल होने के बाद छात्रा प्रिया कुमारी ने आत्महत्या कर ली। प्रिया शिलदुबी हाई स्कूल की छात्रा थी। परिजनों ने आशंका जताई है कि लगातार दूसरी परीक्षा में फेल होने के चलते आत्महत्या की है। दोनों जिलों की पुलिस ने मामला दर्ज करने के साथ ही जांच पड़ताल के बाद शवों को पोस्टमार्टम के लिए अस्पताल में भेज दिये। हालांकि, इस वर्ष हाई स्कूल का परीक्षा परिणाम पिछली बार की अपेक्षा काफी अच्छा रहा है।

विश्व पर्यावरण दिवस पर केरिपु बल 175 बटालियन, रानी ने निकाली साइकिल रैली

गुवाहाटी। 175 बटालियन, केरिपु बल, रानी, कामरूप (असम) द्वारा विश्व पर्यावरण दिवस-2023 के उपलक्ष्य में साईकिल रैली का किया गया आयोजन। दिनांक 22/05/2023 को 175 बटालियन, केरिपु बल, रानी, कामरूप (असम) द्वारा विश्व पर्यावरण दिवस के उपलक्ष्य में साईकिल रैली का आयोजन किया गया जिसमें बटालियन के कमांडेंट, राजीव कुमार झा, अन्य अधिकारी, अधीनस्थ अधिकारी व कार्मिकों ने हिस्सा लिया। साईकिल रैली, बटालियन मुख्यालय से निकलकर रानी बाजार होते हुए लगभग 05 किलोमीटर की दुरी तय करने के पश्चात पुन: बटालियन मुख्यालय में पहुंचा। इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य पर्यावरण की सुरक्षा के लिए आम जन मानस को जागरुक करना एवं सबके दिल में पर्यावरण के प्रति प्रतिवद्धता पैदा करना तथा अपना योगदान देना रहा। इस तरह का कार्यक्रम 175 बटालियन द्वारा पहले भी किया जाता रहा है ताकि बटालियन मुख्यालय के आस-पास रहने वाले लोगों के भीतर जागरुकता आ सके और वे पर्यावरण को स्वच्छ रखने में अपना योगदान दे सके। रैली के अन्त में कमांडेंट महोदय ने उपस्थित अधिकारियों, अधीनस्थ अधिकारियों एवं कार्मिकों को संबोधित करते हुए विश्व पर्यावरण की सुरक्षा की आवश्यकता एवं इसके उपाय पर प्रकाश डाला।

अरुणाचल में 3.2 तीव्रता का भूकंप, असम के कई हिस्सों में हुआ महसूस

इटानगर (हिंस)। अरुणाचल प्रदेश ईस्ट कामेंग जिले में सोमवार को सुबह भारतीय समयानुसार 8 बजकर 52 मिनट 46 सेकेंड पर 3.2 तीव्रता के भूकंप के झटके महसूस किए गए। भूकंप का असर अरुणाचल प्रदेश के साथ ही असम के भी कुछ हिस्सों में महसूस किया गया। भूकंप की तीव्रता बेहद कम थी, जिसकी वजह से अधिकांश लोगों को इसका नहीं चल सका। भारतीय सिस्मोलॉजी केंद्र से मिली जानकारी के अनुसार जमीन में 10 किमी नीचे भूकंप का केंद्र बताया गया है। भूकंप का एपीक सेंटर 27.02 उत्तरी अक्षांश तथा 92.84 पूर्वी देशांत्तर पर स्थित था। भूकंप से किसी भी तरह के नुकसान की कोई जानकारी नहीं मिली है। उल्लेखनीय है कि पूर्वोत्तर का क्षेत्र भूकंपीय जोन-5 के अंतर्गत आता है, इसलिए इस इलाके में आएदिन भूकंप के झटके महसूस किये जाते हैं।

स्वर्वेद भाष्य

चतुर्थ मंडल **द्वादश अध्याय**

(चार प्रकार के भक्त)

(अर्थार्थी)

सम्पादन राजत्व का, करि तप ब्रह्म उपास।
पुनि संग्रह व्यवहार का, जहँ जस तहँ तस पास ॥ 27 ॥

शब्दार्थ : (राजत्व) शासन-शक्ति (ब्रह्म उपास) ब्रह्म की उपासना (व्यवहार) उद्योग, धंधा, आर्थिक व्यवस्था (तप) तपस्या।

भाष्य : पूर्ण इंद्रिय संयम कर ब्रह्म की उपासना करके राजत्व शक्ति का अपने जीवन में संपादन करें, इसके बाद राज्य की आर्थिक, ऊद्योग, श्रम-व्यवस्था का निर्माण केरं। अपने में सभी शक्तियां विद्यमान रहें, जव जिसकी आवश्यकता पड़े, उसका समय के साथ उपयोग करें। इस प्रकार सर्व शक्तियों से सुसज्जित राज्य पदाधिकारियों का जीवन होना चाहिए। त्यागी, तपस्वी ही देश का शासन और उसकी रक्षा करता है।

सर्व कामना पूर्ण हो, तप बल जग भय काज।
पूर्ण कोश पूरण धनी, महिमा अमित विभाज ॥ 28 ॥

शब्दार्थ : (सर्व कामना) समस्त अभिलाषा (पूर्ण कोश) पूर्ण भंडार, (पूरण धनी) समस्त धनों का स्वामी (विभाज) प्रकाशमान।

भाष्य : तप और बल के प्रभाव से संसार के समस्त कार्य पूर्ण होते हैं। परमप्रभु पूर्ण धनी हैं, उसके कोष में समस्त ऐश्वर्य, धन हैं, उसका कोष समस्त पदार्थों से पूर्ण है इसलिए उसकी उपासना से समस्त कामनाएं पूर्ण होती हैं। यही महाप्रभु की महान शक्ति का गौरव है। शुद्ध रूप से महाप्रभु की शरण में जो इच्छा की जाती है, उसे महाप्रभु अवश्य पूर्ण करते हैं।

10वीं का परीक्षा परिणाम

अनंत जैन ने राज्यभर में पांचवा स्थान प्राप्त कर पूरे समाज तथा परिवार का नाम किया रोशन

गुवाहाटी (विभास)। हैप्पी चाइल्ड स्कूल के छात्र अनंत जैन (रारा) ने मैट्रिक परीक्षा में 590 अंक प्राप्त कर राज्य भर में पांचवा स्थान प्राप्त कर अपने परिवार, समाज व विद्यालय का नाम रोशन किया है। अनंत को 6 लेटर मार्क्स के अलावा एडवांस मैथ, साइंस और जनरल साइंस में शत-प्रतिशत अंक प्राप्त हुआ है। अनंत भविष्य में कंप्यूटर इंजीनियर बनना चाहता है। इन्होंने आने वाले छात्रों को सलाह दी है कि पढ़ाई में अगर अव्वल आना है तो मोबाइल का कम से कम प्रयोग करें एवं पढ़ाई के साथ-साथ मनोरंजन में भी अपना ध्यान बनाए रखें ताकि मस्तिष्क को भी आराम मिल सके। ये गुवाहाटी के आर्य नगर निवासी मनीष व मेघा जैन(रारा) के सुपुत्र है। अनंत के पिता मनीष जैन ने बताया कि बच्चों की परवरिश के साथ-साथ पढ़ाई में भी अगर ध्यान दिया जाए तो विदेशों में पढ़ाई करने की जरूरत ही नहीं है। स्थानीय स्तर की स्कूल कॉलेजों में भी बच्चे पढ़ कर अव्वल आ सकते हैं।

शिशु निकेतन एचएस स्कूल के विद्यार्थियों का शानदार प्रदर्शन

गुवाहाटी। असम माध्यमिक शिक्षा परिषद (सेबा) द्वारा संचालित मैट्रिक की परीक्षा के आज घोषित नतीजों में हर बार की तरह इस बार भी नारायण नगर स्थित शिशु निकेतन उच्चतर माध्यमिक स्कूल का शानदार प्रदर्शन रहा। इस वर्ष भी स्कूल के विद्यार्थियों ने पूर्व से और अधिक बेहतर प्रदर्शन किया, जिससे विद्यालय की श्रेष्ठता बरकरार है। आज घोषित नतीजों में स्कूल का परीक्षाफल सौ फीसदी रहा। स्कूल की प्राचार्य रीना भौमिक ने बताया कि इस वर्ष आयोजित एचएसएलसी परीक्षा में 81 विद्यार्थी बैठे थे और सभी विद्यार्थियों ने प्रथम स्थान प्राप्त करने में कामयाब रहे। इनमें से 23 को डिस्टिंक्शन व 47 को स्टार मार्क्स मिले हैं, जबकि अलग-अलग विषयों में विद्यार्थियों में कुल 295 लेटर अंक हासिल किए। एक विद्यार्थी ने उच्च गणित में 100 में से 100 अंक हासिल किए। स्कूल के टापर रहे अनिल कुमार शर्मा। श्रीमती भौमिक ने आज घोषित घोषित नतीजों पर संतुष्टि जाहिर करते हुए कहा कि इस वर्ष राज्यभर में जो सफलता का प्रतिशत रहा है। उसकी तुलना में शिशु निकेतन के बच्चे ने बेहतर प्रदर्शन किया है और विद्यालय का रिजल्ट शत-प्रतिशत बरकरार रखने में कामयाब रहे। इसके लिए उन्होंने विद्यालय के सभी बच्चों के अलावा शिक्षकों को हार्दिक बधाई दी। वहीं विद्यालय के प्रबंधन कमेटी के अध्यक्ष पवन कुमार अग्रवाला ने भी बच्चों के बेहतर प्रदर्शन पर उन्हें बधाई देते हुए उनके उज्जवल भविष्य की कामना की।

बरपेटा चरांचल के कई निजी स्कूलों ने मारी बाजी

नगरबेड़ा (विभास)। बरपेटा जिले के दक्षिणी हिस्से में कई निजी स्कूलों के 100 प्रतिशत छात्रों ने आज घोषित हाईस्कूल परीक्षाओं में सफलता हासिल की है। उल्लेखनीय है कि चरज्योति शिशु निकेतन, गुरुकुल पब्लिक एकेडमी, खोलाबांधा के मोतिउर रहमान मेमोरियल मॉडल स्कूल, कराईखैती में कराईखैती जातीय विद्यालय, आलोपति में नवद्वीप अकादमी, एपीजे अबुल कलाम अकादमी और खोलाबांध मोइराडिया में ज्ञानज्योति आदर्श जातीय विद्यालय ने परीक्षा परिणाम में गौरव महसूस कराए। इनमें से चरज्योति शिशु निकेतन के 20 में से सात विद्याथी प्रथम श्रेणी में स्टार अंकों के साथ 15 और द्वितीय श्रेणी में 5, गुरुकुल पब्लिक अकादमी के 14 विद्यार्थी, 1 स्टार नंबर के साथ 6 प्रथम श्रेणी और 8 द्वितीय श्रेणी, मतिउर रहमान मेमोरियल मॉडल स्कूल के स्टार सहित 15 में प्रथम श्रेणी 8 और 7 द्वितीय श्रेणी के साथ, कराईखैती जातीय विद्यालय के प्रथम श्रेणी में 24 उम्मीदवार के 20 पहला स्थान के साथ 3 उम्मीदवार द्वितीय, खोलाबांधा मोइराड़िया स्थित ज्ञानज्योति मॉडेल जातीय विद्यालय के 20 में से प्रथम श्रेणी में छह, द्वितीय श्रेणी में 14 और तृतीय श्रेणी में एक विद्यार्थी कामयाबी मिली। नवद्वीप अकादमी, एपीजे अबुल कलाम अकादमी के छह में से चार और द्वितीय श्रेणी में दो तथा एक परीक्षार्थी तृतीय श्रेणी में उत्तीर्ण हुए।

No. DSJE(E)14/2023/10

NOTICE

In pursuance to the Govt. communication of the State Level Recruitment Commissions for Class-III posts vide No. SLRC-G-III/61/Allotment of Department/ 2023 Dtd 06/05/2023 it is information for all concerned that Document Verification of the candidates selected by State Level Recruitment Commission for Class -III posts under Directorate of Social Justice & Empowerment, Assam is to be held at **Office of the Directorate of Social Justice & Empowerment, Assam, Lakhimandir, Beltola, Guwahati -781028** as per the following schedule.

Sl. No.	Name of Posts	Date	Time
1	LDA-cum-Typist	24/05/2023	11.00 am onwards

- The candidates must attend the documents verification process along with the original documents and self-attached copy set of the following
  - (a) Marksheet and Pass Certificate of HSLC, HS and Degree.
  - (b) HSLC Admit Card
  - (c) Certificate of Diploma in computer Application
  - (d) Cast Certificate, if applicable
  - (e) Employment Exchange Registration Certificate.
  - (f) Copy of online Application
  - (g) Admit Card of Interview issued by the commission.
  - (h) Identity Proof (Aadhaar Card / PAN card / Voter Card)
  - (i) 2 (two) passport size photographs
  - (j) EWS Certificate, if applicable
- Only the candidates shall be allowed inside the venue

Director,
Social Justice & Empowerment, Assam
Beltola, Guwahati-28

-- Janasanyog /D/2997/23

शर्मा হার্ডৱেৰ
SHARMA HARDWARE
Sharma Gali, SJ Road
Athgaon, Guwahati-01
98648-02947
70025-06581

E-Paper : www.goodluckpublications.com, www.vbslive.in
हिंदी दैनिक
गुवाहाटी, नई दिल्ली, शिमला और जम्मू से एकसाथ प्रकाशित

राष्ट्र निर्माण में प्रयत्नशील

विकसित भारत समाचार

वर्ष : 09 | अंक : 293 | गुवाहाटी | मंगलवार, 23 मई, 2023 | मूल्य : 10 रुपए | पृष्ठ : 12 | VIKSIT BHARAT SAMACHAR | Regd. RNI No. ASSHIN/2014/

पीएम मोदी को दिया कंपेनियन ऑफ द ऑर्डर ऑफ फिजी का सर्वोच्च सम्मान पेज 4
नागरिक कर्तव्यों का निर्वहन करना ही सच्चा धर्म : मुख्यमंत्री पेज 5
अमेरिका में महंगाई अपने चरम पर है और इसे रोकने के लिए... पेज 6
पंजाब में परिवहन मंत्री की कार्यवाई पांच बसें जब्त और 14 को चालान पेज 8

वर्ष के अंत तक असम से अफस्पा वापस : मुख्यमंत्री

गुवाहाटी। असम में गृह मंत्रालय नवंबर के आखिर तक विवादास्पद सशस्त्र बल विशेष अधिकार अधिनियम यानी अफस्पा को पूरी तरह से वापस लेने पर विचार कर रही है। मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने सोमवार को इसकी जानकारी दी। सीएम शर्मा ने कहा कि हम अपने पुलिस बल को प्रशिक्षित करने के लिए पूर्व सैन्य कर्मियों को भी शामिल करेंगे। शर्मा ने 22 मई को आयोजित कमांडेंट सम्मेलन में इसका एलान किया। उन्होंने कहा कि नवंबर तक पूरे राज्य से अफस्पा हटा लिया जाएगा। यह असम पुलिस बटालियन द्वारा सीएपीएफ के प्रतिस्थापन की सुविधा देगा। हालांकि, कानूनी रूप से जरूरी सीएपीएफ की उपस्थिति जारी रहेगी। मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने कमांडेंट सम्मेलन में दिए गए अपने भाषण के पॉइंट्स भी ट्वीट किए हैं। केंद्र ने पिछले साल पूरे असम राज्य से अफस्पा के तहत अशांत क्षेत्रों की अधिसूचना को हटा दिया था, लेकिन यह कानून अभी 8 जिलों और एक अन्य जिले के उप-मंडल में लागू है। अफस्पा को केवल अशांत क्षेत्रों में लागू किया जाता है। इन जगहों पर सुरक्षाबल बिना वारंट के किसी को भी गिरफ्तार कर सकते हैं। कई मामलों में बल प्रयोग भी हो सकता है। पूर्वोत्तर में सुरक्षाबलों की सहूलियत के लिए 11 सितंबर 1958 को यह कानून पास किया गया था। 1989 में जम्मू-कश्मीर में आतंकवाद बढ़ने पर यहां भी 1990 में अफस्पा लागू कर दिया गया। अशांत क्षेत्र कौन-कौन से होंगे, ये भी केंद्र सरकार ही तय करती है। अफस्पा कानून असम, मणिपुर, त्रिपुरा, मेघालय, अरुणाचल प्रदेश, मिजोरम, नगालैंड, -शेष पृष्ठ आठ पर

मणिपुर में पुन: हिंसा, चार घर जलाए हथियार भी बरामद, सेना तैनात

इंफाल। हिंसाग्रस्त मणिपुर में सोमवार सुबह एक बार फिर हिंसा भड़क गई। उपद्रवियों ने चार घरों को आग लगा दी है। इसमें किसी के हताहत होने की खबर नहीं है। क्षेत्र में एक बार फिर तनाव की स्थिति बन गई है। सेना, असम राइफल्स और मणिपुर पुलिस के जवानों को तैनात कर दिया गया है। सेना के मुताबिक तीन लोगों को गिरफ्तार किया गया है। हथियार भी बरामद हुए हैं। फिलहाल स्थिति नियंत्रण में बताई गई है। सूत्रों के मुताबिक एक पूर्व विधायक और उसके दो सुरक्षकर्मियों को भी हिरासत में लिया गया है। हालांकि किसी ने अभी इसकी पुष्टि नहीं की है। हिंसाग्रस्त मणिपुर के मुख्यमंत्री एन. बीरेन सिंह ने सोमवार शाम को कहा कि एक पूर्व विधायक सहित तीन लोगों को इंफाल पूर्व में न्यू चेकॉन (न्यू लेम्बुलेन) में विक्रेताओं और दुकानदारों को धमकाने में शामिल होने के आरोप में आज दिन में मणिपुर पुलिस द्वारा उठाया गया था। अभी उनसे पूछताछ हो रही है। मुख्यमंत्री ने इसे दुर्भाग्यपूर्ण करार दिया। सूत्रों से मिली जानकारी के कथित तौर पर एक हथियार बदमाश ने पहले न्यू चेकोन क्षेत्र के कुछ दुकानों के मालिकों को बंद करने की धमकी दी। इसके बाद न्यू चेकोन, इंफाल पूर्व में तनाव फैल गया। इसके बाद न्यू चेकोन -शेष पृष्ठ आठ पर

पुलिस कमांडेंट सम्मेलन में सीएम

गोलाघाट (हि.स.)। जिले के देरगांव स्थित लाचित बोरफूकन पुलिस अकादमी में आयोजित पुलिस कमांडेंट सम्मेलन में सोमवार को मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा ने हिस्सा लिया। इससे पहले मुख्यमंत्री ने पुलिस प्रशिक्षण महाविद्यालय के परेड ग्राउंड पर आयोजित परेड में भी शामिल हुए। मुख्यमंत्री डॉ शर्मा ने परेड ग्राउंड पर असम पुलिस के जवानों की सलामी ली और उसके बाद जवानों के साहसिक अश्व संचालन और साहसिक बाइक खेलों को भी देखा। इस -शेष पृष्ठ आठ पर

अमित शाह कल से दो दिवसीय दौरे पर असम में

गुवाहाटी। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह दो दिवसीय दौरे पर असम आ रहे हैं। वे 24 मई की शाम को गुवाहाटी पहुंचेंगे। इस दौरान वे कई कार्यक्रमों में शामिल होंगे। इस बीच, गुवाहाटी में धारा 144 लागू कर दी गई है। जानकारी के मुताबिक वे 24 मई की शाम को गुवाहाटी पहुंचेंगे। 25 मई को गृहमंत्री गुवाहाटी में आयोजित होने वाले एक कार्यक्रम में शामिल होंगे, जहां असम सरकार विभिन्न सरकारी विभागों के नए भर्ती उम्मीदवारों -शेष पृष्ठ आठ पर

अंकिता दत्त मामला : असम पुलिस के सामने पेश हुए यूथ कांग्रेस प्रमुख

गुवाहाटी। भारतीय युवा कांग्रेस के अध्यक्ष श्रीनिवास बीवी असम प्रदेश युवा कांग्रेस की निष्कासित अध्यक्ष अंकिता दत्त द्वारा दायर उत्पीड़न मामले में सोमवार को गुवाहाटी पुलिस के सामने पेश हुए। श्रीनिवास बीवी सुबह करीब साढ़े नौ बजे गुवाहाटी पहुंचे। यहां से वे पूर्वी गुवाहाटी के प्रमुख अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त (एडीसीपी), मोइत्रयी डेका के सामने पेश होने के लिए पानबाजार पुलिस स्टेशन गए। यहां उनसे करीब एक घंटे तक पूछताछ हुई। इसके बाद वे सीआईडी ऑफिस पहुंचे, जहां करीब एक घंटे तक पूछताछ की गई। पत्रकारों के सवाल का जवाब देते हुए श्रीनिवास बीवी ने कहा, मैं आपको पहले ही बता चुका हूं कि मामला अदालत में लंबित है और हमें न्यायपालिका पर भरोसा है। सुप्रीम कोर्ट ने बुधवार को श्रीनिवास बीवी को अग्रिम जमानत दे दी थी। न्यायमूर्ति बी आर -शेष पृष्ठ आठ पर

পূর্বাঞ্চল কেশৰী
(असमीया दैनिक)
PURVANCHAL KESARI
(ASSAMESE DAILY)
GOOD LUCK PUBLICATIONS
House No. 30, D. Neog Path, ABC, Guwahati - 781005
Mob: 94350 14771, 97070 14771

मैट्रिक का रिजल्ट पहले से बेहतर : शिक्षा मंत्री

धेमाजी (हि.स.)। राज्य के शिक्षा मंत्री डॉ. रनोज पेगु ने कहा कि इस बार के मैट्रिक का रिजल्ट पहले से बेहतर रहा है। इस साल सरकारी स्कूलों के नतीजे बेहतर रहे हैं। इसका मतलब है कि शिक्षा व्यवस्था बेहतर हुई है। मंत्री डॉ. पेगु सोमवार को धेमाजी में एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित कर रहे थे। मैट्रिक के परिणाम घोषित होने के बाद शिक्षा मंत्री परीक्षा परिणाम पर संतोष व्यक्त करते हुए शिक्षकों को धन्यवाद दिया। उन्होंने कहा कि इस बार का परिणाम यह संकेत देता है कि मैट्रिक का रिजल्ट पहले से बेहतर है। इस -शेष पृष्ठ आठ पर

हाई स्कूल की परीक्षा में 72.69 प्रतिशत विद्यार्थी सफल

हृदम ठाकुरिया 596 अंक प्राप्त कर असम में प्रथम

गुवाहाटी (हि.स.)। असम के माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सेबा) ने असम हाई स्कूल लिविंग सर्टिफिकेट परीक्षा-2023 के परिणाम सोमवार को घोषित कर दिए हैं। इस वर्ष हाई स्कूल का परीक्षाण परिणाम 72.69 रहा है। परीक्षा परिणाम को लेकर पूरे राज्यभर के स्कूलों में भारी चहल-पहल देखी गई। शोणितपुर जिला के ढेकियाजुली स्थित शंकरदेव शिशु निकेतन के विद्यार्थी हृदम ठाकुरिया ने 596 अंक प्राप्त कर राज्यभर में प्रथम स्थान हासिल किया है। टॉप टेन की सूची में कुल 61 विद्यार्थियों ने स्थान हासिल किया है। द्वितीय पर चार, तृतीय पर तीन, चतुर्थ पर सात, -शेष पृष्ठ आठ पर

सफल विद्यार्थियों को हार्दिक बधाई : मुख्यमंत्री

गुवाहाटी (हि.स.)। मुख्यमंत्री डॉ हिमंत विश्व शर्मा ने हाई स्कूल परीक्षा के परिणामों में सफल होने वाले विद्यार्थियों को हार्दिक बधाई और भविष्य में आने बढ़ने के लिए शुभकामनाएं दी हैं। मुख्यमंत्री ने असफल विद्यार्थियों को एकाग्रता से आगे बढ़ने का मंत्र दिया। सोमवार को परीक्षा परिणाम घोषित होने के बाद मुख्यमंत्री डॉ शर्मा ने सोशलमीडिया फेसबुक पर एक पोस्ट शेयर करते हुए विद्यार्थियों को अपनी शुभकामनाएं देते हुए कहा है कि आपकी यह उपलब्धि आने वाली पीढ़ी को प्रेरित करेगी। मैं कामना करता हूं कि आप -शेष पृष्ठ आठ पर

बंगाल : जंगल में आसमान से गिरा विशालकाय धातु

कोलकाता (हि.स.)। पश्चिम बंगाल के पश्चिम मेदिनीपुर जिला अंतर्गत ग्वालतोड़ के जंगल में सोमवार दोपहर आसमान से एक विशालकाय धातु गिरा है। इसे लेकर लोगों में खासा कौतूहल है। मौके पर पहुंची पुलिस टीम ने संदिग्ध धातु के आसपास घेराबंदी कर लोगों के उसके करीब जाने पर पाबंदी लगा दी है। स्थानीय लोगों ने बताया कि दोपहर के समय अचानक जंगल में किसी भारी भरकम वस्तु के गिरने की तेज आवाज आई। मौके पर पहुंचे लोगों ने वहां बेलनाकार विशालकाय धातु गिरा हुआ देखा। कुछ लोग दावा कर रहे थे कि यह फाइटर प्लेन में लगने वाला बम है, जबकि कुछ लोग इसे फ्यूल टैंक बता रहे थे। सूचना मिलने के बाद पुलिस की टीम मौके पर पहुंची और संदिग्ध धातु के आसपास घेराबंदी कर दी है। किसी के भी उसके करीब जाने की मनाही है। जांच की जा रही है कि यह कहां से गिरा और क्या है। हिन्दुस्थान समाचार से विशेष बातचीत में -शेष पृष्ठ आठ पर

Door graphy Premium Quality Hinges
S.S. Traders
Suppliers in : All kinds of Door Fittings Modular Kitchen & Accessories, etc.
D. Neog Path, Near Dona Planet ABC, G.S. Road, Guwahati - 05
97079-99344

नीतीश ने खड़गे से की मुलाकात

नई दिल्ली (हि.स.)। केंद्र की भारतीय जनता पार्टी की सरकार के खिलाफ विपक्षी पार्टियों को लामबंद करने की मुहिम में आज बिहार के मुख्यमंत्री नितिश कुमार कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे से मिले। इसके बाद कांग्रेस की ओर से बयान आया कि विपक्षी पार्टियों की जल्द ही एक बैठक आयोजित की जाएगी। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार आज मलिकार्जुन खड़गे से उनके आवास पर मिले। इस दौरान कांग्रेस नेता राहुल गांधी भी उपस्थित रहे। मुलाकात के बाद कांग्रेस के महासचिव केसी वेणुगोपाल ने कहा कि विपक्षी पार्टियों की बैठक को लेकर हमारे बीच एक विस्तृत चर्चा हुई। बैठक की तारीख और स्थान अगले एक-दो दिन में तय किया जाएगा। उल्लेखनीय है कि पिछले काफी समय से बिहार के -शेष पृष्ठ आठ पर

त्रिपुरा में सीएम के खिलाफ बिप्लब देब

अगरतला। मणिपुर के बाद पूर्वोत्तर के एक और राज्य त्रिपुरा भाजपा में गुटबाजी पार्टी आलाकमान के लिए परेशानी का सबब बन गई है। त्रिपुरा के पूर्व सीएम बिप्लब देब और मौजूदा सीएम माणिक साहा के बीच ठन गई है। जानकारी के अनुसार बिप्लव देव राज्य में अपने करीबियों को हाशिए पर डाले जाने से नाराज है। यही वजह है कि उन्होने अब राज्य के मुख्यमंत्री माणिक साहा के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है। त्रिपुरा सरकार और भाजपा में मचे घमासान ने पार्टी आलाकमान को भी चिंतित कर दिया है। दोनों नेताओं के बीच आपसी टकराव इतना ज्यादा बढ़ गया है कि राज्य में त्रिपुरा भाजपा कार्यकारिणी की बैठक हो रही है और राज्य ही भाजपा के महत्वपूर्ण नेता होने के बावजूद बिप्लब देब दिल्ली में है। बताया जा रहा है कि उनके बयानों से नाराज आलाकमान ने उन्हें दिल्ली तलब किया है। बिप्लब देब को विधानसभा चुनाव से पहले मई 2022 में सीएम पद से हटाकर माणिक साहा को राज्य का मुख्यमंत्री बनाया गया था। साहा के नेतृत्व में राज्य में हुए चुनाव में भाजपा को दोबारा जीत तो मिली, लेकिन उसकी सीटें 2018 की तुलना में घट गई। अब बिप्लब देब कैंप की तरफ से यह कहा जा रहा है कि विधानसभा चुनाव में कम सीटें मिलने के बहाने उनके करीबी नेताओं को भाजपा संगठन के पदों से हटाया जा रहा है। बिप्लब देब के करीबी लोगों की तरफ से यह भी कहा जा रहा है कि राज्य में भाजपा की सरकार होने के बावजूद जानबूझकर उनके करीबी नेताओं और उनके परिवार -शेष पृष्ठ आठ पर

सुप्रभात
किसी विशेष प्रयोजन के लिए ही शत्रु मित्र बनता है।
- आचार्य चाणक्य

न्यूज गैलरी

कुत्ते से बचने के लिए तीसरी मंजिल से लगाई छलांग

हैदराबाद। हैदराबाद में कुत्ते के हमले का खौफ बढ़ता ही जा रहा है। पालतू कुत्ते के हमले से बचने के लिए अमेजन के एक डिलीवरी बॉय मोहम्मद इलियास ने तीसरी मंजिल से छलांग लगा दी। पीड़ित शख्स को गंभीर चोटें आई हैं। घटना 21 मई की दोपहर की है जब इलियास पंचवटी कॉलोनी के एक इमारत की तीसरी मंजिल पर डिलीवरी का ऑर्डर देने गए थे। सूत्रों के मुताबिक, ग्राहक के पास पालतू कुत्ता था जो डिलीवरी बॉय पर हमला करने के लिए उसके पीछे भागने लगा। कुत्ते के हमले से बचने के लिए इलियास को -शेष पृष्ठ आठ पर

पीएम मोदी ने प्रशांत द्वीप देशों के साथ भारत की साझेदारी को बढ़ाया आगे

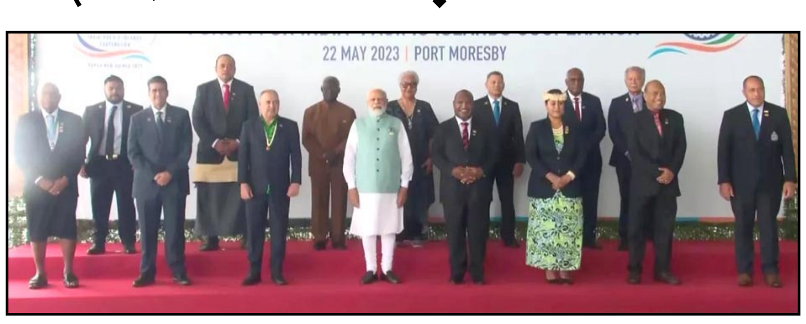

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोमवार को पापुआ न्यू गिनी के अपने समकक्ष जेम्स मारापे और गवर्नर जनरल बॉब डाडे से अलग-अलग वार्ता की तथा दोनों देशों के बीच विभिन्न क्षेत्रों में साझेदारी मजबूत करने पर जोर दिया। इस द्वीपीय देश की पहली यात्रा पर रविवार को यहां पहुंचे मोदी द्विपक्षीय संबंधों को मजबूत करने के लिए भारत तथा 14 प्रशांत द्वीप देशों के बीच एक अहम शिखर सम्मेलन की मेजबानी की। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता अरिंदम बागची ने ट्वीट कर जानकारी देते हुए बताया कि पीएम नरेंद्र मोदी और पीएम जेम्स मारापे ने पोर्ट मोरेस्बी में एफआईपीआईसी थ्री शिखर सम्मेलन की सफलतापूर्वक मेजबानी की। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने प्रशांत द्वीप देशों के साथ भारत की साझेदारी को आगे बढ़ाने के लिए 12-चरणीय कार्य योजना की घोषणा की। यह क्षेत्र के लोगों की विकासात्मक आकांक्षाओं को पूरा करेगा और एक मुक्त, खुले और समृद्ध -शेष पृष्ठ आठ पर

आज शाम आसमान में दिखेगा अद्भुत नजारा

भोपाल (हि.स.)। खगोल विज्ञान में रुचि रखने वालों के लिए मंगलवार, 23 मई की शाम बेहद रोमांच होने वाली है। दरअसल, इस दिन सूर्य के अस्त होने के बाद शाम को पश्चिमी आकाश में अद्भुत खगोलीय नजारा दिखने जा रहा है, जिसमें हंसियाकार चंद्रमा चमकते शुक्र और लाल ग्रह मंगल के बीच दिखता हुआ मिथुन तारामंडल के तारों के साथ मेल-मुलाकात करता हुआ नजर आएगा। यह जानकारी सोमवार को भोपाल की नेशनल अवार्ड प्राप्त विज्ञान प्रसारक सारिका घारू ने दी। उन्होंने बताया कि सूर्यास्त के बाद लालिमा समाप्त होने -शेष पृष्ठ आठ पर

कश्मीर में जी20 की बैठक को लेकर बौखलाया पाकिस्तान

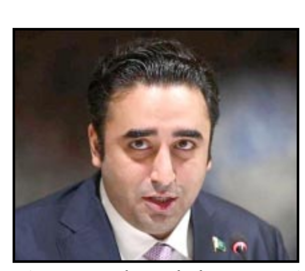

नई दिल्ली। जम्मू-कश्मीर में हो रहे जी20 बैठक से पाकिस्तान बेचैन है। जी20 बैठक को लेकर पाकिस्तान लगातार भारत पर तरह-तरह के बयान दे रहा है। इसी कड़ी में पड़ोसी मुल्क के विदेश मंत्री बिलावल भुट्टो जरदारी ने कहा कि कश्मीर में जी20 बैठक आयोजित करके भारत कश्मीर के लोगों की आवाज को दबाने में सफल नहीं होगा। बता दें कि श्रीनगर 22-24 मई तक तीसरी जी20 पर्यटन कार्यसमूह की बैठक की मेजबानी कर रहा है। पहली बैठक फरवरी में गुजरात के कच्छ के रण में और दूसरी अप्रैल में पश्चिम बंगाल के सिलीगुड़ी में हुई थी। डॉन में प्रकाशित खबर के मुताबिक, अपने तीन दिवसीय दौरे पर पाकिस्तान अधिकृत जम्मू-कश्मीर (पीओजेके) में उतरने के बाद मीडिया से बात करते हुए, विदेश मंत्री बिलावल ने कहा कि संयुक्त राष्ट्र के प्रस्तावों का उल्लेघन करके भारत -शेष पृष्ठ आठ पर

पीएम मोदी को दिया कंपेनियन ऑफ द ऑर्डर ऑफ फिजी का सर्वोच्च सम्मान

सुवा/नई दिल्ली(ईएमएस)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के वैश्विक नेतृत्व को मान्यता देते हुए फिजी ने उन्हें अपने सर्वोच्च सम्मान कंपेनियन ऑफ द ऑर्डर ऑफ फिजी से सम्मानित किया है। यहां गौरतलब है कि आज तक कुछ ही गैर-फिजी लोगों को फिजी ने इस सम्मान से सम्मानित किया है। वहीं पापुआ न्यू गिनी ने भी प्रशांत द्वीप देशों की एकता का समर्थन करने और ग्लोबल साउथ के मुद्दों का नेतृत्व करने के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को अपने सर्वोच्च सम्मान कंपेनियन ऑफ द ऑर्डर ऑफ लोगोहु से सम्मानित किया है। पापुआ न्यू गिनी ने अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति बिल क्लिंटन जैसे बहुत कम अनिवासियों को ही अब तक इस पुरस्कार से सम्मानित किया है। आपको बता दें कि, पिछले 9 सालों के कार्यकाल के दौरान अमेरिका, रूस, सऊदी अरब, संयुक्त अरब अमीरात, बहरीन, अफगानिस्तान, फिलिस्तीन, मालदीव और भूटान सहित कई देश प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को सम्मानित कर चुके हैं। वर्ष 2016 में सऊदी अरब ने अपने सर्वोच्च आर्डर ऑफ अब्दुल अजीज सम्मान से प्रधानमंत्री मोदी को सम्मानित किया था। 2016 में ही अफगानिस्तान ने सर्वोच्च नागरिक सम्मान आमिर अमानुल्लाह खान अवार्ड से मोदी को सम्मानित किया था। इसी तरह वर्ष 2018 में फिलिस्तीन ने मोदी को अपने सर्वोच्च ग्रैंड कॉलर ऑफ द स्टेट सम्मान से नवाजा था। संयुक्त अरब अमीरात ने वर्ष 2019 में अपने

सर्वोच्च नागरिक सम्मान ऑर्डर ऑफ जायेद, रूस ने अपने सर्वोच्च नागरिक सम्मान ऑर्डर ऑफ सेंट एंड्रयू सम्मान, मालदीव ने सर्वोच्च सम्मान निशान इज्जुद्दीन और बहरीन ने शीर्ष पुरस्कार किंग हमाद ऑर्डर ऑफ द रेनेसां से सम्मानित किया था। वर्ष 2020 में अमेरिकी सरकार द्वारा लीजन ऑफ मेरिट और 2021 में भूटान द्वारा ऑर्डर ऑफ द ड्रुक ग्यालपो अवार्ड से सम्मानित किया गया था। दुनिया के विभिन्न देशों के अलावा कई अंतर्राष्ट्रीय संगठनों की तरफ से भी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को सम्मानित किया जा चुका है। उन्हें संयुक्त राष्ट्र के सर्वोच्च पर्यावरण पुरस्कार चैंपियंस ऑफ अर्थ, दक्षिण कोरिया के सोल शांति पुरस्कार, स्वच्छ भारत अभियान के लिए बिल एंड मेलिंडा गेट्स फाउंडेशन द्वारा ग्लोबल गोलकीपर अवार्ड और कैम्ब्रिज एनर्जी रिसर्च एसोसिएट्स द्वारा वैश्विक ऊर्जा और पर्यावरण नेतृत्व पुरस्कार से भी सम्मानित किया जा चुका है।

सत्येंद्र जैन की तबियत बिगड़ी, हुए सफदरजंग अस्पताल में भर्ती

अजय कुमार

नई दिल्ली। तिहाड़ जेल में बंद दिल्ली सरकार के पूर्व मंत्री सत्येंद्र जैन की सोमवार को तबियत बिगड़ी तो उन्हें सफदरजंग अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिस सुरक्षा में उन्हें तिहाड़ जेल से अस्पताल लाया गया। अभी कुछ दिन पहले ही सुप्रीम कोर्ट में जैन के वकील ने बताया था कि उनका वजन 35 किलोग्राम कम हो गया है। वे मनी लॉन्ड्रिंग के आरोप में तिहाड़ की जेल संख्या सात में बंद हैं। इस बीच दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने ट्वीट कर कहा, सत्येंद्र जैन के बेहतर स्वास्थ्य के लिए मैं ईश्वर से प्रार्थना करता हूं। भाजपा सरकार के इस अहंकार और जुल्म को दिल्ली और देश के लोग अच्छे से देख रहे हैं। भगवान भी इन अत्याचारियों को कभी माफ नहीं करेंगे। इस संघर्ष में जनता हमारे साथ है, ईश्वर हमारे साथ हैं, हम सरदार भगत सिंह जी के चेले हैं। जुल्म, अन्याय और तानाशाही के खिलाफ हमारी ये लड़ाई जारी रहेगी। उल्लेखनीय है कि जैन 31 मई

2022 से तिहाड़ जेल में बंद हैं। जैन की जब गिरफ्तारी हुई थी, तब उनका वजन 97 किलो था। अब वजन घटकर 62 किलो हो गया है। जेल सूत्रों की मानें तो वह किसी भी तरह का अन्न नहीं खा रहे हैं। खाने में रोटी, चावल, दाल या अन्य जो भी खाना जेल में उपलब्ध होता है, वे नहीं खाते हैं। उनका कहना है कि जेल में रहते हुए अन्न नहीं खा सकते हैं। जेल में सूर्यास्त से पहले फल और सलाद खाते हैं। उनके गिरते वजन को देखते हुए उनके स्वास्थ्य पर डॉक्टरों की टीम लगातार निगरानी रख रही है। ताकि उन्हें कोई स्वास्थ्य संबंधी गंभीर समस्या ना हो जाए। जैन ने दिल्ली हाई कोर्ट द्वारा 21 अप्रैल को अपनी जमानत याचिका खारिज होने के बाद सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाया है। हाई कोर्ट ने जैन की जमानत याचिका यह कहते हुए खारिज कर दी थी कि वे एक प्रभाशाली व्यक्ति हैं। इसलिए साक्ष्यों से छेड़छाड़ कर सकते हैं।

आईजीआई एयरपोर्ट से 381 हज यात्रियों का पहला जत्था देर रात मदीना के लिए रवाना

नई दिल्ली। राजधानी के इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे से 381 हज यात्रियों के पहले जत्थे को लेकर बीती रात 1 बजकर 50 मिनट पर हवाई जहाज ने सऊदी अरब के शहर मदीना के लिए उड़ान भरी है। यात्रियों को विदाई देने के लिए एयरपोर्ट पर आयोजित समारोह में केंद्रीय विदेश राज्य मंत्री मीनाक्षी लेखी और दिल्ली के उपराज्यपाल विनय कुमार सक्सेना मौजूद थे। समारोह में दिल्ली सरकार का ना तो कोई मंत्री और ना ही दिल्ली हज कमेटी के विधायक कोटे से सदस्य हाजी यूनुस और अब्दुल रहमान ने शिरकत की। इस मौके पर आयोजित समारोह को संबोधित करते हुए मीनाक्षी लेखी ने उपस्थित हज यात्रियों को पवित्र हज यात्रा पर जाने के लिए उन्हें अपनी शुभकामनाएं दी है। उन्होंने हज यात्रियों से देश के विकास, उन्नति और अमन शांति के लिए विशेष दुआएं करने की भी अपील की है। उन्होंने कहा कि देश के इतिहास में पहली बार 4314 महिलाएं बिना मेहरम के हज यात्रा के लिए जा रही हैं। यह मोदी सरकार के नेतृत्व में हो रहे महिला सशक्तिकरण को दशार्ता है। इस अवसर पर दिल्ली के उपराज्यपाल विनय कुमार सक्सेना ने भी हज यात्रियों को बधाई दी है और दिल्ली में हज यात्रा के दौरान किसी भी तरह की असुविधा नहीं होने का आश्वासन दिया है। उन्होंने बताया कि दिल्ली के हज यात्रियों के लिए बेहतर से बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं।दिल्ली हज कमेटी की चेयरपर्सन कौसर जहां ने भी इस मौके पर हज यात्रा पर जा रहे पहले जत्थे को रवाना करते हुए उन्हें मुबारकबाद पेश की

और उनके अच्छे और बेहतर सफर की कामना की। इस मौके पर दिल्ली राज्य हज कमेटी के कार्यकारी अधिकारी अशफाक अहमद आरफी और उप कार्यकारी अधिकारी मोहसिन अली सहित बड़ी संख्या में केन्द्रीय अल्पसंख्यक कार्य मंत्रालय, नागरिक उड्डयन मंत्रालय, विदेश मंत्रालय, दिल्ली हज कमेटी और हज कमेटी ऑफ इंडिया के जिम्मेदार मौजूद थे।

गौरतलब है कि राजधानी दिल्ली से 22000 के करीब हज यात्रियों के हज यात्रा पर जाने की सूचना मिली है। इसमें दिल्ली के 2686 यात्री शामिल हैं। देशभर से बिना मेहरम के 4314 महिला यात्री भी हज करने के लिए जा रही है, इसमें दिल्ली की 39 महिला हज यात्री शामिल हैं। दिल्ली राज्य हज कमेटी की चेयरपर्सन कौसर जहां ने बताया कि दिल्ली में अन्य राज्यों से आने वाले यात्रियों को किसी भी तरह की असुविधा का सामना नहीं करना पड़े, इसके लिए दरगाह फैज इलाही और रामलीला मैदान में एयरकंडीशन शिविर लगाया गया है। यहां पर यात्रियों की सुविधा के लिए सभी प्रकार की सुविधाएं उपलब्ध कराई गई हैं। शिविर में स्वास्थ्य केन्द्र, पुलिस कंट्रोल रूम, आदि की स्थापना की गई है। किसी भी अप्रिय घटना से निपटने के लिए यहां पर दमकल की गाड़ियों की भी हर समय मौजूदगी सुनिश्चित की गई है। इसके अलावा पास ही स्थित एलएनजेपी हॉस्पिटल में भी कुछ बेड हज यात्रियों के लिए आरक्षित किए गए हैं। शिविर में 24 घंटे एंबुलेंस की सुविधा उपलब्ध कराई गई है। उन्होंने बताया है कि यहां से 8 घंटा पहले यात्रियों को एयरपोट्र्स के लिए रवाना किया जा रहा है। इसके लिए दिल्ली इंटरनेशनल एयरपोर्ट लिमिटेड की 20 सीटर लग्जरी बसें उपलब्ध कराई गईं हैं। इन बसों में यात्रियों की की सुरक्षा के लिए गार्ड भी तैनात किए जाएंगे। सुरक्षा के मद्देनजर हज शिविर में दिल्ली पुलिस और होमगार्ड के जवानों को भी तैनात किया जाएगा।

सेना के जवान भी बन सकेंगे अधिकारी

नई दिल्ली (ईएमएस)। भारत सरकार ने भारतीय सेना में अधिकारियों के 10,000 रिक्त पदों को भरने के लिए सेना के जवानों को पदोन्नति देने का निर्णय लिया है। भारतीय सेना के तीनों अंगों में जो जवान कार्यरत हैं। जिनकी 10 साल की सेवा पूरी हो चुकी है। उन जवानों को जूनियर कमीशंड ऑफीसर के रूप में पदोन्नत करने का निर्णय रक्षा मंत्रालय ने लिया है। 10 साल की सेवा पूरी कर चुके सैनिकों को सर्विस सिलेक्शन बोर्ड की स्क्रीनिंग और मेडिकल परीक्षण से गुजरना होगा। सेना के सूत्रों का कहना है कि इस समय सेना में 7779, नौसेना में 1446 और वायु सेना में 572 अधिकारियों के पद रिक्त हैं। सेना में इन रिक्तियों को भरने के लिए अब सेना के जवानों को ही प्राथमिकता दी जाएगी। सेना के जो

भी जवान, 10 साल की सेवा पूरी कर चुके हैं। वह अधिकारी पद के लिए आवेदन कर सकेंगे। सर्विस सिलेक्शन बोर्ड आवेदन पर जांच और परीक्षण के बाद, जूनियर कमीशंड ऑफिसर के पद पर पदोन्नति दी जाएगी। रक्षा मंत्रालय ने इसके लिए नियमों में परिवर्तन करने का प्रस्ताव बनाया है। इसे वित्त मंत्रालय के पास स्वीकृति के लिए भेजा है। रक्षा मंत्रालय से जुड़ी संसदीय समिति ने इसकी अनुशंसा की है। जल्द ही सेना के जवान अब अधिकारी बन सकेंगे।

अगर श्रमिक वर्ग मजबूत और एकजुट रहे, तो कर्नाटक विस चुनाव में जो देखा गया, उसे देश में दोहराया जा सकता है

मुंबई (ईएमएस)। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के अध्यक्ष शरद पवार ने महाराष्ट्र के अहमदनगर जिले में एक कार्यक्रम में कहा कि कर्नाटक में हाल में हुए विधानसभा चुनाव के नतीजे बताते हैं कि स्थिति धीरे-धीरे बदल रही है। उन्होंने कहा कि अगर श्रमिक वर्ग मजबूत और एकजुट रहता है, तो कर्नाटक विधानसभा चुनावों में जो देखा गया, उसे देश में अन्य जगहों पर भी दोहराया जा सकता है। पवार ने आरोप लगाया, देश पर शासन करने वाली कुछ शक्तियां समाज में जाति और धर्म के आधार पर तनाव भड़का

कर इसे पीछे की ओर ले जा रही हैं। वे सत्ता का इस्तेमाल लोगों के कल्याण के लिए नहीं, बल्कि उनके बीच विभाजन पैदा करने के लिए कर रहे हैं। राकांपा प्रमुख ने कहा कि चुनौती इन शक्तियों के खिलाफ लड़ने की है, अन्यथा आम आदमी तबाह हो जाएगा। उन्होंने कहा, अहमदनगर प्रगतिशील जिला है, इसके बावजूद हाल में शेवगांव में सामाजिक तनाव पैदा हुआ। पवार ने कहा कि कर्नाटक विधानसभा चुनाव के नतीजे बताते हैं कि स्थिति धीरे-धीरे बदल रही है। उन्होंने कहा, कर्नाटक में आम आदमी की सरकार ने कमान संभाली है। कल शपथ ग्रहण समारोह में शामिल होने वाले एक लाख लोगों में से 70 प्रतिशत समाज के विभिन्न तबकों के युवा थे। नए मुख्यमंत्री सभी को साथ लेकर कमजोर वर्गों के हितों की रक्षा के लिए काम करेंगे।

नोट बदलने आए लोगों के लिए शेड और पानी की व्यवस्था करें बैंक : आरबीआई

मुंबई (ईएमएस)। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने बैंकों को सलाह दी है कि वे 2,000 रुपये का नोट बदलने या जमा करने आए लोगों को धूप के बचाने के लिए शेड का इंतजाम करें। साथ ही कतार में लगे लोगों के लिए पीने के पानी की भी व्यवस्था की जाए। उल्लेखनीय है कि 2016 में नोटबंदी के दौरान बैंकों में नोट बदलने के लिए कतारें लगी थीं और आरोप है कि इस दौरान कई ग्राहकों की मृत्यु भी हो गई थी। गत शुक्रवार को 2,000 रुपये के नोटों को वापस लेने की घोषणा के बावजूद यह वैध मुद्रा बना रहेगा। 2016 में नोटबंदी की घोषणा के बाद ऐसा नहीं था। उस समय लोगों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ा था।

रिजर्व बैंक ने सोमवार को जारी अधिसूचना में कहा, बैंकों को अपनी शाखाओं में इंतजार करने वाले ग्राहकों के लिए शेड और पानी की व्यवस्था करने की सलाह दी गई है। बैंकों को नोट बदलने की सुविधा सामान्य तरीके से काउंटर पर उपलब्ध कराने को कहा गया है। इसके अलावा बैंकों को रोजाना जमा किए जाने वाले और बदले जाने वाले 2,000 के नोटों का ब्यौरा रखने को कहा गया है।

नवीन मंत्रिमंडल का विस्तार, विक्रम आरुख, सारदा और सुदाम ने ली शपथ

भुवनेश्वर, (हि.स.)। नवीन पटनायक मंत्रिमंडल विस्तार में सोमवार तीन सदस्यों को जगह दी गई है। तीनों को कैबिनेट मंत्री का दर्जा प्रदान किया गया है। राज्यपाल प्रो. गणेशीलाल ने लोकसेवा भवन के सम्मेलन कक्ष में विक्रम केसरी आरुख, सारदा नायक और सुदाम मारांडी को पद व गोपनीयता की शपथ दिलाई। इस मौके पर मुख्यमंत्री नवीन पटनायक, मंत्रिमंडल के सदस्य और कई विधायक उपस्थित थे। उल्लेखनीय है कि पिछले दिनों राज्य के स्वास्थ्यमंत्री नव किशोर दास की हत्या कर दी गई थी। दो अन्य मंत्री समीर रंजन दाश और श्रीकांत साहू ने अपने पद से त्यागपत्र दे दिया था। विधानसभा अध्यक्ष के पद से विक्रम केसरी आरुख ने त्यागपत्र दे दिया था । तभी से कयास लगाये जा रहे थे कि उन्हें मंत्रिमंडल में लिया जा सकता है। विक्रम केसरी आरुख के साथ सारदा नायक व सुदाम मारांडी पहले भी नवीन मंत्रिमंडल में रह चुके हैं। गंजाम जिले के भंजनगर विधानसभा सीट से विक्रम केसरी आरुख लगातार छह बार जीते हैं। 2009 से वह नवीन मंत्रिमंडल में लगातार मंत्री थे । पिछले साल मंत्रिमंडल में फेरबदल से पहले उन्होंने इस्तीफा दे दिया था। इसके बाद उन्हें विधानसभा अध्यक्ष बनाया गया था। सुदाम मारांडी को फिर पटनायक ने मंत्रिमंडल में जगह दी गई है। झामुमो से अपना राजनीतिक करियर शुरू करने वाले मारांडी दो बार विधायक व एक बार सांसद बनने के बाद बीजद में शामिल हुए थे। 2014 व 2017 में वह बीजद के टिकट पर मयुरभंज जिले के बांगरिपोसी विधानसभा सीट से निर्वाचित हो चुके हैं। 2014 से 2017 तक नवीन पटनायक सरकार में राज्यमंत्री थे।

दो हजार के नोट वापस लेने का मामला पहुंचा दिल्ली हाई कोर्ट, नाम व पहचान पत्र के बिना नोट जमा नहीं किए जाने की मांग की

अजय त्यागी

नई दिल्ली। दो हजार रुपये के नोट को वापस लेने का मामला दिल्ली हाई कोर्ट पहुंच गया है। हाई कोर्ट में याचिका दायर कर मांग की गई है कि दो हजार रुपये के नोट बदलने वाले का नाम और पहचान पत्र लिये बिना ये नोट जमा नहीं किए जाने चाहिए ताकि काला धन रखने वालों की पहचान हो सके। याचिका भाजपा नेता और वकील अश्विनी उपाध्याय ने दायर की है। याचिका में कहा गया है कि रिजर्व बैंक का नोटिफिकेशन संविधान की धारा 14 का उल्लंघन है। याचिका में कहा गया है कि दो हजार रुपये के नोट को बिना किसी मांग पर्ची और पहचान प्रमाण के जमा करने की अनुमति देना मनमाना,

तर्कहीन और भारत के संविधान की धारा 14 का उल्लंघन है। याचिका में कहा गया है कि रिजर्व बैंक और भारतीय स्टेट को निर्देश दिया जाए कि दो हजार के नोट किसी अन्य बैंक खाते की बजाय संबंधित बैंक खातों में ही जमा किए जाएं, ताकि काला धन और आय से अधिक संपत्ति रखने वाले लोगों की पहचान की जा सके। याचिका में भ्रष्टाचार, बेनामी लेनदेन को खत्म करने और नागरिकों के मौलिक अधिकारों की रक्षा के लिए केंद्र को काले धन और आय से अधिक संपत्ति धारकों के खिलाफ उचित कदम उठाने का निर्देश देने की भी मांग की गई है।

राष्ट्रपति को करना चाहिए नए संसद भवन का उद्घाटन : खड़गे

नई दिल्ली, (हि.स.)। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने कहा कि नए संसद भवन का उद्घाटन राष्ट्रपति को करना चाहिए। वह संविधान और देश के हर नागरिक का प्रतिनिधित्व करते हैं। खड़गे ने सोमवार को ट्वीट कर कहा कि मोदी सरकार दलित और जनजातीय समुदायों से राष्ट्रपति केवल चुनावी वजहों से बनाती है। उन्होंने कहा कि जब इस नए संसद भवन का शिलान्यास हुआ तो तत्कालीन राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद को नहीं बुलाया गया और अब उद्घाटन समारोह में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू को निमंत्रण नहीं दिया गया। उल्लेखनीय है कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी लगभग 1200

करोड़ रुपये की लागत से बनकर तैयार नए संसद भवन का 28 मई को उद्घाटन करेंगे। पीएम मोदी के जरिये किये जाने वाले प्रस्तावित उद्घाटन को लेकर कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने भी आपत्ति जताई थी। कल राहुल गांधी ने भी ट्वीट कर कहा था कि नए संसद भवन का उद्घाटन राष्ट्रपति को ही करना चाहिए, प्रधानमंत्री को नहीं!

दिल्ली के विश्वासनगर से अनधिकृत निर्माण हटाने के हाई कोर्ट के आदेश पर रोक लगाने से सुप्रीम कोर्ट का इनकार

राकेश शर्मा

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने दिल्ली के विश्वास नगर में अनधिकृत निर्माण हटाने के दिल्ली हाई कोर्ट के आदेश पर रोक लगाने से इनकार कर दिया है। जस्टिस अनिरुद्ध बोस की अध्यक्षता वाली अवकाशकालीन बेंच ने डीडीए को निर्देश दिया कि वो एक सप्ताह का समय दें और इस दौरान अनधिकृत निर्माण नहीं हटाया जाता है तो डीडीए उन निमार्णों को हटाने की कार्रवाई कर सकता है। हाई कोर्ट ने डीडीए से जुलाई तक इस बात का जवाब दाखिल करने का निर्देश दिया है कि उसने निमार्णों को हटाने के बाद वहां के रहवासियों के पुनर्वास की क्या व्यवस्था की है। विश्वास नगर में अनधिकृत निर्माण हटाने की कार्रवाई सोमवार सुबह से शुरू होनी थी।

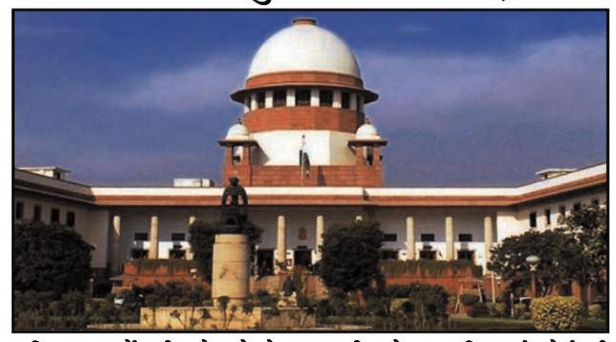

याचिकाकताओं की ओर से पेश वकील ने हाई कोर्ट से कहा कि इतनी गर्मी में घरों को हटाया जा रहा है। इन मकानों में रहने वाले लोगों के लिए मुसीबतों का पहाड़ टूट जाएगा। ऐसे में अनधिकृत निर्माण को तोड़ने के आदेश पर रोक लगाई जाए। सुनवाई के दौरान डीडीए की ओर से पेश वकील ने कहा कि हाई कोर्ट की सिंगल और डिवीजन बेंच ने कहा कि ये निर्माण अनधिकृत हैं, इसलिए उन्हें हटाया जाए। हाई कोर्ट ने कहा था कि इन निमार्णों के रहवासियों ने ऐसा कोई दस्तावेज नहीं दाखिल किया, जिससे पता चले कि वहां के रहवासियों का कोई मालिकाना हक है।

मोदी को अमेरिका में दी जाएगी 21 तोपों की सलामी, यात्रा से पहले 20 शहरों में भारतीयों का एकता मार्च

वाशिंगटन, (हि.स.)। भारतीय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी अगले महीने अमेरिकी की यात्रा करने वाले हैं। यात्रा के दौरान उन्हें 21 तोपों की सलामी दी जाएगी। मोदी की यात्रा से पहले 20 अमेरिकी शहरों में अमेरिकी भारतीयों का एकता मार्च निकाला जाएगा। भारत के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी 21 जून को अमेरिका पहुंचेंगे। उनका विशेष विमान 21 जून को एंड्रूज एयरफोर्स बेस पर उतरेगा। 22 जून को अमेरिकी राष्ट्रपति व उनकी पत्नी, प्रधानमंत्री मोदी के सम्मान में व्हाइट हाउस में राजकीय भोज की मेजबानी करेंगे। 22 जून को ही 21 तोपों की सलामी के साथ प्रधानमंत्री मोदी का औपचारिक स्वागत किया जाएगा। भारतीय व अमेरिकी अधिकारियों ने प्रधानमंत्री मोदी के अमेरिका दौर की तैयारियां तेज कर दी हैं। इस दौरे में रक्षा क्षेत्र के लिए जरूरी कुछ महत्वपूर्ण समझौते होने की संभावना जताई जा रही है। भारतीय प्रधानमंत्री मोदी के अमेरिका दौरे को ऐतिहासिक बनाने के लिए अमेरिका में रह रहे भारतीय अमेरिकी समुदाय ने भी जोरदार तैयारियां की हैं। मोदी के अमेरिका पहुंचने से पहले 18 जून को अमेरिका के बीस शहरों में एकता मार्च निकाला जाएगा। 18 जून को अमेरिका में रहने वाला भारतीय समुदाय इंडिया यूनिटी डे के रूप में मनाएगा। इस अवसर पर भारतीय समुदाय वॉशिंगटन डीसी

के नेशनल म्यूजियम से लेकर लिंकन मेमोरियल तक एक पदयात्रा निकालेगा। जिसे यूनिटी मार्च का नाम दिया गया है। ऐसे ही यूनिटी मार्च अमेरिका के 20 शहरों में निकाले जाएंगे, जिनमें बड़ी संख्या में भारतीय मूल के लोग शामिल होंगे। अमेरिका ओवरसीज फ्रेंड्स ऑफ बीजेपी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अदापा प्रसाद के मुताबिक यह यूनिटी मार्च विभिन्न शहरों के ऐतिहासिक स्थलों से शुरू होगा, जैसे न्यूयॉर्क में यह टाइम्स स्क्वायर पर होगा तो सैन फ्रांसिस्को में यह गोल्डन ब्रिज से शुरू होगा। अमेरिका के जिन शहरों में यूनिटी मार्च निकाला जाएगा, उनमें बोस्टन, शिकागो, अटलांटा, मियामी, टाम्पा, डलास, ह्यूस्टन, लॉस एंजेलेस, सारमेंटो, सैन फ्रांसिस्को, कोलंबस, सेंट लुइस जैसे शहर शामिल हैं।

डीसीडब्ल्यू के समन के बाद दिल्ली नगर निगम ने सार्वजनिक शौचालयों में तेजाब के इस्तेमाल पर लगाई रोक

आशीष वर्मा

नई दिल्ली। दिल्ली महिला आयोग (डीसीडब्ल्यू) के हस्तक्षेप के बाद दिल्ली नगर निगम ने हाल ही में एक आदेश जारी कर उसके द्वारा संचालित सार्वजनिक शौचालयों की सफाई के लिए तेजाब के इस्तेमाल पर रोक लगा दी है। डीसीडब्ल्यू अध्यक्ष स्वाति मालीवाल ने सोमवार को बताया कि बीते 6 अप्रैल को जीबी पंत अस्पताल के गेट नंबर 8 के सामने नगर निगम के एक महिला शौचालय का निरीक्षण किया था, जहां उन्होंने शौचालय के अंदर खुले में एसिड से भरा 50 लीटर का डिब्बा पाया था। पूछताछ में श्रीराम ग्रामीण विकास संस्थान (जिसे एमसीडी द्वारा शौचालय परिसर के रखरखाव और संचालन के लिए अनुबंध दिया गया है) के एक कर्मचारी द्वारा बताया गया था कि वे शौचालयों को साफ करने के लिए हर महीने एसिड खरीदते हैं। डीसीडब्ल्यू ने इसकी जानकारी नगर निगम को देते हुए तत्काल तेजाब के इस्तेमाल पर रोक लगाने की मांग की थी। इसको लेकर सिटी जोन के वरिष्ठ अधिकारी आयोग के सामने उपस्थित हुए और एक लिखित उत्तर दिया। इसमें कहा गया कि एमसीडी द्वारा सार्वजनिक शौचालयों की सफाई के लिए एसिड के उपयोग को रोकने के लिए कोई दिशानिर्देश जारी नहीं किए गए हैं। उन्होंने यह भी बताया कि एमसीडी द्वारा अनुबंध समझौते में उनपर लगाए गए नियमों और शर्तों के अनुसार शौचालयों की सफाई (एजेंसी द्वारा) की जाती है। इसके अलावा उन्होंने शौचालय के रखरखाव और संचालन के लिए एमसीडी और एजेंसी (श्री राम ग्रामीण विकास संस्थान) के बीच अनुबंध समझौते की एक प्रति भी दी थी। इस पर डीसीडब्ल्यू ने मामले को

उठाया और दिल्ली नगर निगम आयुक्त को नोटिस जारी कर मामले में स्पष्टीकरण और कार्रवाई रिपोर्ट मांगी। 16 मई को एमसीडी के वरिष्ठ अधिकारी इस मामले में डीसीडब्ल्यू के सामने पेश हुए और बताया कि वर्तमान में 308 सामुदायिक शौचालयों/सार्वजनिक शौचालयों को निजी एजेंसियों को आउटसोर्स किया गया है, जिनका एमसीडी के साथ समान अनुबंध है। इसमें कहा गया है कि साप्ताहिक रूप से शौचालयों की सफाई के लिए तेजाब का प्रयोग नहीं करने पर दिल्ली नगर निगम, एजेंसी पर प्रति दिन एक हजार रुपये का जुमार्ना लगा जा सकता है। पूछताछ में पता चला कि अनुबंध दस्तावेज को उत्तरी दिल्ली नगर निगम के सदन ने 2017 में मंजूरी दी थी, जिसमें शौचालयों की सफाई के लिए तेजाब के इस्तेमाल को बढ़ावा दिया गया था। इसके बाद डीसीडब्ल्यू के हस्तक्षेप के बाद एमसीडी ने हाल ही में एक आदेश जारी कर उसके द्वारा संचालित सार्वजनिक शौचालयों की सफाई के लिए तेजाब के इस्तेमाल पर रोक लगा दी। शौचालय में इतनी बड़ी मात्रा में खुले में तेजाब पाकर स्वाति मालीवाल हैरान रह गई थीं। उन्होंने कहा था कि यह गैरकानूनी और खतरनाक है, क्योंकि कोई भी इस तेजाब को आसानी से लेकर एसिड अटैक के लिए इसका इस्तेमाल कर सकता था। तब उन्होंने पाए गए तेजाब को दिल्ली पुलिस द्वारा तुरंत जब्त करवाने के साथ नगर निगम अधिकारियों को शौचालयों में तेजाब की मौजूदगी के बारे में स्पष्टीकरण देने के लिए समन जारी किया था। अनुबंध समझौते को देखने पर आयोग ने पाया कि उस पर 17 जुलाई, 2017 को हस्ताक्षर किए गए थे और एजेंसी को 40 शौचालय परिसरों का रखरखाव का जिम्मा सौंपा गया था। डीसीडब्ल्यू को प्रस्तुत एमसीडी का जवाब भी अनुबंध समझौते (एमसीडी और एजेंसी के बीच) के नियम और शर्तों के नियम 36 की ओर इशारा करता है, जिसमें स्पष्ट रूप से कहा गया है कि अगर एजेंसी द्वारा साप्ताहिक रूप से शौचालयों को साफ करने के लिए एसिड का उपयोग नहीं किया जाता है, तो एमसीडी द्वारा एजेंसी पर प्रतिदिन एक हजार रुपये का जुमार्ना लगाया जाएगा।

लखनऊ के लोग कपड़े के थैले का ही उपयोग करें : अपर नगर आयुक्त

लखनऊ, (हि.स.)। लखनऊ नगर निगम के अपर नगर आयुक्त और स्वच्छ भारत मिशन के प्रभारी अवनीन्द्र कुमार ने पर्यावरण बचाने के लिए प्लास्टिक का उपयोग ना करने की अपील की। अपर नगर आयुक्त ने हिन्दुस्थान समाचार से कहा कि पर्यावरण को ध्यान में रखकर लखनऊ के लोग प्लास्टिक के थैले का उपयोग न करें। इसके बदले कपड़े का बना थैला ही उपयोग में लायें। अपर नगर आयुक्त ने सोमवार को कहा कि सीतापुर रोड स्थित मंडी के आसपास निगम कर्मियों ने प्लास्टिक का उपयोग रोकने के लिए अभियान चलाया। सिंगल यूज प्लास्टिक प्रतिबंधित अभियान के तहत ठेला-पटरी दुकानदार, फल विक्रेताओं से प्लास्टिक से दूरी बनाने के लिए आग्रह किया गया। सीतापुर रोड स्थित नवीन गल्ला मंडी, पुरनिया फल मंडी के आसपास हाथों में बैनर लेकर पहुंचें नगर निगम कर्मियों ने पटरी दुकानदारों को सिंगल यूज प्लास्टिक प्रतिबंधित से संबंधित विषय बिन्दुओं को समझाया। पटरी दुकानदारों को बैनर पर बने चित्रों के माध्यम से प्लास्टिक से होने वाले नुकसान की जानकारी दी। सुबह से अपराह्न तक चले अभियान में स्टॉल भी लगाया गया। अवनीन्द्र कुमार ने कहा कि लखनऊ में यह अभियान बीच-बीच में चलाया जाता है, जिससे लोगों में जागरुकता बनी रहें। जागरुकता के कारण बहुत सारे दुकानदारों ने अब कपड़े के थैलों का उपयोग शुरू कर दिया है। जो दुकानदार कपड़े के थैले का उपयोग कर रहे हैं, उन्हें कुछ बताने की आवश्कता नहीं है। बल्कि वे स्वयं ही दूसरों को जागरुक करने में नगर निगम का साथ दे रहे हैं।

किसानों पर लाठीचार्ज और जेल भेजने के विरोध में मंगलवार को प्रतिरोध सभा

– रोहनिया बैरवन में जुटेंगे विरोधी दलों के नेताओं के साथ योजना से पीड़ित गांवों के किसान

वाराणसी, (हि.स.)। मोहनसराय ट्रांसपोर्ट नगर योजना के विरोध में आंदोलनरत किसानों पर पुलिस की दमनात्मक कार्रवाई के विरोध में मोहनसराय किसान संघर्ष समिति ने 23 मई मंगलवार को किसान प्रतिरोध सभा बुलाई है। इसमें किसानों के साथ विरोधी दलों के नेताओं ने भी आने की सहमति दे दी है। प्रतिरोध सभा को लेकर रोहनिया बैरवन में किसान संघर्ष समिति ने सोमवार को बैठक की। बैठक में सर्वसम्मति से निर्णय हुआ कि किसानों के पुलिसिया दमनात्मक कार्रवाई पर शासन प्रशासन असंवेदनशीलता की पराकाष्ठा लाघ रहा है। जिसका परिणाम है कि सम्पूर्ण कार्रवाई पर उच्च न्यायालय के स्पष्ट प्रतिबंध के बावजूद वाराणसी विकास प्राधिकरण ने ट्रान्सपोर्ट नगर बसाने के लिए टेन्डर की कार्रवाई की है। ये कार्य पूर्णतया उच्च न्यायालय की अवमानना एवं गैरजिम्मेदाराना हरकत है। इसके विरोध में तय हुआ कि 23 मई मंगलवार को बैरवन में सुबह दस बजे से किसान प्रतिरोध सभा होगी। जिसमें अपना दल कमेरावादी की राष्ट्रीय महासचिव एवं सिराथू विधायक पल्लवी पटेल, कांग्रेस पार्टी के प्रदेश प्रान्तीय अध्यक्ष अजय राय, समाजवादी पार्टी के जिलाध्यक्ष सुजीत यादव "लक्कड़ पहलवान" एवं महिला सभा की प्रदेश अध्यक्ष रीबू श्रीवास्तव, पूर्व सांसद राजेश मिश्र, पूर्व मंत्री सुरेन्द्र पटेल सहित आम आदमी पार्टी के प्रदेश महासचिव कैलाश पटेल के साथ विविध किसान एवं सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधि भी शामिल होंगे। किसान संघर्ष संचालन समिति के संयोजक पूर्व प्रधान छेदी पटेल ने सोमवार को कहा कि वाराणसी के सांसद देश के प्रधानमंत्री है, लेकिन उनके संसदीय क्षेत्र के किसान भूमि अर्जन एवं पुनर्वास कानून 2013 के पालन के नाम पर बेरहमी से पीटे जा रहे हैं, घरों का दरवाजा तोड़कर महिलाओं एवं लड़कियों को बुरी तरह पीटा गया। उनकी इज्जत पर खाकी के गुण्डों ने हाथ लगाएं। लेकिन हम किसानों की भाजपा सरकार में कोई सुध नहीं लेने वाला है। उल्टे हम सबका दमन भी हुआ और धमकी भी दी जा रही है। बैठक में विनय शंकर राय "मुन्ना", संजीव सिंह, गगन प्रकाश यादव, राजेश पटेल प्रदेश अध्यक्ष किसान मोर्चा अपना दल कमेरावादी, पूर्वांचल किसान यूनियन के अध्यक्ष योगीराज पटेल, रविन्द्र पटेल, हृदय नारायण उपाध्याय, बिहारी पटेल, डाक्टर सुरेंद्र पटेल, दिनेश तिवारी, प्रेम शाह, लालमनी देवी, लक्ष्मीना, कलावती देवी, शीला देवी, बेईला, मुनरा देवी आदि शामिल रहीं।

झारखंड सरकार के पूर्व आप्त सचिव के माता-पिता के हत्यारे को उम्रकैद

पलामू, (हि.स.)। पलामू जिला व्यवहार न्यायालय के प्रथम जिला और अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश प्रथम सन्तोष कुमार की अदालत ने सोमवार को झारखंड सरकार के पूर्व आप्त सचिव अरविंद कुमार के माता-पिता के हत्यारे शिवम पाण्डेय को आजीवन कारावास की सजा सुनाई है। शिवम पांडे को अदालत ने 50 हजार का अर्थदंड भी लगाया हैं।अर्थदंड की राशि जमा नहीं करने पर दोषी को दो साल अतिरिक्त कारावास की सजा भुगतनी होगी। शिवम पांडेय कुंड मोहल्ला, डालटनगंज का निवासी है। इस मामले में पलामू आइपीआरडीकर्मी और पूर्व आप्त सचिव अरविंद कुमार के बड़े भाई अरूण कुमार ने 12 अगस्त 2021 को शहर थाना में अज्ञात लोगों के विरुद्ध प्राथमिकी दर्ज कराई गई थी। अरूण के पिता एक्स आर्मी मैन राजेश्वर नाम (82) तथा उनकी मां शर्मिला देवी (75) की तेज धारदार हथियार से गला रेतकर हत्या कर दी गई थी। वृद्ध दंपति अकेले रहते थे। घटना की जानकारी मिलने पर अरूण के छोटे भाई अरविंद ने रांची से इसकी सूचना अरूण को दी थी। घटना की सूचना मिलने पर अरूण जब अपने पैतृक आवास कुंड मोहल्ला घर पर आए तो देखा कि उनके पिता राजेश्वर राम की और माता शर्मिला देवी मृत पड़ी थी। पुलिस अनुसंधान, सीसीटीवी कैमरे तथा फॉरेंसिक जांच की टीम के निष्कर्ष के तत्पश्चात आरोपी शिवम पांडेय को गिरफ्तार किया गया था। अदालत ने साक्ष्य के आधार पर दोषी पाते हुए अभियुक्त को उम्रकैद की सजा सुनाई है।

बजरंग दल से सीखकर अपनी राह बदलें मदनी, नहीं तो समय बदल देगा : राकेश सिन्हा

बेगूसराय, (हि.स.)। राज्यसभा सदस्य (सांसद) प्रो. राकेश सिन्हा ने कहा है कि अपने को आक्रांताओं का वंशज मानने में गर्व करने वाले कुछ लोग राष्ट्रवादी संगठन बजरंग दल पर सवाल उठा रहे हैं। हिन्दू युवाओं का यह संगठन राष्ट्र की अस्मिता के लिए समर्पित है। अपने गृह जिला बेगूसराय के प्रवास के दौरान सोमवार को उन्होंने कहा कि जमीयत उलेमा-ए-हिन्द के अध्यक्ष अरशद मदनी बजरंग दल से सीखें और अपनी राह बदलें, नहीं तो समय उन्हें बदल देगा। बजरंग दल की दृष्टि और कार्य का सार राष्ट्रवाद है। यह अरशद मदनी के लिए अभिशाप है। जो अल्पसंख्यक और पाकिस्तान, बांग्लादेश, अफगानिस्तान का समर्थक सीएए अधिनियम का विरोध करता हो। उसे राष्ट्रवादी संगठनों के साथ सामंजस्य बिठाना और अपना रास्ता बदलना सीखना चाहिए। यह कोई सांप्रदायिक राजनीति और प्रचार नहीं। एक बार जब जनसांख्यिकी मदनी जैसों के अनुकूल हो जाएगी तो वे भारत के उदार लोकतांत्रिक संविधान से दूर हो जाएंगे। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार द्वारा अपनी टीम के साथ देश के विभिन्न राज्य का भ्रमण कर विपक्ष को एकजुट करने के सवाल पर राकेश सिन्हा ने कहा कि नीतीश कुमार वास्तव में एक फॉल्स टूरिज्म कर रहे हैं। वह एक ऐसा पर्यटन कर रहे हैं, जिसमें सब लोगों से हाथ मिलाने के बाद भी उनके हाथ में कुछ नहीं मिल रहा है। दो हजार के नोट का प्रचलन बंद किए जाने के निर्णय पर विपक्षी दल सहित कुछ लोगों द्वारा सवाल उठाने पर राकेश सिन्हा ने कहा कि जिनका नोट जमाखोरी में बंद है, उनको चिंता हो रही है। जिन्होंने करोड़ों रुपए घर में जमा कर रखा है, वह परेशान हैं। ऐसे लोग प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को कोस रहे हैं और आगे भी कोसते रहेंगे। क्योंकि कालेधन की सब काली कमाई बर्बाद हो जाएगी। लेकिन जिनके पास दो हजार का नोट कालाधन नहीं है, वह बैंक में जाकर आराम से बदल सकते हैं। राहुल गांधी द्वारा नये संसद भवन के उद्घाटन पर सवाल उठाए जाने को लेकर उन्होंने कहा कि राहुल गांधी बाल बुद्धि के व्यक्ति हैं। ऐसा व्यक्ति कब अपने उपर चाकू चला लेगा या किसी और पर चाकू चला देगा, यह किसी को भी पता नहीं होता है। राहुल गांधी देश को गैर जरूरी विवादों में नहीं धकेलें। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की शख्सियत उन्हें पसंद नहीं हैं तो उसके लिए देश की संस्थानों और संवैधानिक पदों को विवादों में नहीं लाएं।

नागरिक कर्तव्यों का निर्वहन करना ही सच्चा धर्म : मुख्यमंत्री

महराजगंज, (हि.स.)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि लोकमंगल की भावना से नागरिक कर्तव्यों का निर्वहन करना ही सच्चा धर्म है। यदि हम सभी अपने नागरिक कर्तव्यों का पालन करने लग जाएं तो भारत को दुनिया की सबसे बड़ी ताकत बनने में देर नहीं लगेगी। मुख्यमंत्री योगी सोमवार को चौक बाजार स्थित गुरु गोरखनाथ मंदिर परिसर में ज्योतिर्लिंग प्राण पुनर्प्रतिष्ठा प्रतिष्ठा एवं मंदिर पुनरोद्धार के उपलक्ष्य में आयोजित समारोह को संबोधित कर रहे थे। श्री शिव महापुराण कथा व रुद्र महायज्ञ की भी पूणार्हुति हुई। उपस्थित जनसमूह को हनुमान जी के लंका गमन का एक प्रसंग सुनाकर मुख्यमंत्री ने सनातन धर्म और धर्म के निहितार्थ का मर्म समझाया। उन्होंने कहा कि भारत की ही सनातन परंपरा है कि हमने जीव मात्र के कल्याण की बात तो की ही, सबके सुख की कामना के साथ दुनिया को भी परिवार माना। जगत के प्रत्येक वस्तु चाहें वह जड़ हो या चेतन, उसके प्रति श्रद्धा का भाव रखा। किसी ने आप के प्रति कुछ भी कल्याण का कार्य किया है, उसके प्रति कृतज्ञता ज्ञापित करना सनातन धर्मावलंबियों की सबसे प्रमुख पहचान है। इसे हमने धर्म का हिस्सा माना है। मुख्यमंत्री ने कहा हमारा सनातन धर्म हमें सृष्टि की हर वस्तु के प्रति कृतज्ञता ज्ञापित करने की प्रेरणा प्रदान करता है। यही कारण है हजारों वर्षों की विरासत को लेकर हम लोग दुनिया के अंदर चल रहे हैं। संकट-चुनौतियां आई लेकिन उस संकट में मार्ग निकालकर बढ़ना इसको हर सनातन धर्मावलंबी बखूबी जानता है।

शाश्वत है सनातन धर्म – उन्होंने कहा कि दुनिया में तमाम मत, मजहब, संप्रदाय आए। कुछ आए और चले गए, समाप्त हो गए, उनका नामोनिशान मिट गया। कुछ हैं, कुछ आने वाले समय में भी आएंगे। उनकी विशिष्ट पहचान हो सकती है, कुछ देर के लिए वह भले ही बढ़ सकते हैं। पर, हमारा सनातन धर्म हर देशकाल, परिस्थिति में इसी प्रकार अपने वर्चस्व को बनाए रखेगा। लोकमंगल की कामना करते हुए आगे बढ़ता रहेगा। हम सबका दायित्व बनता है सनातन में निहित लोकमंगल की भावना से अपने कर्तव्यों का निर्वहन करें।

सिर्फ पूजा पाठ करना ही धर्म नहीं – मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि सिर्फ पूजा पाठ करना ही धर्म नहीं है। अपने दायित्वों के साथ जुड़ना भी धर्म का ही अंग है। महराजगंज में बेहतरीन रोड कनेक्टिविटी व अन्य विकास कार्यों का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि सरकार ने कोई विकास का कार्य किया तो उसको सुरक्षित रखना, उसका संरक्षण करना हमारा दायित्व बनता है। इस दायित्व को भी धर्म की तरह समझें।

अपनी जेब से पैसा नहीं देती है सरकार – विकास कार्यों के संरक्षण का दायित्व समझाते हुए मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि विकास के लिए सरकार अपनी जेब से पैसा नहीं देती है। बल्कि यह जनता का ही पैसा है। जनता के एक-एक पैसे को जोड़कर हम विकास के लिए भेजते हैं। उसी पैसे से फ्री में राशन देते हैं। अनुसूचित जाति, जनजाति, पिछड़ी जाति के बच्चों को छात्रवृत्ति देते हैं। उसी पैसे से प्राइमरी स्कूल के बच्चों को फ्री यूनिफॉर्म देते हैं। उसी से गरीब बेटियों की शादी, गरीबों के आवास, शौचालय बनवाने तमाम कल्याणकारी कार्यक्रम चलाए जाते हैं।

समझाया स्वच्छता का महत्व – योगी ने कहा कि स्वच्छता भी लोकमंगल का माध्यम है। स्वच्छता की ही देन है कि दिमागी बुखार (जेई) समाप्त हो गया। नहीं तो पहले महराजगंज में ही प्रतिवर्ष सैकड़ों बच्चों की इंसेफेलाइटिस से मौत हो जाती थी।

चौक बाजार में आदर्श नगर पंचायत बनने की पूरी संभावना – मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि पांच साल बाद जो व्यक्ति चौक आया होगा वह इसे पहचान नहीं पाएगा। पहले हम इसको चौक कहते थे अब यह सचमुच चौक से बाजार हो गया है। जल्द ही यहां के चिकित्सालय में हेल्थ एटीएम भी लगेगा जहां एक साथ 60 प्रकार की जांच की सुविधा होगी। उन्होंने कहा कि चौक बाजार स्मार्ट टाउन एरिया के रूप में बन गया है। उन्होंने कहा कि पब्लिक ऐड्रेस सिस्टम के साथ जोड़कर और चौराहों पर सीसीटीवी कैमरा लगवाकर इसे मॉडल के रूप में आगे बढ़ाया जा सकता है।

स्टेडियम का भी हो रहा निर्माण – मुख्यमंत्री ने कहा कि अब स्टेडियम का भी निर्माण हो रहा है। यहां के बच्चे खेलकूद में भी आगे बढ़ेंगे। जितनी पढ़ाई महत्वपूर्ण है, उतना ही खेलकूद भी। हमारे यहां तो पहले से इस बात की मान्यता दी गई है कि धर्म के जितने भी साधन हैं वह स्वस्थ शरीर में हो सकते हैं। स्वस्थ शरीर तभी प्राप्त होगा जब व्यक्ति शारीरिक रूप से तंदुरुस्त होगा। उन्होंने कहा कि बच्चों को पढ़ाई लिखाई के साथ खेलकूद के कार्यक्रम से भी जोड़ने की आवश्यकता है। सांसद खेलकूद प्रतियोगिताओं के माध्यम से गांव-गांव में, हर ब्लाक, विधानसभा व संसदीय क्षेत्र स्तर पर खेलकूद की प्रतियोगिताओं को आगे बढ़ाया जा रहा है।

प्रधानमंत्री ने बढ़ाया दुनिया में भारत का सम्मान – मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि कल दुनिया के अंदर दो अद्भुत घटनाएं घटित हुईं। पापुआ न्यू गिनी के राष्ट्रपति ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का पैर छूकर सम्मान किया। दुनिया की सबसे बड़ी ताकत के देश अमेरिका के राष्ट्रपति भी कहते हैं पीएम मोदी की लोकप्रियता देखकर उन्हें ऑटोग्राफ लेने की इच्छा होती है। पीएम मोदी के प्रति श्रद्धा व सम्मान का यह भाव हर भारतवासी का सम्मान है। यह 140 करोड़ भारतवासियों का सम्मान है। उन्होंने कहा कि पीएम मोदी की तरह अच्छे कार्य करके हम भी अपने गांव, क्षेत्र, जनपद व प्रदेश में सम्मान प्राप्त कर सकते हैं। सम्मान तभी मिलता है जब अच्छा कार्य किया जाता है। इस समारोह में केंद्रीय वित्त राज्य मंत्री पंकज चौधरी, विधायक जय मंगल कन्नौजिया, प्रेम सागर पटेल, ज्ञानेंद्र सिंह, ऋषि त्रिपाठी, गुरु गोरखनाथ मंदिर चौक बाजार के फलाहारी बाबा, कथा व्यास संत बालकदास, कार्यक्रम समन्वयक डॉ एसपी सिंह समेत यजमानगण व बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे।

रोजगार दिवस पर 10 कम्पनियों ने 154 अभ्यर्थियों का किया चयन

लखनऊ, (हि.स.)। उत्तर प्रदेश सरकार के रोजगार देने वाले वायदे को पूरा करते हुए राजकीय आईटीआई लगातार रोजगार दिवस मना रहा है। इसी क्रम में सोमवार को आईटीआई ने रोजगार मेला लगाया। इस दौरान मेले में आईं 10 कम्पनियों ने 154 अभ्यर्थियों का चयन किया। रोजगार दिवस पर लगे मेले का उद्घाटन नोडल प्रधानाचार्य आर0 एन0 त्रिपाठी ने किया। उन्होंने इस अवसर पर कहा कि रोजगार दिवस में कुल 438 अभ्यर्थियों ने प्रतिभाग किया। कम्पनियों के अधिकारियों द्वारा साक्षात्कार के माध्यम से 154 अभ्यर्थियों का चयन किया गया। जिन्हें प्रतिमाह आठ हजार से 15 हजार तक वेतन मिलेगा। इसके अतिरिक्त कम्पनियों की अन्य सुविधाएं भी चयनित अभ्यर्थियों को दी जायेंगी। उन्होंने कहा कि हीरो मोटोकार्प द्वारा 200 रिक्तियों पर 26 मई 2023 को सुबह 10 बजे आईटीआई लखनऊ परिसर में प्लेसमेन्ट का आयोजन किया जायेगा। जिसमें आईटीआई के फिटर, टर्नर, मैकेनिक मोटर व्हीकल, डीजल मैकेनिक, ट्रैक्टर मैकेनिक, मशीनिष्ट, वेल्डर से उत्तीर्ण छात्र तथा इलेक्ट्रीशियन ट्रेड से उत्तीर्ण महिला अभ्यर्थी भाग ले सकेंगे। इसमें उम्र सीमा आयु 18 से 26 वर्ष तक और उत्तर प्रदेश के ही मूल निवासी होने की शर्त रखी गयी हैं। इसमें चयनित होने वाले अभ्यर्थियों को वेतन प्रति माह रुपये 19662 एवं अन्य सुविधाएं मिलेगी।

राष्ट्रपति के आगमन को लेकर रांची के कई इलाके रेड जोन घोषित

रांची, (हि.स.)। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू 24 से 26 मई तक तीन दिवसीय दौरे पर झारखंड आ रही हैं। ऐसे में राष्ट्रपति के रांची भ्रमण कार्यक्रम के मद्देनजर प्रस्तावित कार्यक्रम स्थल के दो किलोमीटर की परिधि क्षेत्र को अस्थाई रूप से रेड जोन घोषित किया गया है। रांची एसएसपी किशोर कौशल ने ड्रोन नियम 2021 में प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए अस्थायी रूप से रेड जोन घोषित किया है। रांची में भ्रमण कार्यक्रम के दौरान राष्ट्रपति राजभवन में आवासन करेंगी तथा नव निर्मित उच्च न्यायालय एवं आईआईआईटी नामकुम में आयोजित कार्यक्रम में भाग लेंगी। इसके अलावा अब तक की तैयारियों की समीक्षा करने के लिए एडीजी अभियान संजय आनंदराव लाठकर व भू-राजस्व सचिव डॉ अमिताभ कौशल हेलिकॉप्टर से मंगलवार को पहले देवघर, फिर वहां से खूंटी जाएंगे। इसके बाद रांची आने पर तैयारियों का जायजा लेंगे। 23 मई से राष्ट्रपति के आने-जाने वाले मार्गों पर मॉक ड्रिल किया जाएगा।

निम्न क्षेत्र हैं रेड जोन – वरीय पुलिस अधीक्षक रांची द्वारा ड्रोन नियम 2021 के नियम 22, 24 एवं 26 में प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए नव निर्मित उच्च न्यायालय भवन, धुर्वा से दो किमी, जेयूटी, आईआईआईटी नामकुम से दो किमी एवं राजभवन से दो किमी की परिधि क्षेत्र को 24 मई से 26 मई तक अस्थायी रूप से रेड जोन घोषित किया गया है। रेड जोन में कोई भी व्यक्ति सक्षम पदाधिकारी की पूर्व अनुमति के बिना ड्रोन का प्रचालन नहीं कर सकेगा।

नैसर्गिक न्याय की हत्या है बिहार अध्यापक नियुक्ति नियमावली 2023 : जिला सचिव

बेगूसराय, (हि.स.)। बिहार सरकार द्वारा अधिसूचित नई अध्यापक भर्ती नियमावली 2023 के विरोध में सोमवार से बेगूसराय समाहरणालय के समक्ष चरणबद्ध धरना शुरू हो गया है। बिहार माध्यमिक शिक्षक संघ के आह्वान पर शुरू विरोध के पहले दिन बेगूसराय अनुमंडल माध्यमिक शिक्षक संघ के द्वारा धरना-प्रदर्शन किया गया।जिसकी अध्यक्षता अनुमंडल अध्यक्ष मिथिलेश कुमार झा एवं संचालन सचिव अरविंद कुमार ने किया। धरना की शुरूआत नगर अध्यक्ष बालकृष्ण मिश्र ने मंगला चरण से की। धरना सभा को संबोधित करते हुए जिलाध्यक्ष उमानंद चौधरी ने कहा कि हमारे शिक्षक-शिक्षिका परीक्षा फार्म हीं नहीं भरेंगे और परीक्षा का बहिष्कार करेंगे। जब तक सरकार हमें राज्य कर्मी दर्जा नहीं देगी, तब तक बिहार माध्यमिक शिक्षक संघ के निर्देश पर आंदोलन करते रहेंगे। जिला सचिव रणजीत कुमार ने कहा कि राज्य सरकार ने यह काला अध्यापक नियुक्ति नियमावली लाकर समझ रही है कि शिक्षकों का हम दमन-शोषन करेंगे। बिहार सरकार नैसर्गिक न्याय की हत्या कर रही है। इस शिक्षा और शिक्षक विरोधी नियमावली के प्रतिरोध के तीसरे चरण में बिहार के सभी जिला समाहरणालय पर क्रमिक धरना तीन जून तक चलेगा। धरना को वीरपुर प्रखंड सचिव नीरज कुमार, शाम्हो प्रखंड अध्यक्ष संजय भारती, प्रज्ञा भुवनेश्वर दास, रजनीश कुमार, अखिलेश कुमार, मंतोष कुमार एवं विधि प्रकोष्ठ के संयोजक सुबोध कुमार आदि ने भी संबोधित किया। मंगलवार को बलिया अनुमंडल एवं बरौनी प्रखंड के शिक्षक धरना में शामिल होंगे।

प्रतियोगिताओं से विद्यार्थियों का बहुमुखी विकास : कुलपति

–उत्कृष्ट कार्य के लिए उद्देश्य सिंह और मुकेश सिंह सम्मानित

जौनपुर, (हि.स.)। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय के कुलपति सभागार सोमवार को एमबीए के छात्र उद्देश्य सिंह को संसद के केंद्रीय कक्ष में नोबेल पुरस्कार विजेता रविंद्र नाथ टैगोर की जयंती के अवसर पर भाषण देने के लिए और मीरपुर विकास क्षेत्र के धमार्पुर के प्रधानाध्यापक मुकेश सिंह को बेसिक शिक्षा के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने के लिए सम्मानित किया गया। कुलपति ने कहा कि पढ़ाई लिखाई के साथ-साथ ऐसी प्रतियोगिताओं में भाग लेने से विद्यार्थियों के व्यक्तित्व का बहुमुखी विकास होता है। विश्वविद्यालय की कुलपति प्रोफेसर निर्मला एस. मौर्य ने कहा कि विश्वविद्यालय मेधावी छात्रों को अनेक सांस्कृतिक, साहित्यिक एवं खेलकूद प्रतियोगिताओं में भाग लेने में प्रोत्साहित करता है। उन्होंने कहा कि उद्देश्य सिंह विश्वविद्यालय के अन्य विद्यार्थियों के लिए प्रेरणा स्रोत है। कुलपति ने उन्हें प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया। रबिन्द्रनाथ टैगोर जयंती पर लोक सभा सचिवालय एवं विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा पूरे भारत के विश्वविद्यालयों के छात्रों का भाषण प्रतियोगिता आयोजन किया गया था। उद्देश्य सिंह को भारत के पचहत्तर विश्वविद्यालयों से सैकड़ों छात्रों में से सर्वश्रेष्ठ आठ छात्रों को भारतीय संसद के केंद्रीय कक्ष में भाषण देने के लिए चयनित किया गया था। इसमें वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय उत्तर प्रदेश से एकमात्र विश्वविद्यालय रहा। दूसरी ओर प्राथमिक विद्यालय मीरपुर विकास क्षेत्र धमार्पुर जौनपुर के प्रधानाध्यापक मुकेश सिंह को सम्मानित किया गया। उन्हें सम्मान पत्र देते हुए कुलपति प्रोफेसर निर्मला एस मौर्य ने कहा कि प्राथमिक स्तर से ही बच्चों को मूल्यपरक शिक्षा देकर उन्हें नैतिक, सदाचारी एवं संस्कारवान मानव बनाना ही शिक्षा का प्रमुख उद्देश्य है। उन्होंने इस विद्यालय में संचालित बाल वाटिका की प्रशंसा करते हुए हरसंभव मदद का आश्वासन दिया। मुकेश सिंह ने कहा कि 402 बच्चों के साथ प्राथमिक विद्यालय मीरपुर उन चुनिंदा विद्यालयों में शामिल है जिसमें विगत 03 सत्रों से निरंतर 100 से अधिक नवीन नामांकन, शत-प्रतिशत आधार सत्यापन एवं 98% डीबीटी किया है। संचालन पूर्व एन एस एस समन्वयक प्रो. राकेश यादव ने किया। कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के कुलसचिव महेंद्र कुमार, वित्त अधिकारी संजय कुमार राय, नारायण सिंह, अमृतलाल, बबिता सिंह, प्रो. अजय द्विवेदी, प्रो.मुराद अली, प्रो.संदीप सिंह आदि उपस्थित रहे।

मुख्यमंत्री सोरेन ने जुडको के अधिकारियों के साथ की बैठक

– बेहतर सड़कें मुहैया कराना सरकार की प्राथमिकता : हेमंत सोरेन

रांची, (हि.स.)। मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन ने सोमवार को कांके रोड रांची स्थित मुख्यमंत्री आवासीय कार्यालय में झारखंड अर्बन इंफ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट कंपनी लि. (जुडको) के अधिकारियों के साथ बैठक की। बैठक में जुडको के अधिकारियों ने मुख्यमंत्री के समक्ष प्रस्तावित "जोनल ब्यूटीफिकेशन एंड डेवलपमेंट ऑफ एक्जिस्टिंग स्ट्रीट एंड रिलेटेड इंफ्रास्ट्रक्चर फ्रॉम अल्बर्ट एक्का चौक टू कचहरी चौक एंड सराउंडिंग एरियाज इन रांची" के मास्टर प्लान का पावर पॉइंट प्रेजेंटेशन रखा। जुडको की ओर प्रस्तावित इस कार्य योजना के तहत रांची के अल्बर्ट एक्का चौक से कचहरी चौक और आसपास के क्षेत्र में मौजूदा सड़क और बुनियादी ढांचे का सौंदर्यीकरण किया जाएगा। बैठक में मुख्यमंत्री ने प्रस्तावित कार्य योजना के मास्टर प्लान की विस्तृत जानकारी ली। मुख्यमंत्री मास्टर प्लान के प्रत्येक पहलुओं को गहराई से समझा तथा अपनी ओर से कई आवश्यक सुझाव एवं दिशा-निर्देश अधिकारियों को दिए। मास्टर प्लान के तहत उक्त क्षेत्रों में मुख्य रूप से वेंडिंग जोन के साथ तीन मल्टीलेवल पार्किंग का निर्माण, ग्रीन एरिया का विस्तारीकरण, विभिन्न सड़कों का चौड़ीकरण तथा कचहरी चौक से जेल चौक तक अंडर बाईपास रोड का निर्माण सहित विभिन्न बुनियादी ढांचों के सौंदर्यीकरण सहित अन्य कार्य किया जाना प्रस्तावित है।

मुख्यमंत्री सोरेन ने जुडको के अधिकारियों से कहा कि हमारी सरकार रांची वासियों को सुरक्षित, सुगम और गुणवत्तापूर्ण सड़कें मुहैया कराने के लिए प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रही है। रांची की कई महत्वपूर्ण सड़कों पर फ्लाईओवर निर्माण कार्य प्रगति पर है। शहर के बुनियादी ढांचे को सुंदर और सुव्यवस्थित बनाने का कार्य भी किया जा रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि जुडको आधुनिक तकनीक का उपयोग कर रांची शहर के बुनियादी ढांचों के विकास हेतु ठोस और बेहतर कार्य योजना बनाकर ससमय योजनाओं को पूरा करे। मुख्यमंत्री ने कहा कि अल्बर्ट एक्का चौक से कचहरी चौक तथा रातू रोड चौक से कचहरी होते हुए जेल चौक तक सड़कों का चौड़ीकरण तथा सुदृढ़ीकरण कार्य किया जाना अत्यंत आवश्यक है। रांची की इन प्रमुख सड़कों पर ट्रैफिक का दबाव ज्यादा रहता है। प्रत्येक दिन जाम की स्थिति बनती है। इन सड़कों को व्यवस्थित कर लोगों को जाम की स्थिति से बचाया जा सकेगा तथा राहगीरों का समय और पैसा दोनों बचेगा।

आतंकवादियों को संरक्षण देती है पीडीपी अध्यक्ष महबूबा मुफ्ती : गिरिराज सिंह

बेगूसराय, (हि.स.)। केंद्रीय ग्रामीण विकास और पंचायती राज मंत्री गिरिराज सिंह ने कहा है कि पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी (पीडीपी) अध्यक्ष और जम्मू कश्मीर की पूर्व मुख्यमंत्री की महबूबा मुफ्ती आतंकवादियों की संरक्षक है। उसी ने जम्मू कश्मीर में आतंक फैलाई। सोमवार को बेगूसराय में पत्रकारों से बात करते हुए गिरिराज सिंह ने कहा है कि आज महबूबा मुफ्ती टीपू सुल्तान के मजार पर फतिहा पढ़ने की बात कर रही है। वह अक्रांता और लुटेरा टीपू सुल्तान के मजार पर पूजा करें, नमाज पढ़े या फतिहा, जो मन है करे। लेकिन टीपू सुल्तान ने अंग्रेजों के खिलाफ कोई लड़ाई नहीं लड़ी थी। टीपू सुल्तान भी भारत को लूटने आया था। भारत को लूट कर अपना शासन किया। अंग्रेज आए तो अपना शासन बचाने के लिए टीपू सुल्तान ने भारत की संस्कृति को भी लूटा। अंग्रेजों की तरह वह भी लुटेरा था। आज आतंकवादियों की संरक्षक महबूबा मुफ्ती एक आक्रांता के मजार पर नमाज पढ़ने की बात कर रही है। जमीयत उलेमा-ए-हिन्द के अध्यक्ष मौलाना अरशद मदनी द्वारा महाराष्ट्र में एक धार्मिक कार्यक्रम के दौरान बजरंग दल पर प्रतिबंध लगाकर कांग्रेस द्वारा 70 साल पुरानी गलती सुधारने का बयान देने पर गिरिराज सिंह ने असद मदनी के साथ-साथ अन्य पर भी जोरदार प्रहार किया। गिरिराज सिंह ने कहा कि 70 साल पहले अगर हमारे पूर्वजों से भूल नहीं होती तो बंटवारा में पूरा मुस्लिम कम्युनिटी पाकिस्तान चला जाता। पूरा मुस्लिम कम्युनिटी पाकिस्तान चला जाता तो आज भारत में जाकर मियां, असदुद्दीन ओवैसी, अरशद मदनी जैसे लोग पैदा नहीं होते। भारत को गजवा-ए-हिंद बनाने की बात कोई नहीं करता। आज वह बजरंग दल पर कांग्रेस द्वारा प्रतिबंध लगवाने की बात कह रहे हैं, यह देश का दुर्भाग्य है। दुर्भाग्य है कि हमारे पूर्वजों से बहुत बड़ी भूल हुई। उसी भूल का खामियाजा आज की युवा पीढ़ी भोग रही है। मदनी, ओवैसी और जाकिर मियां जैसे लोग भारत में पैदा होकर भारत को ही गजवा-ए-हिंद बनाने की बात करते हैं। सर तन से जुदा करने का नारा लगा रहे हैं।

संपादकीय

समूचे परिवहन का घाटा

परिवहन की पताका ओढ़े हिमाचल की सरकारी बसों को फिर से बचाने और आजमाने की कोशिश में प्रदेश सरकार की चिंताएं सामने आ रही हैं। कुछ रास्ते निकाले जा रहे हैं और एचआरटीसी के प्रति प्रतिबद्धता दर्शाते हुए नई बसों के बेड़े और ई-बसों की ओर बढने का प्रयास भी हो रहा है। इसमें दो राय नहीं कि सार्वजनिक परिवहन पिछली भाजपा सरकार में कुछ हद तक उपेक्षित रहा और एचआरटीसी अपनी क्षमता व काबिलीयत हारती हुई दिखाई दी, लेकिन इसके बरअक्स निजी बसों ने जनता को परिवहन सहूलियतों की भरपाई की। अब वर्तमान सरकार अपनी ई-वाहन पॉलिसी के तहत इलेक्ट्रिक बसों के मॉडल पर एचआरटीसी की नाक बचाना चाहती है। परिवहन निगम को आत्मनिर्भर बनाने की कसौटियां अपनी जगह सही हैं, लेकिन समूचे परिवहन को घाटे से उबारने के लिए एक सशक्त व स्थायी ट्रांसपोर्ट पॉलिसी की जरूरत है। इसी परिप्रेक्ष्य में साठ हजार के लगभग ट्रकों पर लगी पैनल्टी को माफ किया जा रहा है। कम से कम सरकार के आगामी कदमों में निजी क्षेत्र की वोल्वो बसें अपराधी घोषित हो चुकी हैं। इन्हें वोल्वो माफिया भी कहा जा रहा है, जबकि पिछले दो दशकों में यह साबित हो चुका है कि प्रदेश पर्यटन के फलक पर इन्हीं बसों ने एक श्रृंखला खड़ी की है। परिवहन और पर्यटन की तासीर में निजी क्षेत्र की सहभागिता का ही कमाल है कि हिमाचल में सैलानी आगमन निरंतर बढ़ रहा है। हालांकि यह मुसाफिर बसें नहीं हैं, फिर भी खास तौर पर दिल्ली का आना-जाना प्राइवेट वोल्वो ने सुगम, आरामदायक व अंतरराष्ट्रीय मानकों तक पहुंचा दिया है। शिकायत यह है कि एचआरटीसी बनाम निजी वोल्वो की प्रतिस्पर्धा ने सरकारी बसों पर प्रश्न चस्पां किए हैं, तो अब कर प्रणाली को सख्त किया जा रहा है। प्रश्न यह है कि क्या एचआरटीसी को बचाने के लिए निजी बसों, खास तौर पर वोल्वो या पर्यटन बसों को इसके लिए आर्थिक अपराधी मान लिया जाए। सवाल यह भी है कि पर्यटन बसों को राष्ट्रीय परिप्रेक्ष्य में समझने के बजाय इन्हें प्रादेशिक जज्बात से क्यों तोला जाए। निजी बनाम सरकारी बसों से किसी का घाटा पूरा नहीं होगा, बल्कि समूचे परिवहन का घाटा ही बढ़ेगा। हम यह नहीं कहते कि निजी वोल्वो को मनमानी करनी दी जाए, लेकिन यह भी मानना पड़ेगा कि ये बसें वर्तमान में हिमाचल पर्यटन की वास्तविक ब्रांड हैं, जो हर दिन हजारों सैलानियों को विभिन्न डेस्टिनेशन स्थलों तक पहुंचाती हैं। ऐसे में जरूरी हो जाता है कि पर्यटन पार्टनर के रूप में निजी वोल्वो बसों के परिचालन की नीति कुछ इस तरह बनाई जाए कि इनके जरिए पड़ोसी राज्यों के अधिकतम सैलानी यहां आएं। ये बसें फिलहाल आल इंडिया परमिट के तहत उसी तरह पंजीकृत हैं, जिस तरह प्रदेश पर्यटन की बसें चल रही हैं। यह भी एक हकीकत है कि कई हिमाचली युवा अब वोल्वो बसों का संचालन कर रहे हैं, लेकिन इनकी बसें हरियाणा या चंडीगढ़ में पंजीकृत हो रही हैं। इस तरह एक वोल्वो बस की खरीद पर कुल जीएसटी का नुकसान हिमाचल उठा रहा है जो कि करीब तीस से पैंतीस लाख तक हो जाता है। हिमाचल भले ही प्रत्येक वोल्वो पर सालाना नौ लाख का शुल्क लगा दे, लेकिन इसके मुकाबले चंडीगढ़ हर साल 11 हजार, हरियाणा डेढ़ लाख, उत्तराखंड 72 हजार तथा अरुणाचल प्रदेश 42 हजार राज्य पथ कर वसूल रहे हैं।

पिछले दो दशकों में यह साबित हो चुका है कि प्रदेश पर्यटन के फलक पर इन्हीं बसों ने एक श्रृंखला खड़ी की है। परिवहन और पर्यटन की तासीर में निजी क्षेत्र की सहभागिता का ही कमाल है कि हिमाचल में सैलानी आगमन निरंतर बढ़ रहा है। हालांकि यह मुसाफिर बसें नहीं हैं, फिर भी खास तौर पर दिल्ली का आना-जाना प्राइवेट वोल्वो ने सुगम, आरामदायक व अंतरराष्ट्रीय मानकों तक पहुंचा दिया है। शिकायत यह है कि एचआरटीसी बनाम निजी वोल्वो की प्रतिस्पर्धा ने सरकारी बसों पर प्रश्न चस्पां किए हैं, तो अब कर प्रणाली को सख्त किया जा रहा है। प्रश्न यह है कि क्या एचआरटीसी को बचाने के लिए निजी बसों, खास तौर पर वोल्वो या पर्यटन बसों को इसके लिए आर्थिक अपराधी मान लिया जाए। सवाल यह भी है कि पर्यटन बसों को राष्ट्रीय परिप्रेक्ष्य में समझने के बजाय इन्हें प्रादेशिक जज्बात से क्यों तोला जाए। निजी बनाम सरकारी बसों से किसी का घाटा पूरा नहीं होगा, बल्कि समूचे परिवहन का घाटा ही बढ़ेगा।

कुछ अलग

यह नोटबंदी नहीं है

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने 2000 रुपए का 'गुलाबी नोट' बंद कर दिया है। भविष्य में यह नोट चलन में नहीं होगा। अलबत्ता 30 सितंबर, 2023 तक देशवासी बैंकों में जाकर इस नोट को बदलवा सकते हैं अथवा अपने खाते में जमा कर सकते हैं। एक बार में 2000 रुपए के 10 नोट, यानी 20,000 रुपए, ही बदलवाए जा सकेंगे। खाते में कितनी भी राशि जमा की जा सकेगी। सिर्फ 'केवाईसी' की औपचारिकता पूरी करनी होगी। 'गुलाबी नोट' से जुड़ी बैंकों की प्रक्रिया 23 मई से शुरू होगी। फिलहाल सितंबर के बाद भी 2000 का नोट 'मान्य' होगा, ऐसा आरबीआई के शीर्ष अधिकारियों का कहना है। यह नोटबंदी इसलिए नहीं है, क्योंकि हमारे देश की करीब 10.8 फीसदी मुद्रा ही 2000 के नोट के रूप में है। जब प्रधानमंत्री मोदी ने 8 नवम्बर, 2016 की रात्रि 8 बजे नोटबंदी की घोषणा की थी और रात्रि 12 बजे से ही 500 और 1000 रुपए के नोट 'कागज का टुकड़ा' हो गए थे, तब 86 फीसदी से अधिक मुद्रा के चलन पर असर पड़ा था। हालांकि तब भी 100, 50, 20 और 10 रुपए के नोट चलन में थे। फिर भी नकदी के संकट की भरपाई के लिए 2000 रुपए का नोट शुरू किया गया था। आरबीआई अब स्पष्ट कर रहा है कि 2000 का नोट 'अस्थायी बंदोबस्त' था। केंद्रीय बैंक ने बहुत पहले 'गुलाबी नोट' को वापस लेने की प्रक्रिया शुरू कर दी थी, लिहाजा 2018-19 के बाद एक भी 'गुलाबी नोट' नहीं छापा गया। बीती मार्च, 2023 में 2000 के 181 करोड़ नोट ही चलन में बचे थे, जिनका कुल मूल्य 3.62 लाख करोड़ रुपए बनता है। देश की करीब 3.5 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था में यह राशि नगण्य है। बहरहाल नोटबंदी या नोटबदली आरबीआई के अधिकार-क्षेत्र की प्रक्रिया है। कांग्रेस नेतृत्व की यूपीए सरकार के दौरान 2013 में कुछ नोटों की सीरिज वापस ले ली गई थी। कोई हंगामा नहीं मचा। कोई सियासी दुष्प्रचार नहीं किया गया। अब तो प्रधानमंत्री मोदी की पढ़ाई पर सवाल किए जा रहे हैं। केजरीवाल और उनकी पार्टी को ज्यादा ही चिंता है। वे इसे 'राष्ट्रीय संकट' करार देने के मूड में हैं। पूर्व केंद्रीय वित्त मंत्री चिदंबरम ने कहा है कि मूर्खता छिपाने के लिए यह 'गुलाबी नोट' लाया गया था। नोटबंदी का समग्र मामला सर्वोच्च अदालत तक पहुंचा। न्यायिक पीठ ने न तो इसे 'अवैध' करार दिया और न ही सरकार के आर्थिक निर्णय में कोई हस्तक्षेप किया। जो दल और नेता नोटबंदी को बेहद असंवैधानिक मान रहे थे, उन्हें सर्वोच्च अदालत के फैसले के बाद खामोश होना पड़ा। यह सवाल जिज्ञासा के स्तर पर जरूर किया जाना चाहिए कि नवम्बर, 2016 में 2000 रुपए का नोट लाया गया और 2018-19 के बाद एक भी 'गुलाबी नोट' छापा नहीं गया। आरबीआई ने इस नोट को समेटना शुरू कर दिया। यह नोट एटीएम से भी नहीं निकलता है। यह हमारा निजी अनुभव भी रहा है। आम आदमी बहुत कम इस्तेमाल करता रहा है। जांच एजेंसियों की ऐसी रपटें सामने आती रही हैं कि काला धन, हवाला आदि के छापों में जो नकदी बरामद किया गया है, उनमें 95 फीसदी 2000 और 500 रुपए के नोट ही होते हैं। बीते 6 साल में केंद्रीय बैंक ने 102 करोड़ रुपए मूल्य के 'गुलाबी नोट' नष्ट किए हैं। क्या यह नोट इतना 'अल्पकालिक' था? क्या बड़े भ्रष्टाचार, जमाखोरी, आतंकवाद की फंडिंग आदि के लिए ही यह नोट कारगर रहा? चूंकि 2000 का नोट बाजार से वापस लेने का निर्णय लिया गया है, लिहाजा उसके स्थान पर 500 और 200 रुपए के अधिक नोट बैंक ने छाप दिए होंगे।

प्रधानमंत्री मोदी ने 8 नवम्बर, 2016 की रात्रि 8 बजे नोटबंदी की घोषणा की थी और रात्रि 12 बजे से ही 500 और 1000 रुपए के नोट 'कागज का टुकड़ा' हो गए थे, तब 86 फीसदी से अधिक मुद्रा के चलन पर असर पड़ा था। हालांकि तब भी 100, 50, 20 और 10 रुपए के नोट चलन में थे। फिर भी नकदी के संकट की भरपाई के लिए 2000 रुपए का नोट शुरू किया गया था। आरबीआई अब स्पष्ट कर रहा है कि 2000 का नोट 'अस्थायी बंदोबस्त' था।

अमेरिका में महंगाई अपने चरम पर है और इसे रोकने के लिए अमेरिकी फेडरल बैंक लगातार ब्याज दरों में इजाफा कर रहा

विदेश व्यापार घाटे की चुनौती

डा. जयंती लाल भंडारी

हाल ही में फेडरेशन ऑफ इंडियन एक्सपोर्ट आर्गेनाइजेशंस (फियो) के कार्यक्रम में यह बात एक मत रेखांकित हुई है कि रूस-यूक्रेन युद्ध में तेजी से आने वाला समय देश से निर्यात के लिए काफी चुनौतीपूर्ण व कठिन होने जा रहा है। ऐसे में हमें जहां निर्यात के नए बाजार खोजने होंगे, वहीं कम जरूरी उत्पादों का आयात नियंत्रित करना होगा। तभी देश के विदेश व्यापार के घाटे में कमी लाई जा सकेगी। गौरतलब है कि हाल ही में जारी आंकड़ों के मुताबिक वित्त वर्ष 2022-23 में भारत से उत्पादों का निर्यात 447 अरब डॉलर और सेवा निर्यात 323 अरब डॉलर यानी कुल 770 अरब डॉलर रहा है। यद्यपि यह देश से निर्यात का सर्वोच्च स्तर है, लेकिन वर्ष 2022-23 में भारत का कुल व्यापार घाटा इससे पिछले वर्ष के 83 अरब डॉलर से बढ़कर 122 अरब डॉलर हो गया है। अब इस वर्ष व्यापार घाटे के और बढने की आशंका है। स्पष्ट दिखाई दे रहा है कि चालू वित्त वर्ष 2023-24 उत्पाद निर्यात के लिहाज से बेहतर नहीं रहने वाला है। भारत अपने कुल उत्पाद निर्यात का सबसे अधिक करीब 17.50 फीसदी निर्यात अमेरिका को करता है, जो मंदी की चपेट में आता दिख रहा है। अमेरिका में महंगाई अपने चरम पर है और इसे रोकने के लिए अमेरिकी फेडरल बैंक लगातार ब्याज दरों में इजाफा कर रहा है। यूरोप की आर्थिक दशा भी ठीक नहीं चल रही है। रूस-यूक्रेन युद्ध के बीच यूरोप के अधिकतर देश गैस व खाद्य संकट से जूझ रहे हैं जिससे वहां महंगाई बढने के साथ औद्योगिक उत्पादन भी कम हो गया है। संभवतया यही कारण है कि वाणिज्य विभाग की तरफ से चालू वित्त वर्ष 2023-24 के लिए कोई निर्यात लक्ष्य अब तक तय नहीं किया गया है। पिछले वित्त वर्ष में उत्पाद व सेवा निर्यात जिस ऊंचाई पर रहा है, इस बार निर्यात का उस मंजिल तक भी पहुंचना आसान नहीं दिख रहा है। दूसरी ओर बढ़ते हुए आयात रोकना भी मुश्किल हैं। भारत का कुल आयात पिछले वित्त वर्ष 2022-23 में 892 अरब डॉलर रहा, जो वित्त वर्ष 2021-22 में 760 अरब डॉलर था। आयात में कमी लाना चुनौती दिखाई दे रही है। यद्यपि चीन और भारत के बीच सीमा पर लगातार तनाव बढ़ा हुआ है, लेकिन फिर भी विदेश व्यापार के क्षेत्र में भारत की चीन पर निर्भरता बनी हुई है। इस समय चीन से लगातार बढ़ता व्यापार असंतुलन पूरे देश की एक बड़ी आर्थिक चिंता का कारण बन गया है। वर्ष 2021-22 में चीन से 54.57 अरब डॉलर मूल्य का आयात

किया गया था। किन्तु वर्ष 2022-23 में चीन से कुल आयात बढ़कर 98.51 अरब डॉलर हो गया है। जबकि वर्ष 2021-22 में चीन को किया गया निर्यात 21.26 अरब डॉलर था। जोकि वर्ष 2022-23 में घटकर 15.32 अरब डॉलर रह गया। ऐसे में पिछले वित्त वर्ष में चीन से व्यापार घाटा बढ़कर 83.19 अरब डॉलर हो गया है। निश्चित रूप से चालू वित्तीय वर्ष में विदेश व्यापार में घाटे को नियंत्रित करने के लिए आयात में कमी और निर्यात में वृद्धि करने के विभिन्न रणनीतिक कदम उठाने होंगे। हमें चीन सहित विभिन्न देशों से घटिया और कम गुणवत्ता मानक वाले आयात नियंत्रित करने होंगे। यह बात महत्वपूर्ण है कि सरकार ने उपभोक्ता की सुरक्षा व उनकी रोजमर्रा की जिंदगी से जुड़े आयातीत हो रहे घटिया व कम गुणवत्ता के 2000 से अधिक उत्पादों को चिन्हित किया है। अब उनके आयात नियंत्रण पर ध्यान देना होगा। ऐसे उत्पादों में से इस वर्ष 643 उत्पादों के लिए गुणवत्ता मानक जारी करने का जो लक्ष्य रखा गया है, उसका परिपालन आवश्यक है। गौरतलब है कि फुटवियर मेड फ्रॉम लेदर एंड अदर मटेरियल (क्वालिटी कंट्रोल) ऑर्डर 2022 के तहत देश में एक जुलाई से क्वालिटी कंट्रोल ऑर्डर लागू किया जाना तय हुआ है। यह ध्यान रखा जाना होगा कि फुटवियर गुणवत्ता नियंत्रण के ऑर्डर एक जुलाई से अवश्य लागू किए जाएं और उसकी तारीख आगे नहीं बढ़ाई जाए। इससे लाभ यह होगा कि देश में चीन, वियतनाम, इंडोनेशिया और बंगलादेश से होने वाले घटिया जूते-चप्पलों के आयात में बड़ी कमी आएगी। ज्ञातव्य है कि चीन से सबसे अधिक फुटवियर का आयात होता है। पिछले वित्त वर्ष में 2022-23 में चीन से 85.85 करोड़ डॉलर मूल्य के फुटवियर का भारत में आयात किया गया है। अब निर्यात बढ़ाने के लिए एक अप्रैल 2023 से लागू नई विदेश व्यापार नीति (एफटीपी) 2023 का कारगर क्रियान्वयन जरूरी है। इसके तहत इन्सेंटिव की जगह टैक्स और विभिन्न शुल्क में राहत देते हुए निर्यात संबंधी काम को आसान बनाने की कई व्यवस्थाएं सुनिश्चित करके वर्ष 2030 तक देश से उत्पाद एवं सेवा निर्यात दो लाख करोड़ (दो ट्रिलियन) डॉलर तक ले जाने का महत्वाकांक्षी लक्ष्य रखा गया है। नई विदेश व्यापार नीति के तहत सरकार ने निर्यात के दायरे को बढ़ाने के लिए जिला स्तर पर एक्सपोर्ट हब की स्थापना करने की घोषणा की है और वित्त वर्ष 2023-24 में 75 जिलों में एक्सपोर्ट हब बनाए जा सकते हैं। इससे निर्यात से जुड़े इंफ्रास्ट्रक्चर की कमी दूर हो सकेगी। सरकार वन डिसट्रिक्ट वन प्रोडक्ट की पहचान का काम पहले ही पूरा कर चुकी है। जिला स्तर पर निर्यात सुविधा विकसित होने से उस जिले के उत्पाद को आसानी से निर्यात किया जा सकेगा। ई-कॉमर्स के माध्यम से होने वाले निर्यात के प्रोत्साहन के लिए अलग से ई-कॉमर्स जोन की स्थापना का भी ऐलान किया गया है। यह सुनिश्चित किया जाना जरूरी है कि नई एफटीपी के तहत आवेदनों का डिजटलीकरण हो तथा आवेदकों को स्वचालन प्रणाली के जरिए मंजूरी मिले। पहले निर्यात संबंधी विभिन्न मंजूरियों से तीन दिन से लेकर एक महीने का समय लगता था, अब यह मंजूरी एक दिन में दिए जाने संबंधी नियम का परिपालन हो। निःसंदेह इस समय जब वैश्विक आर्थिक एवं व्यापार चुनौतियों के बीच कुल वैश्विक निर्यात में भारत का योगदान करीब 1.8 फीसदी और वैश्विक व्यापार में भारत का हिस्सा दो फीसदी से भी कम है, तब व्यापार घाटा कम करना सचमुच चुनौतीपूर्ण है। देश के विदेश व्यापार के सामने कई चुनौतियां मुंहबाए खड़ी हैं। देश में माल परिवहन की लागत बहुत ऊंची 13.14 फीसदी है। विश्व बैंक के मुताबिक भारत लॉजिस्टिक खर्च के मामले में दुनिया में बहुत पीछे 44वें स्थान पर है। शोध और नवाचार के मामले में भारत दुनिया में 40वें क्रम पर है। देश की श्रमशक्ति नई डिजिटल कौशल योग्यता से बहुत दूर है। प्रोडक्शन लिंक्ड इन्सेंटिव (पीएलआई) के संतोषप्रद परिणाम अभी मिलना शुरू नहीं हुए हैं। चीन से व्यापार असंतुलन कम करने की बड़ी चुनौती भी सामने है। ऐसे में देश से निर्यात बढ़ाने और आयात घटाने के लिए अर्थव्यवस्था के डिजिटलीकरण की रफ्तार तेज करने के साथ-साथ युवा श्रमशक्ति को कौशल योग्यता से सुसज्जित करना होगा। देश की नई लॉजिस्टिक नीति और गति शक्ति योजना की अभूतपूर्व रणनीतियों के कारगर क्रियान्वयन से लॉजिस्टिक लागत घटाना होगी।

2022-23 में भारत से उत्पादों का निर्यात 447 अरब डॉलर और सेवा निर्यात 323 अरब डॉलर यानी कुल 770 अरब डॉलर रहा है। यद्यपि यह देश से निर्यात का सर्वोच्च स्तर है, लेकिन वर्ष 2022-23 में भारत का कुल व्यापार घाटा इससे पिछले वर्ष के 83 अरब डॉलर से बढ़कर 122 अरब डॉलर हो गया है। अब इस वर्ष व्यापार घाटे के और बढ़ने की आशंका है। स्पष्ट दिखाई दे रहा है कि चालू वित्त वर्ष 2023-24 उत्पाद निर्यात के लिहाज से बेहतर नहीं रहने वाला है। भारत अपने कुल उत्पाद निर्यात का सबसे अधिक करीब 17 .50 फीसदी निर्यात अमेरिका को करता है, जो मंदी की चपेट में आता दिख रहा है।

प्रदेश में पर्यटन की बुनियादी चुनौतियां

मुख्यमंत्री ने दिनांक 17 मार्च 2023 को वर्ष 2023-24 के बजट अनुमान प्रस्तुत करते हुए इस बात पर बल दिया कि हमें आज के समय की वास्तविकताओं को समझते हुए, आने वाली परिस्थितियों के दृष्टिगत विकास की अवधारणा को बदलना होगा। यह भी कहा गया कि मुख्य चुनौती सिर्फ ढांचागत विकास की ही नहीं, अपितु गुणवत्ता युक्त सेवाएं प्रदान करना भी है। हिमाचल के संदर्भ में यदि बात की जाए तो इस बात से सभी सहमत हैं कि पर्यटन, जलविद्युत व बागवानी, ये तीनों प्रदेश के शक्ति बिंदु हैं व हिमाचल की पहचान हैं। जब से वर्तमान सरकार ने कार्य संभाला है, पर्यटन विकास को अपने ग्रोथ एजेंडा में सबसे ऊपर रखा है। स्विट्जरलैंड, सिंगापुर, मालदीव जैसे कई देश हैं, जिनकी आर्थिकी का मुख्य आधार ही पर्यटन है। उन्होंने दीर्घकालीन योजनाएं बनाकर अपने पर्यटन का विकास किया है। यद्यपि हिमाचल को अपनी नैसर्गिक सुंदरता के लिए पहाड़ों की रानी भी कहा जाता है, परंतु यह बात भी सत्य है कि इस पर्यटन रूपी हीरे को अभी तक पूरी तरह से नहीं तराशा गया है। हिमाच्छादित पहाड़, सुखद जलवायु, कल-कल बहती नदियां, हरे-भरे जंगल व सुरम्य घाटियां, नयनाभिराम ग्लेशियर, चन्द्रताल, नाको, रेणुका सी प्राकृतिक झीलें, मनमोहक दृश्यावलियां बरबस ही पर्यटकों को आह्लादित करती हैं। शिमला, डलहौजी, मनाली, धर्मशाला, मैकलोडगंज, कसोल, काजा, खजियार, सांगला घाटी, पराशर, कुफरी आदि उल्लेखनीय दर्शनीय स्थल हैं। इस वर्ष के बजट में पर्यटन विकास पर विशेष बल दिया गया है जिसके अंतगर्त हैलीपोर्ट्स का विकास, हैलीटैक्सी का संचालन व कांगड़ा जिले में अंतरराष्ट्रीय स्तर का गोल्फ कोर्स, आइस स्केटिंग व रोलर स्केटिगं रिंक का निर्माण, पर्यटन गांव की स्थापना तथा पौंग डैम में वॉटर स्पोर्ट्स, शिकारा, क्रूज व यॉट आदि की व्यवस्था करना शामिल है। हिमाचल के विभिन्न पर्यटन स्थलों के अपने व्यक्तिगत अनुभवों के आधार पर तथा एक पर्यटक के दृष्टिकोण से मेरा यह मानना है, कि यदि हम छोटी-छोटी कुछ जमीनी बातों पर ध्यान दें तो हिमाचल के पर्यटन को और पंख मिलेंगे। सबसे पहले मनाली की बात करते हैं, जहां पूरे भारत से पर्यटक वर्षभर आकर यहां की सुंदरता का आनंद लेते हैं। मनाली के प्रवेश द्वार पर ग्रीन-टैक्स बैरियर है। यह टैक्स बाहरी राज्यों के पर्यटकों से वसूला जाता है। इस धनराशि का उपयोग मनाली के प्राकृतिक सौंदर्य को संरक्षित करने व पर्यटकों को गुणवता-युक्त सुविधाएं प्रदान करने पर होना चाहिए, परंतु जब इस प्रवेश द्वार से निकलने के पश्चात घंटों तक पर्यटक जाम में फंसा रहता है तो उसे बहुत निराशा होती है। हिडिम्बा रोड व क्लब हाऊस रोड जगह-जगह गड्ढों से भरे हैं। बाजार की खुली नालियों में बहता दुर्गन्धयुक्त गंदा पानी इस पर्यटन नगरी की सुन्दरता पर दाग लगाता है। गर्मियों के पर्यटन सीजन में यह स्थिति और भयावह हो जाती है। इसके अतिरिक्त पार्किंग मनाली की एक बहुत गम्भीर समस्या है। ग्रीन-टैक्स से इकट्ठी हुई धनराशि उपलब्ध स्थानों पर कम दरों की उचित पार्किंग व्यवस्था, सुन्दर व चौड़ी सडक़ों के निर्माण पर व गन्दे पानी के उचित निकास पर विशेष रूप से खर्च की जानी चाहिए। बर्फ के मौसम में बार-बार बिजली का गुल हो जाना भी यहां के पर्यटन को धक्का लगाती है। अतः बिजली आपूर्ति व्यवस्था का सदृढ़ीकरण भी आवश्यक है। इसी प्रकार बाहरी राज्यों से बहुत से पर्यटक कसौली में सुकून पाने आते हैं। यहां भी धर्मपुर से जब कसौली की ओर अन्दर प्रवेश करते हैं, तो सडक़ों की दयनीय स्थिति, धूल व गड्ढों से भरी सडक़ें पर्यटकों का स्वागत करती हैं। तंग व बदाहल सडक़ों के कारण यहां भी जाम आम समस्या है। खजियार व पराशर की झीलें सूखने के कगार पर हैं व इन स्थलों पर जाने के लिए पर्यटकों को भी बहुत ही संकरे, ऊबड़-खाबड़ व पथरीले रास्तों से गुजरना होता है। कुफरी की बात करें तो वहां की धूल व ऊबड़-खाबड़ सडक़ें व घोड़ों के मल की दुर्गन्ध पर्यटकों को निराश करती है। कहीं भी कोई स्वच्छ शौचालय या जन सुविधाएं उपलब्ध नहीं हैं। इस चर्चा से एक बात स्पष्ट होती है कि पर्यटन स्थल की साफ-सफाई, स्वच्छ शौचालय, उचित व सस्ती-पार्किंग तथा सुन्दर व चौड़ी सडक़ें पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए बुनियादी आवश्यकताएं हैं। मात्र होटलों का निर्माण करना ही पर्यटन विकास नहीं है। ऐसा करने से अनावश्यक रूप से पर्यावरण सन्तुलन गड़बड़ा जाता है। सम्पूर्ण पर्यटन ईको सिस्टम का विकास आवश्यक है। पर्यटक चाहता है कि वह तय दिनों के अन्दर अपना प्रवास पूरा करे व उस पर्यटन स्थल के बारे में एक सुखद स्मृति लेकर जाए। इसके लिए स्थानीय प्रशासन को कुछ बातों पर विशेष ध्यान देने की जरूरत है- जैसे कि पर्यटक घंटों तक जाम में न फंसे, दलालों व अन्य बिचौलियों की ठगी व लूट-खसोट न हो। भीड़-भाड़ वाले स्थलों पर मित्र-पुलिस द्वारा अराजक तत्वों की गुडांगर्दी व जेब-कतरों से पर्यटकों की सुरक्षा सुनिश्चित हो। स्वच्छ व उचित संख्या वाले शौचालय उपलब्ध रहें। पर्यटकों को सही व सटीक जानकारी देने के लिए पर्यटन निगम द्वारा अपनी वेबसाईट पर, बड़े-बड़े होर्डिंग के माध्यम से व सूचना-केन्द्रों के माध्यम से जानकारी प्रदान की जानी चाहिए। जहां पर्यटक प्रशासन से उचित व्यवस्थाओं की उम्मीद रखते हैं, वहीं उनका भी नैतिक कत्तव्य बन जाता है कि वे स्थानीय प्रशासन द्वारा उनके लिए तय नियम-कानूनों व निर्देशों का पालन करें, गन्दगी न फैलाएं, सभी चेतावनियों का पालन करें। यदि पर्यटक व्यवस्थाओं से सन्तुष्ट है तो वापस जाकर अपने दूसरे साथियों व मित्रों को वहां की जानकारी दे ताकि और अधिक संख्या में पर्यटक आएं, जिससे प्रदेश की आर्थिकी व रोजगार को बढ़ावा मिल सके।

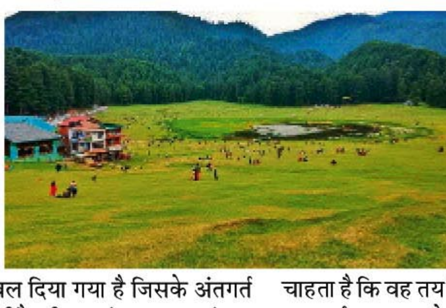

हिमाचल के विभिन्न पर्यटन स्थलों के अपने व्यक्तिगत अनुभवों के आधार पर तथा एक पर्यटक के दृष्टिकोण से मेरा यह मानना है, कि यदि हम छोटी-छोटी कुछ जमीनी बातों पर ध्यान दें तो हिमाचल के पर्यटन को और पंख मिलेंगे।सबसे पहले मनाली की बात करते हैं, जहां पूरे भारत से पर्यटक वर्षभर आकर यहां की सुंदरता का आनंद लेते हैं।मनाली के प्रवेश द्वार पर ग्रीन-टैक्स बैरियर है। यह टैक्स बाहरी राज्यों के पर्यटकों से वसूला जाता है। इस धनराशि का उपयोग मनाली के प्राकृतिक सौंदर्य को संरक्षित करने व पर्यटकों को गुणवता-युक्त सुविधाएं प्रदान करने पर होना चाहिए, परंतु जब इस प्रवेश द्वार से निकलने के पश्चात घंटों तक पर्यटक जाम में फंसा रहता है तो उसे बहुत निराशा होती है। हिडम्बिा रोड व क्लब हाऊस रोड जगह-जगह गड्ढों से भरे हैं। बाजार की खुली नालियों में बहता दुर्गन्धयुक्त गंदा पानी इस पर्यटन नगरी की सुन्दरता पर दाग लगाता है।

देश दुनीया से

संसद के नये भवन का उद्घाटन राष्ट्रपति को करना चाहिए या प्रधानमंत्री को?

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे और पूर्व सांसद राहुल गांधी ने संसद के नए भवन का उद्घाटन राष्ट्रपति दौपदी मुर्मू के हाथों कराए जाने की मांग की है। कांग्रेस का कहना है कि संसद भारतीय गणराज्य की सर्वोच्च विधायी संस्था है और राष्ट्रपति सर्वोच्च संवैधानिक पद है इसलिए उनसे उद्घाटन करवाया जाना चाहिए। कांग्रेस नेताओं ने तर्क दिया है कि राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू सरकार, विपक्ष और हर नागरिक का प्रतिनिधित्व करती हैं और वह भारत की प्रथम नागरिक हैं, इसलिए संसद के नये भवन का उद्घाटन उनसे करवाना चाहिए। कांग्रेस ने इस बात पर जोर दिया है कि अगर संसद के नए भवन का उद्घाटन राष्ट्रपति करती हैं तो यह लोकतांत्रिक मूल्यों और संवैधानिक मर्यादा के प्रति सरकार की प्रतिबद्धता को प्रतिबिंबित करेगा। साथ ही कांग्रेस ने यह आरोप भी लगाया है कि मोदी सरकार संवैधानिक मर्यादा का बार-बार अनादर करती है और भाजपा-आरएसएस की सरकार के तहत भारत के राष्ट्रपति पद को प्रतीकात्मक बना दिया गया है। कांग्रेस नेताओं के इस बयान के बाद इस मुद्दे पर बहस चल पड़ी है कि संसद भवन का उद्घाटन राष्ट्रपति को करना चाहिए या प्रधानमंत्री को? लेकिन यह सवाल करने से पहले कांग्रेस को बताना चाहिए कि उसके कार्यकाल के दौरान प्रधानमंत्रियों ने अपनी कितनी महत्वाकांक्षी परियोजनाओं का उद्घाटन राष्ट्रपति से करवाया था? इसमें कोई दो राय नहीं कि भारत में राष्ट्रपति का पद सर्वोच्च है और उनकी उपस्थिति से किसी भी कार्यक्रम की गरिमा बढ़ जाती है लेकिन हमें यह भी ध्यान रखना चाहिए कि सीधे जनता के मतों से निर्वाचित हुई किसी भी सरकार को अपनी परियोजनाओं के शिलान्यास और उद्घाटन करने का अधिकार होता है और उसे यह करना भी चाहिए क्योंकि चुनावों के दौरान उसे ही जनता के बीच जाकर अपनी उपलब्धियां बतानी है और अपना रिपोर्ट कार्ड पेश करना है। देखा जाये तो राष्ट्रपति से नये संसद भवन का उद्घाटन कराने का सुझाव कांग्रेस ने इसलिए नहीं दिया है कि देश के संवैधानिक प्रमुख के लिए उसके मन में बहुत सम्मान है। देश को कांग्रेस नेताओं के वह अमर्यादित बयान याद हैं जो उन्होंने द्रौपदी मुर्मू को राष्ट्रपति पद की उम्मीदवार बनाये जाने पर और उनके निर्वाचन के बाद दिये थे। कांग्रेस यदि राष्ट्रपति और संविधान का बहुत सम्मान करती है तो वह बताये कि क्यों साल 2021 में संसद के सेंट्रल हॉल में तत्कालीन राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद द्वारा संबोधित किए जाने वाले संविधान दिवस समारोह का बहिष्कार किया था? कांग्रेस के अलावा जो अन्य दल नये संसद भवन का उद्घाटन राष्ट्रपति से कराने का सुझाव देते हुए मोदी सरकार पर आरोप लगा रहे हैं कि वह देश के संवैधानिक प्रमुख के प्रति असम्मान व्यक्त कर रही है वह दल जरा बताएं कि क्यों उन्होंने इस साल संसद के बजट सत्र के दौरान राष्ट्रपति के अभिभाषण का बहिष्कार किया था? दरअसल नये संसद भवन का उद्घाटन राष्ट्रपति से कराने का सुझाव देने के पीछे कांग्रेस का प्रयास है कि किसी तरह नरेंद्र मोदी को नया इतिहास रचने से रोका जाये। कांग्रेस को पता है कि जब आने वाली पीढ़ियां नये संसद भवन के इतिहास को जानेंगी और जब उन्हें नये संसद भवन के द्वार पर यह लिखा हुआ मिलेगा कि यह परियोजना मोदी सरकार के कार्यकाल में बनी और पूरी हुई और इसका उद्घाटन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने किया था तो उनके मन में सवाल उठेगा ही कि कांग्रेस ने दशकों के शासनकाल में देश को क्या दिया? सवाल उठेगा ही कि क्यों कांग्रेस शासनकाल में गुलामी के प्रतीकों पर ही गर्व किया गया? देखा जाये तो देश को पहला वॉर मेमोरियल, स्टैच्यू ऑफ यूनिटी और पहला प्रधानमंत्री म्यूजियम से लेकर ना जाने कितनी पहली परियोजनाएं देश को नरेंद्र मोदी ने ही दी हैं।

कांग्रेस नेताओं ने तर्क दिया है कि राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू सरकार, विपक्ष और हर नागरिक का प्रतिनिधित्व करती हैं और वह भारत की प्रथम नागरिक हैं, इसलिए संसद के नये भवन का उद्घाटन उनसे करवाना चाहिए। कांग्रेस ने इस बात पर जोर दिया है कि अगर संसद के नए भवन का उद्घाटन राष्ट्रपति करती हैं तो यह लोकतांत्रिक मूल्यों और संवैधानिक मर्यादा के प्रति सरकार की प्रतिबद्धता को प्रतिबिंबित करेगा। साथ ही कांग्रेस ने यह आरोप भी लगाया है कि मोदी सरकार संवैधानिक मर्यादा का बार-बार अनादर करती है और भाजपा-आरएसएस की सरकार के तहत भारत के राष्ट्रपति पद को प्रतीकात्मक बना दिया गया है।

नागरिक बोध

बिचौलिया अच्छा है!

दुनिया कभी भी समानांतर नहीं चल सकती, इसलिए सदियों ने भी खुद के भीतर ऊंच-नीच के मानदंड गुजार दिए और जो आज भी जारी हैं। अपनी-अपनी औकात और हिसाब से लोग खुद को छोटा या बड़ा मान लेते हैं। खोदे गए सारे पहाड़ आज भी उस चूहिया को नहीं पकड़ पाए और न ही समाज उसे खोज पाया जिसने पहाड़ से लेकर इनसान तक का जीना हराम किया हुआ है। हराम के चक्करों में लोग देवता बन गए। कइयों ने तो भ्रष्टाचार की जीती हुई बाजी लौटा दी ताकि कोई उन्हें हराम से न जोड़ दे। हमें चूहिया का आर्ट इसलिए पसंद है क्योंकि वह अपने वजूद को साबित करती हुई किसी भी पहाड़ की खुदाई करवा सकती है। कई दफ्तरों के गोलमाल साबित होने से पहले चूहिया ही तो काम आती है। इसलिए अब खोदा पहाड़ नहीं, 'खोजा दफ्तर, तो निकली चूहिया' का अर्थ जनता जानती है। अब चूहिया बदल गई है, लेकिन लोग बाग खुदाई कर रहे हैं ताकि कहीं तो कुछ मिले। हर दफ्तर, हर संस्थान और हर सरकार में कहीं तो कोई चूहा या चूहिया बैठे हैं। जो खुदाई कर पाते हैं, वही तो मेहनती हैं। हैरानी तो यह कि जो खुदाई कर रहे हैं, उन्हें मेहनती नहीं माना जा रहा, बल्कि मेहनती वे हैं जिनकी मेहनत दिखाई नहीं, उगाही देती है। वैसे दिखाई तो भ्रष्टाचार भी नहीं देता, लेकिन इसके पीछे कहां कहां श्रम होता है, इसका अनुमान लगाना भी मुश्किल है। सदियों से मेहनत की भाषा ढूंढी जा रही है, लेकिन मेहनत वहां बोलती है जहां बिना पसीना बहाए कोई देश के श्रेय की खुदाई कर रहा है। बिना किसी पसीने के जो मंत्री बन जाए, असली मेहनत वहां है। मेहनत वहां है जहां कोई अपनी शर्म से भी श्रेय हासिल कर ले, यही आपदा में अवसर ढूंढने की मेहनत है। जो व्यक्ति आपदा, भ्रष्टाचार, भाई-भतीजावाद, परिवारवाद, गिरोहवाद, जातिवाद और धर्म के विकार से न डरे, वह अवश्य ही मेहनती है। पुण्य कमाने की नालायकी को मेहनत मानें या गौर करें कि जो अदृश्य मेहनत से कमा लेने की करामात कर सकता है, उस बिचौलिए को अवतार मानें। बिचौलिया इस दुनिया का सबसे गोपनीय यथार्थ है। अपने रोजगार को गोपनीय बनाए रखना और गोपनीयता के साथ कमा लेना ही आज के युग की मेहनत है। सोचिए अगर बिचौलिया न होता तो नासिक का प्याज कोई इतने सस्ते में खा पाता। यह बिचौलिया ही है जो देशी आलू को पोटेटो चिप्स में इंपोर्टिड और आयातित लहसुन को देशी बना सकता है। आज की शिक्षा स्कूल से गायब होकर अकादमी की ट्यूशन को चमका रही है, तो यह बिचौलिया अच्छा है। बिचौलिया दारू बेच रहा हो या हीरा, देश के माल में स्वदेशीकरण की हवा मिला रहा है। बिचौलिया होना टॉप क्लास हुनर है, इसलिए इस प्रोफेशन की सेक्रेसी कभी पश्चाताप नहीं करती, वरना दूसरे व्यवसाय में डूबे लोग खुद को कोसते मिल जाएंगे। मेहनत का बिचौलिया कितना सरल व सहज है, इसे कभी सेहत के विज्ञापन की इज्जत पर देखिए।

युद्ध के बीच प्रेम... 5 दिन मोर्चे पर, वीकेंड परिवार संग: यूक्रेन में तैनात रूसी सैनिकों से मिलने पहुंच रही पत्नियां

क्रमातोर्स्क।
रूस के हमले का डटकर सामना कर रहे यूक्रेनी शहर बखमुट से करीब 30 किमी दूर क्रमातोर्स्क है। कीव से 1:38 बजे एक्सप्रेस ट्रेन जब क्रमातोर्स्क आकर रुकती है तो सैनिक गुलदस्तों और फूलों से इसके यात्रियों का स्वागत करते हैं। दरअसल, इस ट्रेन में आम यात्रियों के बजाय सैनिकों की पत्नियां और प्रेमिकाएं सफर करती हैं। वीकेंड में वे पति और पार्टनर्स से मिलने के लिए क्रमातोर्स्क पहुंचती हैं। हाल में 27 साल की विक्टोरिया अपने पति अलेक्जेंडर तो 29 साल की कैरोलिना पार्टनर ब्लादिमीर से मिलने पहुंची हैं। एक दिन पहले अलेक्जेंडर और व्लादिमीर गोलाबारी से जूझ रहे थे और अब उनके हाथ में बंदूकों की जगह गुलाब दिख रहे हैं।

किराए के अपार्टमेंट में बिताते हैं वीकेंड – जोड़े खुशी से एक-दूसरे को गले लगाते हैं और सरहद पर किराए के अपार्टमेंट में वीकेंड बिताते हैं। इन दिनों यूक्रेन के बखमुत पर रूस हमले कर रहा है। उसने कब्जे का दावा भी किया है। इसलिए यूक्रेनी सेना का भी पूरा फोकस बखमुट पर ही है। युद्ध के इस कठिन दौर में भी जवान अपने साथियों के साथ कुछ यादगार पल सहेजने की कोशिश कर रहे हैं। कुछ वक्त पहले तक वीरान पड़ा औद्योगिक शहर क्रमातोर्स्क अब रोमांटिक डेस्टिनेशन बन गया है। 2022 में रूसी हमले के कुछ ही हफ्तों के भीतर, यहां कारखाने बंद हो गए और ज्यादातर लोग शहर छोड़ गए। अब सिर्फ सैनिक ही दिखते हैं, लेकिन इन सैनिकों के लिए रोमांटिक हब के रूप में क्रमोतर्स्क अब नई तरह की ऊर्जा का संचार कर रहा है।

गिफ्ट की दुकानों, रेस्तरां में कस्टमर बढ़े – बड़ी सख्या में यूक्रेनी सैनिकों को बखमुट से दूर सफर करने की मंजूरी नहीं है। होटल बंद हैं। पर अपार्टमेंट दिन या घंटे के हिसाब से किराए पर ले सकते हैं। इससे फूलों और गिफ्ट की दुकानें, रेस्तरां और कैफे-भी गुलजार हो गए हैं। स्थानीय एस्टेट एजेंट एर्टोम बताते हैं कि कीव से दोबारा ट्रेन शुरू होने पर उसका कारोबार भी चल पड़ा है। इसका 80प्रतिशत हिस्सा सैनिकों की मदद से आ रहा है। बाकी 20प्रतिशत शरणार्थियों के रहने से। 24 घंटे के लिए करीब 2300 रुपए चुकाने होते हैं। यह प्री-वॉर की तुलना में दोगुना है। फिर भी मांग मजबूत है।' वे कहते हैं कि आमतौर पर महिलाएं शनिवार को आती हैं, एक या दो दिन रुकती हैं। पार्क में हाथ में हाथ डालकर चलने वाले जोड़ों के साथ वीकेंड में ही सही शहर जीवंत हो जाता है। क्रमातोर्स्क से करीबी रूसी चौकी 20 किमी दूर है। उसके रॉकेट सिस्टम और एस-300 मिसाइलों को यहां पहुंचने में कोई समस्या नहीं है। फिर भी शहर बेखौफ जीवन के पल निकाल ही लेता है। हालांकि यूक्रेन का दावा है कि शहर के उत्तरी और दक्षिणी छोरों का बड़ा इलाका वापस यूक्रेनी कंट्रोल में आ गया है। वहीं, रूसियों को चौंका देने वाला नुकसान हुआ है।

न्यूज ब्रीफ

अधिक खूंखार होते म्यांमार के गृह युद्ध में बढ़ता जा रहा है सेना का दमन

यंगून। म्यांमार में जारी गृह युद्ध के दौरान सेना की तरफ से खूनी हमलों के नए ब्योरे सामने आए हैं। एक ऐसी घटना की जानकारी सामने आई है, जिसमें सेना की हवाई बमबारी से लगभग 170 नागरिकों की मौत हो गई। उनमें कई बच्चे भी थे। यह घटना उत्तर-पश्चिमी सगायंग क्षेत्र के एक गांव में हुई। बीते 11 अप्रैल को हुई वायु सेना के विमानों ने उस गांव पर उस समय बमबारी शुरू कर दी, जब लोग वहां विपक्षी समूहों की तरफ से बनाई गई वैकल्पिक सरकार- नेशनल यूनिटी गवर्नमेंट (एनयूजी) के दफ्तर के उद्घाटन के मौके पर इकट्ठे हुए थे। एक रिपोर्ट में कहा है कि फरवरी 2021 में सैनिक तख्ता पलट के बाद देश में शुरू हुए गृह युद्ध के दौरान किसी एक घटना में उससे ज्यादा मौतें नहीं हुई हैं, जितनी 11 अप्रैल को हुईं। सेना की कमेटी-स्टेट एडमिनिस्ट्रेशन काउंसिल (एसएसी) देश का शासन चला रही है। विश्लेषकों ने कहा है कि विद्रोही गुटों की बढ़ती ताकत के बीच ऐसा लगता है कि एसएसी के दमनकारी तेवर और तीखे हो गए हैं। बीते कुछ महीनों के दौरान म्यांमार की वायु सेना अपने हेलीकॉप्टरों से ग्रामीण इलाकों में गोलीबारी भी करती रही है। इस दौरान अस्पताल, चर्च और विस्थापित लोगों के शिविरों को भी निशाना बनाया गया है। हेलीकॉप्टरों से राइफलों के जरिए गोलियां दागी गई हैं और हथगोले फेंके गए हैं। मध्य म्यांमार में कई स्थानों से वायु सेना की ऐसी कार्रवाइयों की खबरें मिली हैं। इस बीच खबर है कि विद्रोही गुट पीपुल्स डिफेंस फोर्स (पीडीएफ) ने भी बड़े पैमाने ऑटोमैटिक राइफल जैसे हथियार हासिल किए हैं। नस्लीय अल्पसंख्यक नियंत्रित सीमाई क्षेत्रों में पीडीएफ पहले से मजबूत था। लेकिन ताजा खबर यह है कि पीडीएफ का असर बहुसंख्यक बामर समुदाय की रिहाइस वाले सगायंग, माग्वे और बागो जैसे इलाकों में भी बढ़ा है।

दुबई कस्टम्स विलुप्त प्रजाति के पशुओं और पौधों के 200 नमूने किए जब्त

दुबई। दुबई सीमा शुल्क विभाग ने पिछले तीन साल में पशुओं और पौधों की प्रजातियों के 200 से अधिक नमूनों को जब्त किया है, जो लुप्तप्राय और अंतरराष्ट्रीय व्यापार के नियमों का उल्लंघन करते हैं। दुबई सीमा शुल्क (डीसी) ने कहा, सीआईटीईएस उल्लंघन का मुकाबला करने में हट्टा सीमा पार के माध्यम से 64 जीवित बाजों की तस्करी के प्रयास का अवरोधन था। इस घटना ने संयुक्त अरब अमीरात के कानूनों का उल्लंघन किया, जिसमें लुप्तप्राय जानवरों और पौधों के अंतरराष्ट्रीय व्यापार को विनियमित करने और निगरानी करने के साथ-साथ पशु चिकित्सा संगरोध कानून भी शामिल है। सीआईटीईएस से संबंधित 2002 के संघीय कानून संख्या 11 का उल्लंघन करते हुए जब्त किए गए शिपमेंट में कोई आधिकारिक दस्तावेज या स्वास्थ्य प्रमाण पत्र नहीं था। खतरनाक सामग्रियों और अवैध तस्करी को रोक कर पर्यावरणीय स्थिरता को बनाए रखने में यूएई की महत्वपूर्ण भूमिका के लिए अपने समर्थन की पुष्टि की। दुबई सीमा शुल्क ने कहा, यूएई 30 नवंबर से 12 दिसंबर 2023 तक सीओपी-28 की मेजबानी करेगा। सम्मेलन का उद्देश्य सतत आर्थिक और सामाजिक विकास को बढ़ाने की पहल को बढ़ावा देते हुए जलवायु सुरक्षित दुनिया के लिए प्रगति करना और नवीन अवसर पैदा करना है।

विक्रमसिंघे बोले- सितंबर तक ऋण पुनर्गठन पूरा करेंगे, आईएमएफ की शर्तें मानने के अलावा कोई रास्ता नहीं

कोलंबो। अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) से मंजूर कर्ज की रकम जारी करवाने की जद्दोजहद में श्रीलंका सरकार जुटी हुई है। इस बीच, राष्टपति रानिल विक्रमसिंघे ने श्रीलंका के ऋण पुनर्गठन कार्यक्रम के बारे में अहम जानकारी दी है। उन्होंने कहा है कि इस साल सितंबर तक ऋण पुनर्गठन कार्यक्रम पूरा हो जाएगा। वहां की कुछ मीडिया रिपोर्ट्स में इसकी जानकारी दी गई है। इसमें श्रीलंकाई राष्टपति के हवाले से कहा गया है कि ऋण पुनर्गठन कार्यक्रम के पूरा हो जाने के बाद देश की दिवालिया अर्थव्यवस्था को स्थिर स्तर पर लाया जाएगा। रिपोर्ट्स के मुताबिक, रानिल विक्रमसिंघे ने कहा कि एक देश के दिवालिया होने का मतलब है कि वह एक भिखारी राष्ट है। हममें से कोई भी भिखारी राष्ट नहीं बनना चाहता। हमने आईएमएफ से संपर्क किया, क्योंकि हमारे पास जाने के लिए और कोई जगह नहीं है। इस दौरान उन्होंने आश्वासन दिया कि जुलाई या अगस्त 2023 तक घरेलू और बाहरी ऋण दोनों के पुनर्गठन पर चर्चा पूरी हो जाएगी। उन्होंने यह भी कहा कि एक बार ऋण पुनर्गठन कार्यक्रम पर चर्चा पूरी होने के बाद आने वाले सितंबर तक इसे सफलतापूर्वक पूरा करने और अर्थव्यवस्था को स्थिर स्तर पर लाना संभव है। हमने संसद में आईएमएफ के साथ समझौते को प्रस्तुत किया है, जहां इसे पारित कर दिया गया है। श्रीलंका पोडुजना पेरामुना (एसएलपीपी) के सदस्यों ने अपनी जताते हुए यूनाइटेड नेशनल पार्टी की आर्थिक नीति को जरूरी समर्थन दिया है।

इमरान का पाकिस्तान आर्मी चीफ पर आरोप

बोले- जनरल मुनीर नहीं चाहते मैं सत्ता में वापसी करूं, मेरी हत्या की साजिश रची जा रही

इस्लामाबाद।
पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान ने एक बार फिर आर्मी चीफ जनरल मुनीर पर गंभीर आरोप लगाए हैं। 9 मई को हुई हिंसा को गलत ठहराने से परहेज करते रहे। कहा- ये मेरी गिरफ्तारी का रिएक्शन था। एक सवाल के जवाब में कहा- आर्मी चीफ जनरल मुनीर नहीं चाहते कि मैं फिर प्रधानमंत्री बनूं। इतना ही नहीं, कुछ लोग मेरी हत्या की साजिश रच रहे हैं। हो सकता है, मुझे फिर गिरफ्तार कर लिया जाए।

मुनीर को हटवाने के आरोप गलत – खान ने कहा- यह आरोप सरासर गलत हैं कि 2019 में मेरे कहने पर वर्तमान आर्मी चीफ जनरल आसिम मुनीर को आईएसआई चीफ की पोस्ट से हटाया गया था।

इमरान ने ये नहीं बताया कि फिर आसिम को आईएसआई के चीफ की पोस्ट से क्यों हटाया गया था। इसकी वजह यह है कि उनको हटाने का फैसला तो खुद इमरान ने ही किया था। कहा ये जाता है कि जनरल मुनीर ने उस वक्त इमरान को उनकी पत्नी बुशरा बीबी के करप्शन से जुड़े कई सबूत सौंप दिए थे और कहा था कि वो बुशरा और उनकी दोस्त फराह गोगी पर लगाम लगाएं।

खास बात यह है कि बुशरा और फराह गोगी उस अल कादिर ट्रस्ट केस में आरोपी हैं, जिसमें इमरान को 9 मई को गिरफ्तार किया गया था और इसके बाद पाकिस्तान सुलग उठा था। पुलिस रिकॉर्ड्स के मुताबिक हिंसा में 8 लोग मारे गए थे। इमरान का आरोप है कि कुल 40 लोगों की मौत हुई थी।

इमरान ने आसिम मुनीर को हटाने के आरोप से इनकार किया तो हुकूमत की मिनिस्टर मरियम औरंगजेब ने फौरन सोशल मीडिया पर उनसे पूछा- खान साहब ये बताएं कि अगर मुनीर को आईएसआई चीफ के पद से बुशरा बीबी के कहने पर नहीं हटाया गया था तो फिर और क्या वजह थी

मुनीर पर नया आरोप – इमरान खान ने एक सवाल के जवाब में कहा- मैं पाकिस्तान का सबसे पॉपुलर लीडर हूं। इसके बावजूद आर्मी चीफ नहीं चाहते कि मैं फिर से प्रधानमंत्री बनूं और मेरी पार्टी सत्ता में वापसी करे। आखिर क्यों इसका जवाब क्यों नहीं दिया जाता, जबकि पाकिस्तान में तो जम्हूरियत यानी लोकतंत्र है।

खान ने कहा- मैं आज तक नहीं समझ पाया कि आखिर जनरल मुनीर को मुझसे दिक्कत क्या है। मैंने आज तक उनके खिलाफ कुछ नहीं किया। मैं तो अपनी फौज की दिल से इज्जत करता हूं, लेकिन अगर वो मुझसे नाराज हैं तो इसकी वजह भी वही जानते होंगे। एक सवाल के जवाब में खान ने कहा- कोई बताएगा कि मेरे खिलाफ 150 केस कैसे बन गए। 9 मई की हिंसा के बाद मेरी पार्टी की टॉप लीडरशिप और 10 हजार वर्कर्स को गिरफ्तार क्यों किया गया।

गिरफ्तारी का खतरा – इमरान ने दावा किया कि जब वो अदालत में पेशी के लिए जाएंगे तो उन्हें किसी न किसी केस में गिरफ्तार कर लिया जाएगा। खान ने कहा- पाकिस्तान में हर वो कदम उठाया जा रहा है जो डेमोक्रेसी को खत्म कर सकता है। एक सवाल के जवाब में खान ने कहा- अब तक जो हम देख रहे हैं, वो लोकतंत्र को खत्म करने की साजिश नहीं तो और क्या है। मैं तो लोगों के लिए सड़कों पर निकलने के लिए तैयार हूं। मेरे दौर में मुल्क की इकोनॉमी जितनी बेहतर थी, आज उतनी ही खराब है। पता नहीं हमारी आर्मी क्या चाहती है, क्योंकि उसकी मर्जी के बिना तो पाकिस्तान में कुछ हो ही नहीं सकता।

क्या है अल-कादिर ट्रस्ट केस – सरकार के मुताबिक खान जब प्रधानमंत्री बने तो उन्होंने लैंड माफिया मलिक रियाज को मनी लॉन्ड्रिंग केस में फंसाया। लंदन में उसके 40 अरब जब्त कराए। बाद में ये पैसा ब्रिटेन सरकार ने पाकिस्तान को सौंप दिया। इमरान ने यह जानकारी कैबिनेट को भी नहीं दी। आरोप है कि यह पैसा एक सीक्रेट अकाउंट के जरिए इमरान की पार्टी पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ के खाते में ट्रांसफर कराई गई। कुल मिलाकर यह घोटाला 60 अरब पाकिस्तानी रुपए का है। इसके बाद इमरान ने अल कादिर ट्रस्ट बनाया। इसने मजहबी तालीम देने के लिए अल कादिर यूनिवर्सिटी बनाई। इसके लिए अरबों रुपए की जमीन मलिक रियाज ने दी। बुशरा बीबी को डायमंड रिंग भी गिफ्ट की। बदले में रियाज के तमाम केस खत्म कर दिए गए। उसे करोड़ों रुपए के सरकारी ठेके भी मिले। होम मिनिस्टर राणा सनाउल्लाह ने कहा- 60 अरब रुपए की चपत सरकारी खजाने को लगी। 13 महीने में एक बार भी इमरान या बुशरा पूछताछ के लिए नहीं आए। 4 साल बाद भी इस यूनिवर्सिटी में 32 स्टूडेंट्स ही हैं।

राहुल की अमेरिकी यात्रा का पित्रोदा ने बताया मकसद, कहा- लोकतंत्र के साझा मूल्यों को बढ़ावा देना उद्देश्य

वाशिंगटन।
कांग्रेस नेता राहुल गांधी जून में संयुक्त राज्य अमेरिका की यात्रा पर जाने वाले हैं। इस दौरान जनसभाओं को संबोधित करने और विश्वविद्यालय के छात्रों के साथ बातचीत करने का कार्यक्रम है। उनकी यात्रा को लेकर कांग्रेस के इंडियन ओवरसीज अध्यक्ष सैम पित्रोदा ने कहा कि राहुल की अमेरिका की यात्रा का मकसद 'वास्तविक लोकतंत्र' के साझा मूल्यों को बढ़ावा देना है।

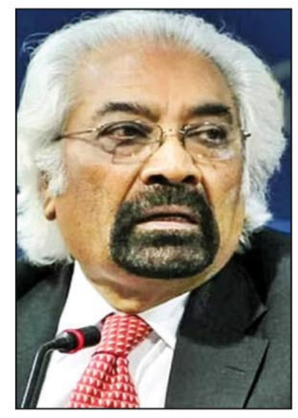

यह है राहुल का तय कार्यक्रम – पित्रोदा ने बताया कि राहुल गांधी का सैन फ्रांसिस्को, वाशिंगटन और न्यूयॉर्क जाने का कार्यक्रम है, जहां वह भारतीय अमेरिकियों की दो बैठकों को संबोधित कर सकते हैं। साथ ही संसद भवन में सांसदों और थिंक टैंक के सदस्यों से मुलाकात कर सकते हैं वहीं, विश्वविद्यालय के छात्रों से बातचीत कर सकते हैं। बता दें, इन कार्यक्रमों को इंडियन ओवरसीज कांग्रेस आयोजित कर रहा है।

शिकागो में बोले पित्रोदा – गौरतलब है, पित्रोदा कर्नाटक विधानसभा में कांग्रेस को मिली जीत की खुशी में आयोजित एक कार्यक्रम को शिकागो में संबोधित कर रहे थे। इसका आयोजन समुदाय के नेता इफ्तिकार शेरिफ और 'इंडियन ओवरसीज कांग्रेस-यूएसए' ने किया था।

हम यहां शिकायत करने नहीं आए – इस दौरान कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष की अमेरिकी यात्रा के मकसद तथा एजेंडा के बारे में ब्योरा देते हुए पित्रोदा ने कहा कि हम यहां शिकायत करने के लिए नहीं आए हैं। हम यह साझा करने के लिए आए हैं कि भारत में क्या चल रहा है। भारतीय लोकतंत्र विश्व का सबसे बड़ा लोकतंत्र है और यह हमारी जिम्मेदारी है कि हम लोगों को जमीनी हकीकत के बारे में बताएं।

किसी से मदद के लिए नहीं कह रहे – उन्होंने शिकागो में कांग्रेस समर्थकों के एक समूह से कहा कि हम किसी से आने और मदद करने के लिए नहीं कह रहे। हम समस्याओं से निपट सकते हैं। हम आपके साथ साझा करना चाहते हैं कि किस चीज की जरूरत है।

यात्रा का मकसद संपर्क बनाना- उन्होंने एक बयान में कहा कि राहुल गांधी की यात्रा का मकसद संपर्क बनाना, विभिन्न लोगों से बातचीत करना, संस्थाओं तथा मीडिया के साथ वार्ता करना है। इनमें भारतीय समुदाय भी शामिल है, जिनकी संख्या अमेरिका में तथा विदेशों में बढ़ रही है। इस दौरान वह विश्व भर में स्वतंत्रता, समावेश, स्थिरता, न्याय, शांति आदि पर केंद्रित वास्तविक लोकतंत्र के साझा मूल्यों और दृष्टिकोण को बढ़ावा देंगे।

भारतीय मूल के अमेरिकी पुलिस अधिकारी को जो बाइडन ने वीरता पदक से किया सम्मानित, कहा- पूरा देश आपका आभारी

न्यूयॉर्क।
भारतीय मूल के अमेरिकी पुलिस अधिकारी को राष्ट्रपति जो बाइडन ने अमेरिका का सर्वोच्च वीरता पुरस्कार प्रदान किया। बाइडन ने भारतीय के वीरता की सराहना की। भारतीय नागरिक के साथ-साथ 9 अन्य अधिकारियों को भी बाइडन ने वीरता पुरस्कार से सम्मानित किया।

न्यूयॉर्क पुलिस विभाग में पदस्थ भारतीय मूल के अधिकारी सुमित सुलान (27) ने उनके दो साथियों पर हमला करने वाले एक अपराधी को गोली मारी थी। इसके साथ ही उन्होंने नागरिकों की सुरक्षा को भी ध्यान में रखा और वृद्ध महिला सहित उसके भाई को बचा लेते हैं।

यह है पूरा मामला – व्हाइट हाउस से जारी विज्ञप्ति के अनुसार, 911 नंबर पर एक महिला ने घरेलू हिंसा की शिकायत की थी। महिला ने बताया कि उसे और उसके भाई को उसके बेटे ने धमकी दी है। दोनों को जान का खतरा है। मामले की जांच के लिए सुलान, जेसन रिवेरा (22) और विल्बर्ट मोरा (27) घटनास्थल पर पहुंचे। यहां आरोपी बेटे ने जेसल और विल्बर्ट पर गोलियां चला दी, दोनों घायल हो गए। इसके बाद सुमित ने बहादुरी दिखाई और आरोपी की बंदूक से नागरिकों और दोनों पीड़ितों को बचाते हुए उसे गोली से मार डाला, जिससे आरोपी की मौत हो गई। हालांकि, बाद में दोनों घायल पुलिसकर्मी जेसन और मोरा की भी इलाज के दौरान मौत हो गई।

बाइडन ने की तारीफ – जारी विज्ञप्ति में सुमित की तारीफ करते हुए बाइडन ने कहा कि आपने अपनी फुर्ती और बहादुरी दिखाते हुए दो लोगों की जान बचाई और आरोपी को भी खत्म कर दिया, जो सराहनीय है। साथ ही पूरा देश आपकी त्वरित सोच, त्वरित कार्रवाई और साहस के लिए आभारी है। बाइडन ने व्हाइट हाउस में सुमित को सम्मानित किया। सुमित की मां ने बताया कि उसने बहुत अच्छा काम किया है। मां ने आगे बताया कि वह लगभग 15 साल पहले भारत से अमेरिका आकर शिफ्ट हुआ है।

क्या हासिल हुआ जी-7 और सहयोगी देशों की हिरोशिमा शिखर बैठक में

हिरोशिमा।
जी-7 शिखर बैठक के मौके पर दुनिया का ध्यान यहां टिका रहा और इसके बीच पूरा लाइमलाइट जेलेन्स्की बटोर ले गए। यहां हुई अनेक बैठकों में अलग-अलग देशों के नेताओं ने भाषण दिए, लेकिन जितनी चर्चा जेलेन्स्की के भाषण की हुई, उतना ध्यान कोई और नहीं खींच सका। जेलेन्स्की यहां जुटे धनी देशों के नेताओं से और अधिक सैनिक सहायता मांगी। खास कर उन्होंने अमेरिका से एफ-16 लड़ाकू विमानों को देने की मांग की। जेलेन्स्की की अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन से द्विपक्षीय वार्ता भी हुई, जिसके बाद बाइडेन ने एलान किया- 'जी-7 यूक्रेन की पीठ के पीछे खड़ा है। आपने अभी तक जो कुछ किया है, उसे देख कर हम अचंभित हैं। वैसे जहां तक जी-7 की बात है, तो इस

बैठक में इन देशों के बीच आर्थिक सुरक्षा और चीन जैसे देशों की तरफ से की जा रही 'आर्थिक जोर-जबर्दस्ती' का मुकाबला करने के लिए नए ढांचे के गठन पर जो सहमति बनी, उसे हिरोशिमा में हासिल हुई सबसे बड़ी उपलब्धि के रूप में देखा जा रहा है। हालांकि जी-7 की विज्ञप्ति में आर्थिक जोर-जबर्दस्ती के सिलसिले में चीन का नाम नहीं लिया गया है, लेकिन विशेषज्ञों के मुताबिक निशाना चीन पर है, इसमें कोई संदेह भी नहीं छोड़ा गया है। हिरोशिमा शिखर बैठक का एक अन्य खास पहलू भारत और ब्राजील को यहां बुलाना था। यूनिवर्सिटी ऑफ टोरंटो में जी-7 रिसर्च ग्रुप के निदेशक डेनिसे रुडिच ने कहा- 'ये दोनों दुनिया की दो सबसे बड़ी उभरती अर्थव्यवस्थाएं हैं, जिन्हें जी-7 देश अपने साथ ले सकते हैं।' विशेषज्ञों ने कहा है कि विश्व जीडीपी में जी-7 देशों का योगदान 50 फीसदी का है, लेकिन विकासशील देशों की अर्थव्यवस्थाएं भी बढ़ रही हैं। इसलिए उन देशों के साथ मिल कर काम करना जी-7 को जरूरी महसूस हो रहा है। हिरोशिमा में क्वैड्रैंगुलर सिक्युरिटी डॉयलॉग (क्वैड) की बैठक भी हुई। भारत, अमेरिका, जापान और ऑस्ट्रेलिया के नेताओं के बीच इस बैठक में समुद्र के अंदर केबल इन्फ्रास्ट्रक्चर बनाने और उनसे मेंटेनेन्स को लेकर खास सहमति बनी। इसका मकसद एशिया प्रशांत क्षेत्र में सहमना देशों के बीच कनेक्टिविटी में सुधार करना है।

जिनपिंग का मजाक उड़ाया, कॉमेडियन का सोशल मीडिया अकाउंट सस्पेंड

अंकल रॉजर ने मुंह बनाकर कहा था- चीन अच्छा देश, राष्ट्रपति शी अमर रहें

बीजिंग।
चीन ने अंकल रॉजर के नाम से मशहूर ब्रिटिश-मलेशियन कॉमेडियन निगेल एनजी का सोशल मीडिया अकाउंट सस्पेंड कर दिया है। उन्होंने हाल ही में एक शो के दौरान शी जिनपिंग की सरकार का मजाक उड़ाया था। इसके बाद सरकार ने कहा- निगेल एनजी ने कानून का उल्लंघन किया है, इसलिए उसके बिलिबिली और वीबो अकाउंट को ब्लॉक किया गया है।

अंकल रॉजर ने एक कॉमेडी शो के दौरान ऑडियंस में मौजूद एक शख्स से पूछा कि वो कहां के रहने वाले हैं। जबाव में शख्स ने कहा- चीन के ग्वांगझोउ। फिर अंकल रॉजर ने मुंह बनाते हुए कहा- चीन अच्छा देश है। अब तो यही कहना पड़ेगा, है ना...यहां हो रही हमारी बातें भी रिकॉर्ड हो रही हैं। क्योंकि इस शख्स के पास हुवावे का फोन है। इसके बाद अंकल रॉजर ने शख्स की जेब में रखे फोन पर हाथ रखा और कहा- राष्ट्रपति शी अमर रहें (लॉन्ग लिव प्रेसिडेंट शी)।

रॉजर यहीं नहीं रुके उन्होंने ताइवान से आए लोगों की तरफ देखते हुए कहा- ये तो देश ही नहीं है....उम्मीद करते हैं कि ये जल्द अपनी मातृभूमि (चीन) में फिर से शामिल होगा। इसी दौरान ऑडियंस ठहाके लगाती नजर आई। दरअसल, चीन हमेशा ताइवान को अपना हिस्सा बताता है और इस पर कब्जा करना चाहता है।

अब अंकल रॉजर के हुवावे को लेकर किए गए मजाक को समझिए

अंकल रॉजर ने कहा- शख्स के पास हुवावे का फोन है...हमारी बातें रिकॉर्ड हो रही हैं। दरअसल, चीन की सेना पीपुल्स लिबरेशन आर्मी के एक पूर्व इंजीनियर रेन की कंपनी हुवावे पर अमेरिकी कंपनी सिस्को सिस्टम की टेक्नोलॉजी चुराने का आरोप है।

वहीं, कनाडा, ब्राजील, ब्रिटेन और ऑस्ट्रेलिया जैसे कई देशों ने हुवावे के खिलाफ जांच कराई। ब्रिटेन ने साफ तौर पर कहा कि हुवावे अपने नेटवर्क का इस्तेमाल चीन की फौज के लिए जासूसी में करती है। भारत ने भी इस कंपनी को एंट्री नहीं दी। अमेरिका, ब्रिटेन, ऑस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड भी हुवावे पर बैन लगा चुके हैं।

चीन में सेना का अपमान करने पर महिला गिरफ्तार

4 दिन पहले चीन में एक महिला को सेना का अपमान करने के आरोप में गिरफ्तार किया था। शी नाम की महिला पर आरोप था कि उसने चीनी सेना पर किए गए मजाक पर कमेडियन का समर्थन किया था। दरअसल, एक कॉमेडी शो के दौरान मशहूर चीनी कमेडियन हाओशी ने दो कुत्तों के बिहेवियर की तुलना शी जिनपिंग के मिलिट्री स्लोगन से कर दी थी। इस मजाक पर कमेडियन को कंपनी से निकाल दिया गया। इस पर महिला ने कहा था कि कमेडियन को बर्खास्त करना गलत है।

कॉमेडी फर्म पर 15 करोड़ का जुर्माना

कॉमेडी शो के दौरान शाओमी ने कहा था- मैं गिलहरी के पीछे दौड़ते हुए दो कुत्तों को देख रहा था। तभी, मुझे पीपल्स लिबरेशन आर्मी का नारा याद आया, जिसमें वो कहते हैं- फाइट वेल, विन द बैटल यानी मजबूती से लड़ो और जंग जीतो।

चीन के सोशल मीडिया पर रिलीज ऑडियो में सुनाई दे रहा है कि इस मजाक पर वहां मौजूद ऑडियंस ठहाके मार कर हंसती है, जबकि एक व्यक्ति ने इस पर अपनी आपत्ति दर्ज कराई। इसके बाद कंपनी पर 15 करोड़ का जुर्माना लगा दिया गया। दरअसल, साल 2021 में चीनी सरकार ने सेना के अपमान को गैरकानूनी घोषित कर दिया था।

पंजाब में परिवहन मंत्री की कार्रवाई पांच बसें जब्त और 14 को चालान

चंडीगढ़/जालंधर (हिंस)। पंजाब के परिवहन मंत्री लालजीत सिंह भुल्लर ने सोमवार को जालंधर में आरटीए दफ्तर का औचक दौरा करने के अलावा रामा मंडी चौक, करतारपुर और ढिल्लवां टोल प्लाजा में बसों की चेकिंग करते हुए बिना दस्तावेजों से चलती पांच बसों को जब्त करवाया। परिवहन मंत्री द्वारा तीन स्थानों पर 63 बसों के दस्तावेजों की जांच के दौरान पांच बसें जब्त करने सहित 14 बसों की विभिन्न उल्लंघनों के चालान किए गए। परिवहन विभाग के अधिकारियों और रीजनल ट्रांसपोर्ट अथॉरिटी के सचिव सहित परिवहन मंत्री द्वारा सुबह साढ़े सात बजे आरटीए दफ्तर में स्टाफ के साथ बातचीत करते हुए उनको निश्चित समय के अंदर लोगों को सेवाएं मुहैया करवाने की हिदायत की गई। उन्होंने इस बात पर संतोष जताया कि समूह स्टाफ सुबह समय पर अपनी सीटों पर मौजूद रह कर सेवाएं निभा रहा है। उन्होंने आरटीए दफ्तर का दौरा करके स्टाफ के कामकाज संबंधी जानकारी हासिल करते हुए हाजिरी रजिस्टर भी चैक किए। आरटीए दफ्तर के दौरे के बाद परिवहन मंत्री स. लालजीत सिंह भुल्लर अधिकारियों सहित स्थानीय रामा मंडी चौक, करतारपुर और टोल प्लाजा ढिल्लवां जिला कपूरथला पहुंचे, जहां उन्होंने स्वयं बसों के पर्मिट, टैक्स के कागजों आदि की जांच की। परिवहन मंत्री द्वारा 63 बसों की जांच की गई, जिनमें से पांच बसों को मौके पर जब्त किया गया और 14 के बनते चालान किए गए। परिवहन मंत्री ने कहा कि उचित प्रामाणिक दस्तावेजों जैसे टैक्स, टूर विवरण और पर्मिट आदि से बिना किसी भी बस को चलने की इजाजत नहीं दी जाएगी। उन्होंने कहा कि आने वाले दिनों में जांच मुहिम को और तेज किया जाएगा। उन्होंने अधिकारियों को हिदायत की कि नियमों का उल्लंघन करने वाली बसों के चालान काटे जाएं और उन्हें जब्त किया जाए।

श्रीनगर में अब हड़ताल के आह्वान को कोई सुनने वाला नहीं है : जितेंद्र सिंह

श्रीनगर (हिंस)। केंद्रीय मंत्री डॉ. जितेंद्र सिंह ने सोमवार को कहा कि श्रीनगर में अब हड़ताल के आह्वान को कोई सुनने वाला नहीं है। भारत ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में विकास देखा है। श्रीनगर में जी-20 कार्यक्रम से पहले पत्रकारों से बात करते हुए जितेंद्र सिंह ने कहा कि एक समय था जब पाकिस्तान से हड़ताल का आह्वान किया जा रहा था और श्रीनगर में लोग बंद का पालन करते थे। लोगों की मानसिकता अब बदल गई है क्योंकि पाकिस्तान से और श्रीनगर में भी हड़ताल के आह्वान जारी किए जा रहे हैं लेकिन लोग इस पर ध्यान नहीं दे रहे हैं। उन्होंने कहा कि निवेशक एक संदेश के साथ वापस जाएंगे कि जम्मू-कश्मीर के संबंध में निहित स्वार्थों द्वारा बनाई जा रही झूठी कहानी अब मौजूद नहीं है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत ने पिछले नौ वर्षों में विकास देखा है। जम्मू-कश्मीर के लोग, विशेष रूप से युवा खुद को उपलब्धियों से दूर नहीं रखना चाहते हैं।

वीर शिरोमणि महाराणा प्रताप बोर्ड का होगा गठन : मुख्यमंत्री गहलोत

उदयपुर (हिंस)। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने कहा है कि प्रतिवर्ष महाराणा प्रताप की जयंती समारोह मनाने से युवा पीढ़ी उनके त्याग, बलिदान, शौर्य व पराक्रम से प्रेरित हो रही है। उनके शौर्य व बलिदान की गाथा राजस्थान ही नहीं, बल्कि देश-विदेश में भी लोगों को स्वाभिमान की भावना से आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करती है। गहलोत सोमवार को उदयपुर में मेवाड़ क्षत्रिय महासभा एवं नगर निगम द्वारा सुखाड़िया रंगमंच पर महाराणा प्रताप की 483वीं जयंती के अवसर पर आयोजित समारोह को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि वर्तमान पीढ़ी का कर्तव्य है कि वह आने वाली पीढ़ी को यह गौरवशाली शौर्यगाथा विरासत में सौंपे। हमें मानवता की सेवा के लिए ही कार्य करने का संकल्प लेना चाहिए। उन्होंने कहा कि महाराणा प्रताप के जीवन से जुड़े स्थल चावण्ड, गोगुन्दा, हल्दीघाटी आदि मेवाड़ की पहचान को विशिष्ट बनाते हैं। मुख्यमंत्री ने समारोह में वीर शिरोमणि महाराणा प्रताप बोर्ड बनाने की घोषणा की।

मोदी की 9 वर्ष की उपलब्धियों के सामने 60 वर्ष का विपक्ष बौना : डॉ. कविता

सोनीपत (हिंस)। पूर्व मंत्री एवं भारतीय जनता पार्टी की प्रदेश उपाध्यक्ष डॉक्टर कविता जैन ने सोमवार को कहा है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अगुवाई करने के लिए पापुआ न्यू गिनी के प्रधानमंत्री पैर छूते हैं। दूसरे देशों के सेलिब्रिटी मोदी से मिलते हैं। ऐसे नेता पर हमें गर्व है और सभी को 9 वर्ष की ढेरों उपलब्धियों को उत्सव के रूप में मनाना चाहिए। महाराजा अग्रसेन मंडल, शहीद भगत सिंह मंडल तथा नेताजी सुभाष चंद्र बोस मंडल कार्यकारिणी की बैठक में 30 मई से 30 जून तक चलने वाले कार्यक्रमों के तैयारी के लिए चर्चा करते हुए डॉक्टर कविता जैन ने कहा कि विपक्षियों का 60 वर्ष का शासनकाल मोदी सरकार की 9 वर्ष की उपलब्धियों के सामने बोना नजर आएगा। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को 2024 में तीसरी बार प्रधानमंत्री बनाने के लिए हम सब कार्यकर्ताओं ने कमर कस ली है और उनकी उपलब्धियों को जन-जन तक पहुंचाना है।

गडकरी ने राजस्थान को दी कई सौगातें

श्रीगंगानगर (हिंस)। केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी सोमवार को राजस्थान दौरे पर हैं। उन्होंने गांव पक्का सारणा में श्रीगंगानगर-हनुमानगढ़ सहित अन्य क्षेत्रों में सड़कें और आरयूबी निर्माण की घोषणाएं कीं। उन्होंने राष्ट्रीय राजमार्ग 62 पर 501 करोड़ रुपए की लागत से 172 किमी बीकानेर से सूरतगढ़ 2-लेन पेव्ड शोल्डर मार्ग निर्माण का लोकार्पण किया। इस परियोजना में बीकानेर में बाइपास का निर्माण किया गया है। उन्होंने कहा कि नागौर से बीकानेर तक 370 करोड़ रुपए की लागत से बने 2-लेन पेव्ड शोल्डर मार्ग से नागौर और बीकानेर के बीच आवागमन में सुधार आया है। फतेहपुर से झुंझुनू तक 116 करोड़ रुपए की लागत से 2-लेन पेव्ड शोल्डर सड़क निर्माण से मंडावा पर्यटन क्षेत्र के लिए कनेक्टिविटी अच्छी हो गई है। उन्होंने राष्ट्रीय राजमार्ग 54 पर 321 करोड़ रुपए की लागत से हनुमानगढ़ से केंचिया तक 2-लेन पेव्ड शोल्डर मार्ग का भी शिलान्यास किया है। यह मार्ग अमृतसर-जामनगर कॉरिडोर से कनेक्टिविटी प्रदान करेगा। इस मार्ग के निर्माण से एक दर्जन से अधिक गांव हाइवे से जुड़ जाएंगे। फतेहपुर, मंडावा और झुंझुनू में 264 करोड़ रुपए की लागत से 2-लेन पेव्ड शोल्डर मार्ग का शिलान्यास हुआ है। इसके बनने से बीकानेर से दिल्ली जाने वाले वाहनों का समय बचेगा। नगर में ट्रैफिक जाम की समस्या से निजात मिलेगी। राजगढ़ और पिलानी में 2-लेन पेव्ड शोल्डर बाईपास के निर्माण से राजगढ़ और पिलानी के अंदर ट्रैफिक जाम का दबाव कम होगा। इस अवसर पर केंद्रीय मंत्री गडकरी ने श्रीगंगानगर-हनुमानगढ़ सहित अन्य क्षेत्रों में सड़कें और आरयूबी निर्माण की घोषणाएं की। कुछ कार्यों के बारे में उन्होंने कहा कि वे उनका परीक्षण करवाने के बाद इन्हें शुरू करवाने का प्रयास करेंगे।

जयपुर में स्थापित होगा भूकंप से बांधों की सुरक्षा का राष्ट्रीय केंद्र

जयपुर (हिंस)। देश में बांधों की भूकंप और अन्य आपदाओं से सुरक्षा का राष्ट्रीय केंद्र जयपुर के मालवीय राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान (एमएनआईटी) में स्थापित किया जाएगा। इस संबंध में केंद्रीय जलशक्ति मंत्री गजेन्द्र सिंह शेखावत की मौजूदगी में सोमवार को एमएनआईटी और मंत्रालय के राष्ट्रीय बांध सुरक्षा प्राधिकरण के बीच एक समझौते (एमओयू) पर हस्ताक्षर हुए। केंद्रीय जलशक्ति मंत्री शेखावत ने कहा कि केंद्र सरकार बांधों की सुरक्षा और रख-रखाव के प्रति मिशन मोड में काम कर रही है। कार्यक्रम में शेखावत ने कहा कि भारत दुनिया के तीसरे सबसे अधिक बांधों वाला देश है। यहां छह हजार से अधिक बांध है। 25 प्रतिशत से अधिक बांध ऐसे हैं, जो 50 प्रतिशत से ज्यादा की लाइफ पूरी कर चुके हैं। अनेक बांध सौ साल पुराने भी हो चुके। बांध की उम्र और उसके टिकाऊपन में कोई संबंध नहीं है। सबसे पुराना बांध दो हजार साल पुराना बांध भी काम कर रहा है। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि देश में बांधों के रख-रखाव को लेकर उनकी सुरक्षा को लेकर नीति बननी चाहिए थी। अस्सी के दशक में इस पर चर्चा भी प्रारंभ हुई, लेकिन 40 साल तक केवल विचार ही होता रहा। पीएम नरेंद्र मोदी ने बांधों की सुरक्षा को लेकर संकल्प लिया और वर्ष 2021 में बांध सुरक्षा से संबंधित कानून बनाया गया।

पंजाब पुलिस ने लारेंस बिश्नोई गैंग के चार शूटर दबोचे, छह पिस्तौलें बरामद

चंडीगढ़ (हिंस)। पंजाब पुलिस की एंटी गैंगस्टर टास्क फोर्स ने लारेंस बिश्नोई गैंग के चार मुख्य शूटरों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने इनके पास से छह पिस्तौल और 26 जिंदा कारतूस भी बरामद किए हैं। पंजाब पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) गौरव यादव ने सोमवार को बताया कि एक पुख्ता सूचना के बाद एडीजीपी प्रमोद बाण की निगरानी में एआईजी एजीटीएफ संदीप गोयल के नेतृत्व में एजीटीएफ टीम ने चार शूटरों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार किए गए लोगों की पहचान महफूस उर्फ विशाल खान निवासी सैदपुरा, डेराबस्सी; मनजीत सिंह उर्फ गुरी निवासी खेड़ी गुड़रां डेराबस्सी; अंकित वासी नरैणपुर, पंचकुला और गोल्डी निवासी खेड़ी, पंचकूला के रूप में हुई है। पुलिस के अनुसार इन चारों को लारेंस बिश्नोई ने अपने विरोधी गैंग के सदस्यों को नुकसान पहुंचाने का काम सौंपा था। डीजीपी ने बताया कि गिरफ्तार किए गए चारों आरोपी पुरानी आपराधिक पृष्ठभूमि (हिस्ट्रीशीटर) वाले हैं। यह चारों पंजाब और हरियाणा राज्यों में इरादातन कत्ल, कार छीनने, जबरन वसूली, हथियार एक्ट आदि समेत घृणित गुनाहों के आपराधिक मामलों का सामना कर रहे हैं। इस संबंध में अन्य जानकारी देते हुए एडीजीपी प्रमोद बाण ने बताया कि मुलजिम महफूस उर्फ विशाल छह पिस्तौलों की बरामदगी के एक केस में वांछित था। उस केस में उसके एक साथी नीतीश राणा को ढकोली पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया था और विशाल उस समय मौके से ?रार होने में सफल हो गया था। आरोपी विशाल मार्च 2022 में मोहाली स्थित एक पब एंड रेस्टोरेंट, बरीऊ ब्रोस में घटी गोलीबारी की घटना में भी शामिल था।

दादा-दादी या नाना-नानी के सानिध्य में ज्ञान अर्जन करेंगे विद्यार्थी

हिसार (हिंस)। जिले के सरकारी एवं प्राइवेट स्कूलों के विद्यार्थियों को इस बार गर्मियों की छुट्टियों में मिलने वाला होमवर्क बेहद खास होगा। जिला शिक्षा अधिकारी कुलदीप सिंह सिहाग ने अपनी निगरानी में हरियाणवी संस्कृति पर आधारित *हरियाणा को जानो* नामक होमवर्क की एक श्रृंखला तैयार करवाई है। इसमें हरियाणा के सामान्य ज्ञान के साथ-साथ हमारे रीति-रिवाजों एवं संस्कृति को समझाने का प्रयास किया गया है। इससे भी बढ़कर इस पाठ्य सामग्री का लाभ विद्यार्थियों को निकट भविष्य में होने वाली प्रतियोगी परीक्षाओं में भी मिलेगा। जिला शिक्षा अधिकारी कुलदीप सिंह सिहाग ने सोमवार को बताया कि इसका सीधा लाभ यह होगा कि विद्यार्थी न केवल अपने दादा-दादी या नाना-नानी के संपर्क में रहेंगे, बल्कि वे हरियाणवी संस्कृति के अलग-अलग पहलूओं से रुबरु भी हो सकेंगे। बड़ी बात यह है कि यह होमवर्क सभी सरकारी एवं प्राइवेट स्कूलों के विद्यार्थियों को संपूर्ण रूप से नि:शुल्क रूप से पीडीएफ फॉर्मेट में उपलब्ध होगा। यह पहला मौका है, जब विद्यार्थी लुप्त प्राय होने के कगार पर पहुंची हरियाणवी विरासत एवं संस्कृति के महत्व एवं ज्ञान को जमीनी स्तर पर समझाने के लिए इतनी अधिक गहनता से मेहनत हो रही है। कक्षा तीन से लेकर 12वीं तक के विद्यार्थियों के लिए अलग-अलग चार वर्गों में इस होम वर्क की पीडीएफ बनाई गई है। जिलों की बेसिक एवं संक्षिप्त जानकारी, राज्य के प्रतीक चिन्ह, वर्तमान शहरों के प्राचीन नाम, प्रदेश के शहरों के उपनाम, भौगोलिक क्षेत्रों के उपनाम, हरियाणा के पड़ोसी राज्य (बेसिक/संक्षिप्त), हरियाणा के जिलों का नामकरण, बदले गए शहरों एवं गांवों के नाम, हरियाणवी शब्दों के अर्थ, प्रदेश के प्रमुख लोकगीत, हरियाणा के लोक नृत्य, लोक वाद्य यंत्र, हरियाणवी फैशन शो, वेशभूषा, पुरुषों का पहनावा एवं आभूषण, महिलाओं का पहनावा एवं आभूषण एवं पहनावा, पारंपरिक आभूषण, प्रदेश के रीति-रिवाज, विधानसभा और विधायक, प्रदेश के मुख्यमंत्री एवं उप-मुख्यमंत्री (बेसिक/संक्षिप्त), प्रशासनिक व्यवस्था (बेसिक/संक्षिप्त), प्रदेश के प्रमुख मंदिर, प्रदेश के प्रमुख गुरुदारे, पंचायती व्यवस्था (बेसिक/संक्षिप्त), कृषि एवं पशुपालन (बेसिक/संक्षिप्त), कृषि यंत्र (बेसिक), खेल एवं इससे संबंधित सम्मान राशि (बेसिक/संक्षिप्त), व्यक्तियों के उपनाम एवं लेखक परिचय। इसी तरह से कक्षा छठी से बारहवीं तक के लिए भी विषय तैयार किए गए हैं।

पृष्ठ तीन का शेष

वर्ष के अंत...

पंजाब, चंडीगढ़ और जम्मू-कश्मीर समेत कई हिस्सों में लागू किया गया था। हालांकि, बाद में कई इलाकों से इसे हटा भी दिया गया। अमित शाह की घोषणा से पहले ये कानून जम्मू-कश्मीर, नगालैंड, मणिपुर (राजधानी इंफाल के 7 क्षेत्रों को छोड़कर), असम और अरुणाचल प्रदेश के कुछ हिस्सों में लागू है। त्रिपुरा, मिजोरम और मेघालय से इसे पहले ही हटा दिया गया है।

पुलिस कमांडेंट...

दौरान उन्होंने असम पुलिस के प्रशिक्षण में उत्कृष्ट विशेषज्ञता दिखाने वाली पुलिस को 2020-21 का केंद्रीय गृह मंत्री पुरस्कार प्रदान किया। इसके बाद मुख्यमंत्री असम पुलिस के कन्वेंशन सेंटर में आयोजित पुलिस बलों के कमांडेंट के सम्मेलन में भाग लिया। इस मौके पर असम पुलिस महानिदेशक जीपी सिंह भी सम्मेलन में मौजूद थे।

मणिपुर में पुन:...

में अज्ञात उपद्रवियों ने चार घरों आग के हवाले कर दिया। किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है। सेना के मुताबिक सोमवार सुबह इंफाल में संघर्ष की जानकारी मिली। इसके बाद तुरंत सेना और असम राइफल्स की टुकड़ियों को स्थिति को नियंत्रित करने के लिए तैनात किया गया। सेना के मुताबिक अब स्थिति नियंत्रण में है। इस संबंध में तीन लोगों को गिरफ्तार किया गया है। हथियार भी बरामद किया गया है। सूत्रों के मुताबिक हेंगलेप के पूर्व विधायक एसी टीएन हाओकिप को उनके दो सुरक्षाकर्मियों को भी हिरासत में लिया गया है। हालांकि अभी तक किसी ने इसकी पुष्टि नहीं की है। इस बीच, मणिपुर सरकार ने एक नई अधिसूचना जारी कर कहा कि राज्य में इंटरनेट सेवाओं के निलंबन को और पांच दिनों के लिए बढ़ा दिया है। अब यह प्रतिबंध 26 मई तक जारी रहेगा। अधिसूचना में, सरकार ने हवाला दिया कि सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म के उपयोग के माध्यम से अभद्र भाषा और अफवाहों के प्रसार पर अंकुश लगाना इंटरनेट प्रतिबंध को बढ़ाने के प्रमुख कारणों में से एक था। मणिपुर में संकट के मद्देनजर, टैरिटोरियल आर्मी ने तीन तेल प्रतिष्ठानों का प्रबंधन करने के लिए कदम बढ़ाया है, जिससे हिंसा प्रभावित राज्य में ऊर्जा संकट टल गया है। ये तीन महत्वपूर्ण तेल प्रतिष्ठान इंफाल एविएशन फ्यूलिंग स्टेशन, मालोम बल्क ऑयल डिपो और सेकमई एलपीजी बॉटलिंग प्लांट हैं। सेना के मुताबिक सूचना मिलने के 48 घंटे के भीतर बटालियन मालोम डिपो पहुंच गई और अगले 12 घंटों के भीतर डिपो को पूरी तरह से चालू कर दिया गया।

अमित शाह कल ...

को लगभग 45,000 नियुक्ति पत्र वितरित करेंगे। असम के मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा के मुताबिक केंद्रीय गृह मंत्री 24 मई की शाम को आएंगे। 25 मई को केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह गुवाहाटी में आयोजित होने वाले एक कार्यक्रम में शामिल होंगे, जहां असम सरकार विभिन्न सरकारी विभागों के नए भर्ती उम्मीदवारों को लगभग 45,000 नियुक्ति पत्र वितरित करेंगे। हिमंत विश्व शर्मा ने कहा कि गुवाहाटी में कार्यक्रम के दौरान केंद्रीय गृह मंत्री नेशनल फॉरेंसिक साइंस यूनिवर्सिटी की आधारशिला भी रखेंगे। इस बीच, गुवाहाटी में धारा 144 लागू कर दी गई है। माना जा रहा है कि गृह मंत्री अमित शाह की यात्रा को देखते हुए यह लागू की गई है।

अंकिता दत्त मामला...

गवई और न्यायमूर्ति संजय करोल की पीठ ने श्रीनिवास को अग्रिम जमानत देते हुए उन्हें जांच में सहयोग करने और 22 मई को पुलिस के सामने पेश होने को कहा था। पिछले महीने अंकिता दत्त, जिन्हें छह साल के लिए कांग्रेस की प्राथमिक सदस्यता से निष्कासित कर दिया गया था, ने कांग्रेस यूथ प्रमुख पर उत्पीड़न का मामला दर्ज कराया था।

मैट्रिक का रिजल्ट...

साल सरकारी स्कूलों के नतीजे अच्छे हैं और इसका मतलब यह भी है कि शिक्षा व्यवस्था बेहतर हुई है। उन्होंने कहा कि असमिया माध्यम के स्कूलों का रिजल्ट इस बार काफी अच्छा है। इस बार पिछली बार की तुलना में मैट्रिक का रिजल्ट जल्दी घोषित कर दिया गया है। एक सवाल के जवाब में डॉ. पेगु ने कहा कि हायर सेकेंडरी के रिजल्ट में थोड़ा और समय लगेगा। इस बार पहले की तुलना में करीब 1 लाख 30 हजार ज्यादा छात्रों ने हायर सेकेंडरी परीक्षा दी है। शिक्षा मंत्री ने कहा कि सरकार किसी भी कारण से टैबलेट वापस नहीं लेगी। साथ ही कहा कि आवश्यकता होने पर इस संबंध में कठोर कदम उठाए जाएंगी।

हाई स्कूल की परीक्षा ...

पंचम पर पांच, छठे पर छह, सप्तम पर सात, आठवें 10, नौवें 11 एवं दसवें स्थान पर सात विद्यार्थी उत्तीर्ण हुए हैं। इस वर्ष हाई स्कूल की परीक्षा में दाखिला लेने वाले कुल विद्यार्थियों की संख्या 4,22,203 थी, जिसमें 4,15,324 विद्यार्थियों ने परीक्षा में हिस्सा लिया था। जिसमें कुल 3,01,880 उत्तीर्ण हुए हैं। इस प्रकार इस वर्ष उत्तीर्ण प्रतिशत 72.69 रहा। हाई स्कूल की परीक्षा में प्रथम स्थान में उत्तीर्ण होने वाले विद्यार्थियों की संख्या 94,913, द्वितीय 1,48,573 और तृतीय श्रेणी में 58,394 विद्यार्थी उत्तीर्ण हुए हैं। परिणामों में उत्तीर्ण बालकों की संख्या 1,42,524 (74.71 प्रतिशत) है। जिसमें प्रथम 46,431, द्वितीय 71,060 और तृतीय 25,033 है। वहीं, उत्तीर्ण बालिकाओं की संख्या 1,59,356 (70.96) है। जिसमें प्रथम 48,482, द्वितीय 77,513 तथा तृतीय श्रेणी में 33,361 बालिकाएं उत्तीर्ण हुई हैं। इस वर्ष 6879 परीक्षार्थी अनुपस्थित रहे, जबकि 14 के परिणाम रोके गये हैं, वहीं 239 परीक्षार्थियों को परीक्षा से निष्कासित किया गया। पिछले वर्ष के परीक्षा परिणाम 56.49 प्रतिशत के मुकाबले इस बार 72.69 प्रतिशत रहा। जिलेवार परीक्षा परिणाम में बरपेटा 73.23 प्रतिशत के साथ प्रथम तथा 66.33 प्रतिशत के साथ पश्चिम कार्बी आंग्लांग जिला अंतिम स्थान पर रहा। अलग विषयों में 80 प्रतिशत से अधिक अंक यानी लेटर मार्क कुल 1,77,911 विद्यार्थियों को मिले हैं। डिस्टिंक्सन (510 से अधिक) कुल 8517 को मिला है, जिसमें 4475 बालक एवं 4042 बालिकाएं शामिल हैं। वहीं स्टार मार्क (450 से अधिक) कुल 18,653 को मिला है। जिसमें 9137 बालक, 9515 बालिका एवं एक ट्रांसजेंडर उम्मीदवार शामिल हैं।

सफल विद्यार्थियों को ...

भविष्य के जीवन के पथ पर दृढ़ संकल्प और आत्मविश्वास के साथ आगे बढ़ते हुए देश और राष्ट्र की भलाई के लिए एक अच्छे नागरिक बनें। साथ ही मुख्यमंत्री ने कहा कि मेरी इच्छा है कि जिन छात्रों को वांछित परिणाम नहीं मिले हैं, वे निराश न हों और आने वाले समय में एकाग्रता और दृढ़ता के साथ आगे बढ़ें और सफलता प्राप्त करें।

नीतीश ने खड़गे ...

मुख्यमंत्री नीतीश कुमार विपक्षी पार्टियों को एकजुट करने के लिए विभिन्न पार्टियों के नेताओं से मुलाकात कर रहे हैं। इससे पहले कल दिल्ली में उन्होंने मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल से मुलाकात की थी।

त्रिपुरा में सीएम ...

को तंग किया जा रहा है, प्रताड़ित किया जा रहा है। बिप्लब देव खुद भी सरकार और संगठन दोनों में नजरअंदाज किए जाने से खफा हैं। दरअसल बिप्लब देब ने रविवार को त्रिपुरा में बिना नाम लिए सीधे राज्य के मुख्यमंत्री पर निशाना साधते हुए कहा कि भाजपा के संगठनात्मक मामलों में बाहरी लोग हस्तक्षेप कर रहे हैं और राज्य में जो कुछ भी हो रहा है उन्होंने उससे नेतृत्व को अवगत कराया है। बिप्लब देब ने कहा कि बाहरी लोगों का हस्तक्षेप संगठन को कमजोर बना रहा है। हालांकि, उन्होंने यह नहीं बताया कि वह किसे बाहरी कह रहे हैं पर उनका निशाना सीएम माणिक साहा थे। दरअसल माणिक साहा कांग्रेस से भाजपा में आए है इसलिए बिप्लब देब ने उनको बाहरी कहा। बिप्लब देब के इस बयान ने भाजपा आलाकमान को भी परेशान कर दिया और आनन-फानन में पार्टी ने बिप्लब देब को दिल्ली तलब कर लिया है। सूत्रों के मुताबिक, बिप्लब देब पूरी तैयारी के साथ भाजपा आलाकमान के सवालों का जवाब देने के लिए दिल्ली पहुंचे हैं, लेकिन बताया जा रहा है कि पार्टी आलाकमान उनके बयान से बेहद नाराज है।

बंगाल : जंगल में ...

भारतीय वायुसेना के एक वरिष्ठ अधिकारी ने नाम उजागर नहीं करने की शर्त पर इस बात की पुष्टि की है कि यह बम नहीं है। यह क्या है, इस बारे में बताने से उन्होंने फिलहाल इनकार किया है।

पीएम मोदी ने प्रशांत...

इंडो-पैसिफिक के साझा दृष्टिकोण को मजबूत करेगा। बागची के अनुसार, दोनों नेताओं ने विभिन्न क्षेत्रों में साझेदारी मजबूत करने, जलवायु परिवर्तन से निपटने संबंधी कदमों के साथ ही लोगों के बीच परस्पर संबंधों को मजबूत करने समेत कई मुद्दों पर बातचीत की। उन्होंने कहा कि भारत-पापुआ न्यू गिनी के संबंधों में तालमेल बैठाया जा रहा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने प्रधानमंत्री जेम्स मारापे से सार्थक द्विपक्षीय बैठक की। प्रधानमंत्री मोदी ने पोर्ट मोरेस्बी में एफआईपीआईसी तृतीय शिखर सम्मेलन की सह-मेजबानी के लिए प्रधानमंत्री मारापे की सराहना की। उन्होंने कहा कि व्यापार तथा निवेश, स्वास्थ्य, क्षमता निर्माण, कौशल विकास और सूचना प्रौद्योगिकी के क्षेत्रों में साझेदारी मजबूत करने पर चर्चा की गई। जलवायु परिवर्तन से निपटने संबंधी कदमों और लोगों के बीच परस्पर संबंधों को बढ़ावा देने से जुड़े मुद्दों पर भी बातचीत की गई। एफआईपीआईसी का गठन 2014 में प्रधानमंत्री मोदी की फिजी यात्रा के दौरान किया गया था। यह शिखर सम्मेलन ऐसे वक्त में हो रह है जब चीन क्षेत्र में अपनी सैन्य और कूटनीतिक ताकत बढ़ाने के प्रयास कर रहा है। मारापे के साथ हाथ मिलाते हुए अपनी एक तस्वीर पोस्ट करते हुए प्रधानमंत्री मोदी ने ट्वीट किया कि प्रधानमंत्री जेम्स मारापे और मैंने काफी सार्थक बातचीत की जिसमें भारत और पापुआ न्यू गिनी के बीच द्विपक्षीय संबंधों के हर पहलू पर चर्चा की गई। हमने वाणिज्य, प्रौद्योगिकी, स्वास्थ्य देखभाल तथा जलवायु परिवर्तन से निपटने में सहयोग के तरीकों पर चर्चा की। इससे पहले, प्रधानमंत्री मोदी ने पापुआ न्यू गिनी के गवर्नर जनरल बॉब डाडे से गवर्नमेंट हाउस में मुलाकात की।

आज शाम आसमान ...

के साथ ही हंसियाकार चंद्रमा के साथ शुक्र (वीनस) अपनी चमक बिखेर रहा होगा, तो उसके कुछ ऊपर मंगल (मार्स) लालिमा के साथ होगा। उसके पास ही मिथुन तारामंडल के जुड़वां तारे पोलुक्स एवं कैस्टर भी इस मिलन समारोह का हिस्सा बनेंगे। इसके साथ ही बिहाईव स्टार क्लस्टर भी इनके आसपास दिखेगा। सारिका ने बताया कि मिलन करते इन खगोलीय पिंडों के बीच आपस की दूरी करोड़ों किलोमीटर होगी, लेकिन इनका पृथ्वी से बनने वाला कोण इस प्रकार होगा कि वे एक-दूसरे से मिलते से नजर आएंगे। जुड़वां तारे कहे जाने वाले तारों में से पोलुक्स 33 प्रकाशवर्ष दूर और विकसित लाल विशालकाय तारा है जो कि हमारे सूर्य से दोगुना विशाल है जबकि केस्टर 51 प्रकाशवर्ष दूर नीला तारा है जो हमारे सूर्य से 2.7 गुना अधिक भारी है। रोमन पौराणिक कथाओं के अनुसार पोलक्स और केस्टर जुड़वां भाइयों का प्रतिनिधित्व करते हैं। सारिका ने बताया कि इस खगोलीय घटना में चंद्रमा लगभग 1000 तारों के समूह, जिसे कि बिहाईव स्टार क्लस्टर कहते हैं, उनके भी समीप दिखेगा।

कश्मीर में जी20...

के लिए दुनिया में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाना संभव नहीं है। बिलावल ने कहा कि वह कश्मीरी लोगों के साथ एकजुटता व्यक्त करने के लिए बाग जिले में एक विरोध रैली में भी शामिल होंगे। जम्मू-कश्मीर में 2019 के बाद यह पहली अंतर्राष्ट्रीय बैठक होने वाली है, जब उसके राज्य का विशेष दर्जा समाप्त कर दिया गया और इसे एक केंद्र शासित प्रदेश बनाया गया। बैठक में व्यवधान डालने की किसी भी आतंकवादी योजना को विफल करने के लिए श्रीनगर शहर में तीन स्तरीय सुरक्षा व्यवस्था की गई है।

कुत्ते से बचने के ...

आस-पास कुछ समझ नहीं आया, जिसके बाद उसने इमारत के तीसरी मंजिल से छलांग लगा दी। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, पीड़ित की हालत अभी स्थिर है और वह तत्काल खतरे से बाहर हैं। इलियास की शिकायत मिलने पर अधिकारियों ने त्वरित कार्रवाई की और कुत्ते के मालिकों के खिलाफ मामला दर्ज कर दिया है। उल्लेखनीय है कि इसी साल जनवरी में हैदराबाद में कुत्ते के हमले से बचने के लिए फूड डिलीवरी बॉय ने तीसरी मंजिल से छलांग लगा दी थी। निजाम इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंस (एनआईएमएस) में इलाज हो रहे शख्स की मौत हो गई थी। मामला 11 जनवरी की रात का है। बंजारा हिल्स इलाके में रहने वाले शोभना ने स्विगी से खाना मंगवाया था। जब डिलीवरी बॉय खाना लेकर पहुंचा और जैसे ही पार्सल देने लगा, तभी ग्राहक के जर्मन शेफर्ड ने उस पर हमला कर दिया। कुत्ते के हमले से बचने के लिए रिजवान छत की ओर भागा, लेकिन फिर भी कुत्ते ने पीछा नहीं छोड़ा। इससे बचने के लिए शख्स को छत से छलांग लगानी पड़ी।

ईंधन की कमी से जूझ रहे श्रीलंका ने चीन की सरकारी कंपनी से किया करार, राष्ट्रपति ने दी जानकारी

नई दिल्ली।
ईंधन संकट से जूझ रहे श्रीलंका ने चीन में पेट्रोलियम उत्पादों के महत्वपूर्ण भंडारण, वितरण और बिक्री को लेकर चीन की तेल और गैस कंपनी सिनोपेक के साथ दीर्घकालिक समझौते पर हस्ताक्षर किया है। राष्ट्रपति रनिल बिक्रमसिंघे ने सोमवार को इसकी जानकारी दी है। चीन की सरकारी कंपनी सिनोपेक के साथ यह समझौता दोनों पक्षों की बातचीत शुरू होने और श्रीलंका की आरे से मार्च में देश में ईंधन के खुदरा विपणन को उदार बनाने के प्रस्ताव को मंजूरी देने के कुछ महीनों बाद हुआ था। द्वीपीय राष्ट्र के खुदरा ईंधन बाजार पर 2003 तक सरकारी कंपनी सीलोन पेट्रोलियम पेट्रोलियनम (सीपीसी) का एकाधिकार था। उसके बाद भारतीय कंपनी इंडियन ऑयल कंपनी (आईओसी) को श्रीलंका में करने की अनुमति दी गई थी।

श्रीलंका के राष्ट्रपति कार्यालय की ओर से जारी किया गया बयान – राष्ट्रपति कार्यालय की ओर से जारी बयान में कहा गया है, द्वीपीय देश में पेट्रोलियम उत्पादों के महत्वपूर्ण भंडारण, वितरण और बिक्री पर दीर्घकालिक अनुबंध के लिए चीन और सिंगापुर में सिनोपेक फ्यूल ऑयल लंका लिमिटेड और उसकी मूल कंपनी के साथ बातचीत पूरी हो गई है। मंत्रिमंडल ने श्रीलंका में खुदरा ईंधन बाजार में प्रवेश करने के लिए शेल पीएलसी के सहयोग से सिनोपेक, यूनाइटेड पेट्रोलियम ऑस्ट्रेलिया और यूएसए के आरएम पार्क्स को लाइसेंस देने की मंजूरी दी थी।

तीन कंपनियों को मिला था लाइसेंस, अब तक सिर्फ सिनोपेक से करार – हालांकि अभी तक यह समझौता चीन के सिनोपेक के साथ ही हुआ है। ऊर्जा और खरीद समितियों ने तीनों कंपनियों को संचालन के लिए लाइसेंस देने की सिफारिश को मंजूरी दे दी थी। उन्हें वर्तमान में सीपीसी द्वारा संचालित 150 डीलर संचालित ईंधन स्टेशन (पेट्रोल पंप) आवंटित किए जाएंगे, जो एक राज्य ईंधन इकाई है। पार्टियों को श्रीलंका में पेट्रोलियम उत्पादों के आयात, भंडारण, वितरण और बिक्री के लिए 20 साल तक काम करने का लाइसेंस दिया जाएगा। कर्ज में डूबा श्रीलंका अब भी अपनी संकटग्रस्त अर्थव्यवस्था को सामान्य करने के लिए संघर्ष कर रहा है। आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार श्रीलंका का कुल कर्ज 83.6 अरब डॉलर है, जिसमें से विदेशी कर्ज 42.6 अरब डॉलर और घरेलू कर्ज 42 अरब डॉलर है।

न्यूज ब्रीफ

रोजाना जमा होने वाले 2000 के नोटों की जानकारी संभाल कर रखें बैंक; निर्देश जारी

नई दिल्ली। भारत रिजर्व बैंक ने सभी बैंकों को निर्देश दिया है कि रोजाना जमा हो रहे दो हजार के के नोट का डेटा मेंटेन करें। आरबीआई की ओर से 22 मई को इससे संबंधित निर्देश जारी किए गए हैं। आरबीआई की ओर से कहा गया है कि नियमों के तहत जितने चाहे उतने नोट बदले जा सकते हैं। साथ ही, केंद्रीय बैंक ने यह भी कहा है कि बाजार में दूसरे मूल्य वर्ग के नोटों की कमी नहीं है।भारतीय रिजर्व बैंक के गवर्नर शक्तिकांत दास ने कहा है कि आम जनता को काउंटर पर 2000 रुपये के नोट बदलने की सुविधा सामान्य तरीके से प्रदान की जाएगी, जैसा कि पहले प्रदान किया जा रहा था। नोट बदलने के लिए चार महीने का वक्त दिया जााएगा। दास ने कहा कि दो हजार रुपये के नोटों को चलन से बाहर करने का फैसला क्लीन नोट पॉलिसी के तहत लिया गया है। आरबीआई गवर्नर ने कहा है कि दो हजार रुपये के नोट बदलने की पूरी तैयारी की गई है। 23 मई से किसी भी बैंक में एक समय में 2000 रुपये के नोटों को अन्य मूल्यवर्ग के बैंकनोटों में बदलने की सीमा 20,000 रुपये तक होगी। दास ने कहा, हम नोट बदलने में आने वाली मुश्किलों को लगातार मॉनिटर कर रहे हैं।

75000 रुपये कर बचाने का है विकल्प, सभी कटौतियों का दावा जरूर करना चाहिए

नई दिल्ली। ऐसे बहुतेरे नौकरीपेशा वाले लोग हैं, जो टैक्स बचाने के लिए साल भर के निवेश या अन्य दावों को जोड़ते हैं। बावजूद साल के अंत में जब वे इसका गुणा भाग करते हैं तो उनको लगता है कि ज्यादा टैक्स कट गया है। आप सभी कटौतियों का दावा नहीं करते हैं तो और भी ज्यादा कर कटने की संभावना बनी रहती है। यानी कमाई का एक बड़ा हिस्सा टैक्स के रूप में भुगतान करते हैं। ऐसे में आप कंपनी से अपने मुआवजे के पैकेज में बदलाव करवा सकते हैं। इस बदलाव से सालाना आप 75,000 रुपये का टैक्स बचा सकते हैं। मान लीजिए आपको सालाना दो लाख रुपये का लीव ट्रैवल अलाउंस (एलटीए) मिलता है, लेकिन पूरी राशि का उपयोग नहीं कर पाते हैं। ऐसे में इस राशि के लगभग 1.4 लाख रुपये पर कर लगता है। साथ ही आपको 60,000 रुपये के भोजन कूपन और एक चिकित्सा भत्ता भी मिलता है। कुछ साल पहले इस रकम को भी कर के दायरे में ला दिया गया था। ऐसी स्थिति में आपको कंपनी से चिकित्सा भत्ता हटाने और एलटीए को घटाकर 63,000 रुपये करने के लिए कहना चाहिए। इसकी जगह पर गैजेट भत्ता मांगना चाहिए। धारा 17(2) के तहत, कंपनी के नाम से खरीदे गए और व्यक्तिगत उपयोग के लिए कर्मचारी को दिए गए गैजेट और उपकरणों पर मूल्य के केवल 10 फीसदी पर कर लगाया जाता है। अगर आपको कंपनी 1.5 लाख रुपये का गैजेट अलाउंस देती है तो आपका टैक्स 44,000 रुपये तक कम हो सकता है।

भारत से खिलौने, जूते और साइकिल खरीदने पर विचार कर रही वॉलमार्ट

वाशिंगटन। अमेरिकी दिग्गज खुदरा कंपनी वॉलमार्ट भारतीय आपूर्तिकर्ताओं से खिलौने, जूते और साइकिल खरीदने पर विचार कर रही है। कंपनी का लक्ष्य भारत से अपना निर्यात 2027 तक बढ़ाकर 10 अरब डॉलर करने का है। कंपनी के प्रवक्ता ने बताया वॉलमार्ट खाद्य, फार्मास्युटिकल्स, चिकित्सा, परिधान आदि श्रेणियों में नए आपूर्तिकर्ता तैयार करना चाहती है। वॉलमार्ट का मुख्यालय बेंटनविले, अरकंसास में है। कंपनी के अधिकारियों ने यहां विभिन्न घरेलू खिलौना विनिर्माताओं के साथ बैठक की। कंपनी ने खिलौना विनिर्माताओं को अपनी जरूरतों और अपेक्षित गुणवत्ता मानकों के बारे में बताया क्योंकि वह खरीद के लिए घरेलू खिलौना विनिर्माताओं के साथ सीधे संपर्क में है। आइकिया जैसी वैश्विक खुदरा कंपनियां पहले से ही अपने अंतरराष्टीय बाजार के लिए भारत से खिलौनों की खरीद कर रही हैं। प्रवक्ता ने कहा कि उद्योग और आंतरिक व्यापार संवर्द्धन विभाग (डीपीआईआईटी) ने इस साकार करने में भूमिका निभाई है।

आरबीआई-सेबी के खिलाफ हाईकोर्ट पहुंचे भाजपा नेता, 2,000 के नोट बिना फॉर्म, पहचान पत्र के बदले जाने का विरोध

नई दिल्ली।
रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (आरबीआई) ने हाल ही में दो हजार रुपये के नोट को चलन से वापस लेने का एलान किया है। अब यह मामला दिल्ली हाईकोर्ट पहुंच गया है। भाजपा नेता और वकील अश्विनी उपाध्याय ने एक जनहित याचिका दायर कर कहा है कि 2000 रुपये के नोट बिना किसी मांग पर्ची और पहचान प्रमाण के जमा कराने या अन्य छोटे मूल्य के नोट में नकद भुगतान किए जाने का आदेश मनमाना, तर्कहीन और भारत के संविधान के अनुच्छेद 14 का उल्लंघन है।

भ्रष्ट लोगों ने जमा कर रखे हैं रुपये

इसके अलावा, याचिका में कहा गया है कि बड़ी संख्या में नोट लोगों के लॉकर में पहुंच गए हैं। वहीं, शेष अलगाववादियों, आतंकवादियों, माओवादियों, मादक पदार्थ के तस्करों, खनन माफियाओं तथा भ्रष्ट लोगों ने जमा कर रखे हैं। काले धन पर रोक लगाने के लिए मांग की गई है।

संबंधित बैंक खातों में जमा कराए जाएं रुपये

याचिका में कहा गया है कि भारतीय रिजर्व बैंक और भारतीय स्टेट बैंक को निर्देश दिए जाएं कि 2000 रुपये के नोट संबंधित बैंक खातों में ही जमा कराए जाएं। इससे काले धन और आय से अधिक संपत्ति रखने वाले लोगों की आसानी से पहचान हो सकेगी। साथ ही भ्रष्टाचार, बेनामी लेनदेन को खत्म करने में मदद मिलेगी।

इसमें कहा गया है कि अधिक मूल्य के नोट में नकद लेनदेन भ्रष्टाचार का मुख्य स्रोत है तथा इन नोटों का आतंकवाद, नक्सलवाद, अलगाववाद, कट्टरपंथ, जुआ, तस्करी, धन शोधन, अपहरण, वसूली, रिश्वतखोरी और दहेज आदि जैसे गैरकानूनी गतिविधियों में इस्तेमाल किया जाता है। याचिका के अनुसार, यह देखते हुए आरबीआई और एसबीआई को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि 2,000 रुपये के नोट केवल संबंधित बैंक खातों में ही जमा किए जाए।

प्रत्येक परिवार के पास है बैंक खाता

याचिका में कहा गया है कि हाल में केंद्र ने यह घोषणा की थी कि प्रत्येक परिवार के पास आधार कार्ड तथा बैंक खाता होना चाहिए। फिर क्यों आरबीआई बिना पहचान पत्र के 2,000 के नोट बदलने की अनुमति दे रहा है। यह बताना भी जरूरी है कि गरीबी रेखा से नीचे 80 करोड़ परिवारों को मुफ्त अनाज मिलता है। अश्विनी ने कहा कि हम आरबीआई तथा एसबीआई को यह सुनिश्चित करने के लिए कदम उठाने का निर्देश देने का अनुरोध करते हैं कि 2,000 रुपये के नोट केवल बैंक खातों में ही जमा कराए जाएं।

30 सितंबर तक का समय

गौरतलब है कि भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने 19 मई को 2,000 रुपये के नोटों को चलन से वापस लेने की घोषणा की थी। इन नोटों को बैंक खातों में जमा करने या बदलने के लिए जनता को 30 सितंबर तक का समय दिया गया है।

रुपये बदलने के ये नियम

भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) ने अपने सभी स्थानीय प्रधान कार्यालयों के मुख्य महाप्रबंधक को पत्र लिखकर कहा है कि आम लोगों को एक बार में कुल 20,000 रुपये तक के 2,000 रुपये के नोटों यानी 2,000 रुपये के दस नोटों को बदलने के लिए किसी फॉर्म की जरूरत नहीं होगी। बैंक ने 20 मई के पत्र में कहा कि 'विनिमय के समय कोई पहचान प्रमाण प्रस्तुत करने की जरूरत नहीं है।

इंस्टाग्राम 2 घंटे रहा डाउन दुनियाभर में 1.88 लाख यूजर्स ने शिकायत की, इससे पहले 18 मई को भी आई थी समस्या

नई दिल्ली। फोटो शेयरिंग ऐप इंस्टाग्राम दो घंटे से ज्यादा समय तक डाउन रहा। इंस्टाग्राम के डाउन हुआ। दुनियाभर में हजारों लोगों के ऐप में पोस्ट दिखाई देने बंद हो गए, जिसके चलते लोगों ने इसकी शिकायत करनी शुरू की। ज्यादा 1.88 लाख लोगों का ऐप डाउन रहा। इंस्टाग्राम ने ट्वीट करके जानकारी दी कि तकनीकी खराबी के चलते इंस्टाग्राम डाउन हुआ था। इस खराबी को दूर कर लिया गया है और इंस्टाग्राम अब चल रहा है। यह चार दिनों में इंस्टाग्राम के डाउन होने का दूसरा मामला है। इससे पहले 18 मई को दुनियाभर में कई यूजर्स ने ऐप के न चलने की शिकायत की थी। वहीं इससे पहले मार्च में भी इंस्टाग्राम पर एक्सेस करने में यूजर्स को परेशानी का सामना करना पड़ा था। भारत में इंस्टाग्राम के करीब 23 करोड़ यूजर हैं। ट्विटर को टक्कर देने के लिए मेटा का सोशल नेटवर्किंग प्लेटफॉर्म इंस्टाग्राम एक नया माइक्रोब्लॉगिंग टेक्स्ट-बेस्ड ऐप लाने की तैयारी कर रहा है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, इंस्टाग्राम के इस नए ऐप को जून के आखिरी तक लॉन्च किया जा सकता है। सूत्रों के मुताबिक, कंपनी अभी इस प्रोजेक्ट की टेस्टिंग कर रही है। टेस्टिंग के लिए कंपनी ने पिछले कुछ महीनों से सीक्रेटली कुछ सेलेक्टेड सेलिब्रिटीज, इन्फ्लुएंसर्स और क्रिएटर्स को यह ऐप दिया हुआ है।

क्रांट फंड में निवेश करके कमा सकते हैं मुनाफा

इसने 3 साल में दिया 44प्रतिशत तक का रिटर्न इससे जुड़ी खास बातें

नई दिल्ली।
निवेश, खास तौर पर इक्विटी इन्वेस्टमेंट को लेकर अमूमन दो तरह की सलाह दी जाती है। भावनाओं में बहकर फैसले न करें और आंकड़ों का भरपूर इस्तेमाल करें। किसी भी आम इंसान के लिए लालच और डर जैसी भावनाओं से बचना मुमकिन नहीं है। फंड मैनेजरों के बारे में भी यही सच है। क्रांट फंड इन मुश्किलों का हल है।

इन स्कीम्स में फंड मैनेजर की ज्यादा भूमिका नहीं – म्यूचुअल फंड की ये स्कीम्स निवेश के लिए शेयरों का फैसला कम्प्यूटर सॉफ्टवेयर के माध्यम से गणितीय आधार (एल्गोरिद्म) पर करती हैं। इनमें फंड मैनेजर की ज्यादा भूमिका नहीं होती। इस तरह पोर्टफोलियो के लिए निष्पक्ष तरीके से शेयर चुनने में मदद मिलती है। हाल के महीनों में मशीन लर्निंग और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस की बढ़ती स्मार्टनेस को देखते हुए इस बात की संभावना बढ़ी है कि क्रांट फंड बेहतर प्रदर्शन करेंगे। हालांकि अब भी इनका प्रदर्शन कमजोर नहीं है। 3 साल में इनका रिटर्न 44प्रतिशत तक रहा है।

क्या होती है क्रांट फंड की निवेश रणनीति – क्रांटिटेटिव या क्रांट इन्वेस्टमेंट में बड़े पैमाने पर डेटा (जैसे वैल्युएशन, क्वालिटी, लिक्विडिटी, रिटर्न और कीमतों में बदलाव की रफ्तार) का विश्लेषण करने के लिए एल्गोरिद्म का इस्तेमाल किया जाता है। इस विश्लेषण के नतीजों के आधार पर शेयरों का चयन किया जाता है। मोटे तौर पर इसका मतलब ये है कि ट्रेड ऐतिहासिक डेटा पर आधारित होते हैं। यानी निवेश का फॉर्मूला लगभग तय होता है। तीन वजहों से आप चुन सकते हैं क्रांट फंड, फायदे में रहेंगे

कम लागत: इनमें निवेश की लागत यानी एक्सपेंस रेश्यो सिर्फ 0.5प्रतिशत है। आम तौर पर ये अनुपात 1.25-2.50प्रतिशत तक होता है।

ज्यादा रिटर्न: क्रांट फंड्स ने तीन साल में 43.5प्रतिशत तक रिटर्न दिए हैं। यानी 1 लाख की पूंजी बढ़कर 1,43,500 रुपए हो गई।

क्लीन स्ट्रैट्जी: फंड मैनेजर न होने से फ्रंट रनिंग, इनसाइडर ट्रेडिंग जैसी गड़बड़ियां नहीं।

श्रीराम 1.50 लाख एजेंटों की करेगी भर्ती, इन्फोगेन 1,000 लोगों को देगी नौकरी

नई दिल्ली।
आईटी कंपनी इन्फोगेन 1,000 कर्मचारियों की भर्ती करेगी। श्रीराम जनरल इंश्योरेंस 1.50 लाख एजेंटों को नियुक्त करेगी। श्रीराम जनरल इंश्योरेंस (एसजीआई) कारोबार बढ़ाने के लिए एजेंटों की संख्या बढ़ाकर दो लाख करेगी। अभी पाइंट ऑफ सेल्सपर्सन सहित इसके 57 हजार एजेंट हैं। एसजीआई के प्रबंध निदेशक एवं सीईओ अनिल अग्रवाल ने कहा, कंपनी ने हर साल ब्रांच नेटवर्क को 20 फीसदी बढ़ाने की योजना भी बनाई है। इसकी 235 शाखाएं हैं। चालू वित्त वर्ष में 750 और तीन साल में 5,000 कर्मचारियों की भर्ती करेगी।

एसजीआई की हर साल ब्रांच नेटवर्क को 20 फीसदी तक बढ़ाने की है योजना – इन्फोगेन चालू वित्त वर्ष में 1000 कर्मचारियों में से 800 की भर्ती भारत में करेगी। इसके 6,000 कर्मचारी हैं जिसमें से 5,000 कर्मचारी भारत में हैं। अधिग्रहण की भी योजना बना रही है। कंपनी के अध्यक्ष दयापात्रा नेवतिया ने कहा, कि जब दुनियां में कंपनियां छंटनी कर रही है, ऐसे में उसने किसी भी कर्मचारी की छंटनी नहीं की है।

इस सप्ताह आ सकते हैं 4 एसएमई आईपीओ – इस हफ्ते चार एसएमई इनिशियल पब्लिक ऑफर (आईपीओ) आएंगे। इसमें वसा डेंटिसिटी, हेमंत सर्जिकल और अन्य हैं। वसा का इश्यू खुलकर 25 मई को बंद होगा। 121-128 के भाव पर 54 करोड़ जुटाएगी। इसकी ई-कॉमर्स में भी मौजूदगी है। बीआरएलएम हेम सिक्योरिटीज है। वसा के पास 300 घरेलू व अंतरराष्ट्रीय ब्रांड हैं।

एफआईआई निवेश व कंपनियों के नतीजे से तय होगी बाजार की चाल – शेयर बाजार में पिछले सप्ताह की गिरावट के बाद इस हफ्ते कई कारक बाजार की चाल तय करेंगे। विदेशी निवेश, कंपनियों के नतीजे व वैश्विक कारकों से बाजार की चाल पर असर दिख सकता है।

चीन का बाइडेन पर पलटवार, अमेरिकी कंपनी माइक्रोन पर प्रतिबंध

बीजिंग।
अमेरिका के खिलाफ जैसे को तैसा कदम उठाते हुए चीन ने राष्ट्रीय सुरक्षा जोखिमों का हवाला देते हुए देश में अमेरिका स्थित माइक्रोन टेक्नोलॉजी के चिप्स की बिक्री पर प्रतिबंध लगा दिया है। मीडिया ने यह जानकारी दी। साउथ चाइना मॉर्निंग पोस्ट की रिपोर्ट के अनुसार, चीन सरकार ने कहा कि देश की प्रमुख सूचना अवसंरचना को बिक्री के लिए माइक्रो उत्पादों पर प्रतिबंध लगा दिया जाएगा, क्योंकि अमेरिका चीन स्थित तकनीकी कंपनियों पर नियंत्रण कड़ा करना जारी रखे हुए है।

अमेरिकी वाणिज्य विभाग ने प्रतिबंध का जवाब देते हुए कहा, यह उन प्रतिबंधों का दृढ़ता से विरोध करता है, जिनका वास्तव में कोई आधार नहीं है। विभाग ने एक बयान में कहा, हम अपनी स्थिति का विस्तार करने और उनकी कार्रवाई को स्पष्ट करने के लिए पीआरसी (पीपुल्स रिपब्लिक ऑफ चाइना) के अधिकारियों के साथ बातचीत करेंगे।

अमेरिकी वाणिज्य विभाग ने कहा, हम यह सुनिश्चित करने के लिए प्रमुख सहयोगियों और साझेदारों के साथ भी जुड़ेंगे कि हम चीन की कार्रवाइयों के कारण मेमोरी चिप बाजार की विकृतियों को दूर करने के लिए निकटता से समन्वयित हैं।

चीनी अधिकारियों द्वारा राष्ट्रीय सुरक्षा के आधार पर माइक्रोन के उत्पादों की जांच शुरू करने के बाद यह फैसला आया।

माइक्रोन ने एक बयान में कहा कि वह चीनी अधिकारियों के साथ विचार-विमर्श जारी रखने के लिए उत्सुक है।

रिपोर्ट में कहा गया है कि माइक्रोन के खिलाफ चीन के कदम को अमेरिकी चिप कंपनी के खिलाफ प्रतिशोध के रूप में देखा जा रहा है, क्योंकि उसने उन्नत चिप प्रौद्योगिकियों तक चीन की पहुंच को प्रतिबंधित करने के उपाय करने के लिए वाशिंगटन की पैरवी की थी।

पिछले साल अक्टूबर में, जो बाइडेन प्रशासन ने चीन को उन्नत अमेरिकी अर्धचालक प्रौद्योगिकियों के निर्यात को कड़ा कर दिया, इसमें चिप बनाने के उपकरण और डिजाइन सॉफ्टवेयर शामिल थे।

हाल की रिपोटरें में दावा किया गया है कि जो बाइडेन प्रशासन चीन में अमेरिकी कंपनियों के निवेश पर नए प्रतिबंधों की घोषणा करने वाला है।

जेफरीज के विख्यात विश्लेषक क्रिस्टोफर वुड के अनुसार, बात यह है कि बइडेन का लक्ष्य आने वाले हफ्तों में एक कार्यकारी आदेश पर हस्ताक्षर करना है, जो अमेरिकी व्यवसायों द्वारा चीन में निवेश को सीमित करेगा। कार्यकारी आदेश कथित तौर पर सेमीकंडक्टर्स, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और क्वांटम कंप्यूटिंग को कवर करेगा।

माइक्रोन ने पिछले हफ्ते कहा था कि वह अगले कुछ वर्षों में जापान में 500 बिलियन येन (3.6 बिलियन डॉलर) तक का निवेश करेगी।

कुछ वजहें...जो पीपीएफ में निवेश से करती हैं दूर

छोटे निवेशकों को लाभ पहुंचाने के लिए पेश की गई थी योजना

नई दिल्ली।
लंबी अवधि की बचत योजनाओं में पब्लिक प्रोविडेंट फंड (पीपीएफ) निवेशकों के बीच काफी लोकप्रिय है। इस सरकारी योजना में लगाए गए पैसे सुरक्षित रहते हैं और रिटर्न की गारंटी रहती है। वर्तमान में इसमें निवेश पर 7.1 फीसदी की दर से ब्याज मिल रहा है। इसे वरिष्ठ नागरिक सुरक्षा योजना, सुकन्या समृद्धि योजना और राष्ट्रीय बचत प्रमाणपत्र जैसी अन्य बचत योजनाओं के साथ पेश किया गया है। इसका मकसद छोटे निवेशकों को लाभ पहुंचाना है। पीपीएफ में न्यूनतम 500 रुपये से निवेश शुरू कर सकते हैं। इन खूबियों के बावजूद पांच ऐसी वजह हैं, जो निवेशकों को पीपीएफ में निवेश से दूर करती हैं। 7.1 फीसदी ब्याज मिलता है पीपीएफ पर, जबकि ईपीएफ पर 8.15 फीसदी।

ईपीएफ से कम ब्याज

लोग कर बचाने के लिए पीपीएफ में निवेश करते हैं। लेकिन, इसमें कर्मचारी भविष्य निधि (ईपीएफ) के मुकाबले कम ब्याज मिलता है। ईपीएफ पर 8.15 फीसदी ब्याज है, जबकि पीपीएफ पर 7.1 फीसदी। वेतनभोगी बेहतर रिटर्न व कर बचत के लिए वॉलेंटरी प्रोविडेंट फंड (वीपीएफ) में निवेश कर सकते हैं। लंबी लॉक-इन अवधि... पीपीएफ खाते की लॉक-इन अवधि 15 साल है, जो काफी लंबा समय होता है। लंबी अवधि में निवेश पर अधिक रिटर्न कमाने के लिए सिस्टमैटिक इन्वेस्टमेंट प्लान (एसआईपी) में निवेश कर सकते हैं। अधिकतम निवेश सीमा कम... पीपीएफ में अधिकतम 1.50 लाख रुपये निवेश कर सकते हैं। सरकार ने पिछले कुछ वर्षों से इसकी अधिकतम निवेश सीमा में कोई बदलाव नहीं किया है। वीपीएफ में बिना अतिरिक्त कर के वेतन से 2.50 लाख तक निवेश कर सकते हैं। समय से पूर्व निकासी सख्त... पीपीएफ में खाता खोलने के वर्ष को छोड़कर पांच साल के बाद हर वित्त वर्ष में एक बार ही निकासी कर सकते हैं। समय पूर्व निकासी पांच साल के बाद ही संभव है। इसमें भी कई शर्तें हैं और निकासी पर एक फीसदी ब्याज लगता है।

प्री-मेच्योर खाता बंद की कड़ी शर्तें

पीपीएफ खाते को समय से पहले बंद करने की कड़ी शर्तें हैं। पति-पत्नी या आश्रित बच्चों को जानलेवा बीमारी होने पर ही खाताधारक पीपीएफ खाता बंद करा सकता है। बच्चों को उच्च शिक्षा या रेसिडेंस स्टेटस बदलने पर भी खाता बंद करा सकते हैं।

देना पड़ सकता है एक फीसदी ब्याज

आप समय से पहले पीपीएफ खाता बंद करना चाहते हैं तो खाता खोलने की तारीख से एक फीसदी ब्याज देना पड़ सकता है। हालांकि, पीपीएफ उन लोगों के लिए निवेश और कर बचाने का सबसे बड़ा साधन है, जो वेतनभोगी नहीं हैं।

एनसीएलएटी ने एनसीएलटी के दिवालिया कार्यवाही के आदेश को बरकरार रखा, कुछ संशोधन करने के निर्देश

नई दिल्ली। राष्ट्रीय कंपनी विधि अपीलीय न्यायाधिकरण (एनसीएलएटी) ने एनसीएलटी की ओर से दिए गए 10 मई को संकटग्रस्त गो फर्स्ट एयरलाइन के दिवाला आदेश को बरकरार रखा और न्यायाधिकरण के आदेश में कुछ संशोधन करने का निर्देश दिया। एनसीएलएटी ने पट्टेदारों को विमानों का कब्जा वापस लेने की अनुमति देने से इनकार कर दिया और उन्हें गो फर्स्ट दिवाला कार्यवाही मामले में किसी भी उपाय के लिए एनसीएलटी जाने के लिए कहा। गो फर्स्ट के पट्टेदार एनसीएलटी के उस फैसले का विरोध कर कर रहे हैं जिसमें अंतरिम समाधान पेशेवर (आईआरपी) की नियुक्ति और अंतरिम स्थगन के लिए मंजूरी दी गई थी। एनसीएलटी ने 10 मई को स्वैच्छिक दिवाला प्रक्रिया के लिए गो फर्स्ट की याचिका स्वीकार कर ली थी और कॉरपोरेट दिवाला समाधान प्रक्रिया (सीआईआरपी) शुरू करने पर अपनी सहमति दे दी थी। एनसीएलटी ने पट्टेदारों और उधारदाताओं की ओर से जारी वसूली को स्थगित कर गो फर्स्ट संरक्षण प्रदान किया है। अमेरिका स्थित जेट निर्माता प्रैट एंड व्हिटनी (पीएंडडब्ल्यू) ने बजट एयरलाइन के इस दावे के खिलाफ अपना बचाव किया है कि पीएंडडब्ल्यू वित्तीय स्थिति और दिवालियापन के लिए जिम्मेदार है। न्यायमूर्ति (सेवानिवृत्त) जे अशोक भूषण और न्यायमूर्ति (सेवानिवृत्त) नरेश सालेचा की एनसीएलएटी पीठ ने कहा कि याचिकाकर्ता राहत के लिए राष्ट्रीय कंपनी विधि न्यायाधिकरण (एनसीएलटी) में वापस जा सकते हैं।

कार्तिक- कियरा अभिनीत सत्यप्रेम की कथा का रोमांटिक पोस्टर हुआ जारी

मुंबई (ईएमएस)। फिल्म सत्यप्रेम की कथा का रोमांटिक पोस्टर जारी कर दिया है। गौरतलब है कि कार्तिक आर्यन और कियारा आडवाणी स्टारर अपकमिंग फिल्म सत्यप्रेम की कथा का टीजर रिलीज हुए अभी एक दिन हुआ है, जिसमें दर्शकों को पूरी तरह से एक प्योर रोमांटिक लव स्टोरी की झलक दी है। फिल्म के टीजर में कार्तिक-कियारा की शानदार केमेस्ट्री ने भी लोगों को अपना दीवाना बना दिया। ऐसे में अब मेकर्स ने इस अपकमिंग म्यूजिकल रोमांस का एक नया पोस्टर जारी किया है जिसपर कार्तिक-कियारा की ब्लॉकबस्टर जोड़ी नजर आ रही हैं। मेकर्स ने ये पोस्टर आज खास दिन इसलिए रिलीज किया है क्योंकि आज भूल भुलैया 2 को एक साल पूरे हो चुके

है। हालांकि दर्शकों को ये पोस्टर लॉन्च उसी दिन देखने को मिला जब 2022 में भूल भुलैया 2 रिलीज हुई थी और जिसमें पहली बार कियारा-कार्तिक की हिट जोड़ी बड़े पर्दे पर दिखी थीं। यह वास्तव में लोगों को आकर्षित करने के लिए एक खास पल है क्योंकि यह 20 मई 2022 था, जब भूल भुलैया 2 रिलीज हुई थी और इस साल 20 मई 2023 को सत्यप्रेम की कथा का पोस्टर रिलीज किया गया है। पोस्टर प्यार में पड़ने के लिए बिल्कुल लायक लग रहा है। जादुई जोड़ी कार्तिक आर्यन और कियारा आडवाणी के इस पोस्टर ने फिर से प्यार और रोमांटिक वाइब्स की यादें ताजा कर दी है। सत्यप्रेम की कथा एनजीई और नमः पिक्चर्स के बीच बड़े पैमाने पर सहयोग का प्रतीक है। दिलचस्प बात यह है कि साजिद नाडियाडवाला और शरीन मंत्री केडिया ने किशोर अरोड़ा और निर्देश-क समीर विद्वांस के साथ अपनी अपनी फीचर फिल्मों के लिए राष्ट्रीय पुरस्कार जीता हैं। सत्यप्रेम की कथा 29 जून 2023 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

ओम राउत की आदिपुरुष का जय श्री राम गीत हुआ रिलीज

मुंबई (ईएमएस)। एल्बम आदिपुरुष से जय श्री राम नाम का एक नया गाना रिलीज किया गया है। गौरतलब है कि यह गीत पहले ही हिट हो चुका है। बता दें कि जय श्री राम को भूषण कुमार और ओम राउत के साथ अजय अतुल ने कंपोज किया था। गाने में वीडियो के राम के रूप में प्रभास के दृश्य हैं। आज गाने के लॉन्च पर, अजय अतुल ने मुंबई में 30 कोरस गायकों के साथ एक लाइव ऑर्केस्ट्रा के साथ गाने की प्रस्तुति भी दी। इस दौरान प्रभास द्वारा कैप्शन पढ़ा गया, प्रभु श्री राम की दिव्य आभा का अनुभव करें क्योंकि टीम आदिपुरुष ने जयश्रीराम का पूर्ण संस्करण लॉन्च किया। शक्ति-गीत अतुल अजय द्वारा रचित है और गीत के बोल मनोज मुंतसिर द्वारा लिखे गए हैं। बता दें कि ओम राउत की आदिपुरुष में अभिनेता प्रभास राम की भूमिका निभाते नजर आएंगे। इस बहुप्रतीक्षित फिल्म में सैफ

अली खान रावण की भूमिका निभाएंगे जबकि कृति सनोन सीता की भूमिका निभाएंगी।

यह फिल्म हिंदू ग्रंथ रामायण पर आधारित है। यह भारत में बनी उच्च बजट की फिल्मों में से एक है और इसके बॉक्स ऑफिस पर अच्छा प्रदर्शन करने की उम्मीद है। ऐसा पहली बार हो रहा है जब प्रभास और कृति ने किसी फिल्म में साथ काम किया है। इस बीच, आदिपुरुष को 13 जून को न्यूयॉर्क में ट्रिबेका महोत्सव में भी प्रदर्शित किया जाएगा, जो 7 से 18 जून तक हो रहा है। ओकेएक्स द्वारा प्रस्तुत और 2001 में रॉबर्ट डी नीरो, जेन रोसेंथल और क्रेग हाटकॉफ द्वारा स्थापित ट्रिबेका महोत्सव, कहानी कहने के सभी रूपों का जश्न मनाने के लिए कलाकारों और विविध दर्शकों को एक साथ लाता है। आदिपुरुष 16 जून, 2023 को रिलीज होगी।

देशभर के लोग केजीएफ-3 का कर रहे बेसब्री से इंतजार

मुंबई (ईएमएस)। देशभर के लोग अब फिल्म केजीएफ-3 आने का इंतजार कर रहे हैं। यश के अपनी मैग्नम ओपस केजीएफ को करने के बाद मनोरंजन की दुनिया में एक ग्लोबल स्टार बन गए हैं। उनकी फिल्मों के दोनों भाग ब्लॉकबस्टर हुए हैं और दूसरे पार्ट ने बॉक्स ऑफिस पर रिकॉर्डतोड़ कमाई कर नया कीर्तिमान स्थापित किया था। इसके बाद से देशभर के लोग इसके अगले सीक्वल यानी केजीएफ 3 का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। हालांकि, अभी तक इस बारे में कोई जबरदस्त अपडेट नहीं आया है। पहले उम्मीद की जा रही थी कि केजीएफ 3

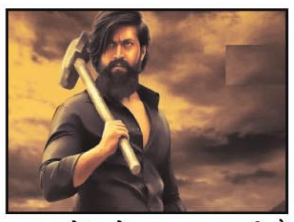

2024 में फ्लोर पर जा सकती है लेकिन अब बताया जा रहा है कि इंतजार उम्मीद से थोड़ा लंबा हो सकता है। केजीएफ के सफल भाग दो देने के बाद निर्देशक प्रशांत नील वर्तमान में प्रभास के साथ सालार पर काम कर रहे हैं। फिल्म के पूरा होने के बाद, उम्मीद की जाती है कि वे जूनियर एनटीआर के साथ एनटीआर 31 पर काम शुरू करेंगे जिसका अभी टाइटल भी डिसाइड नहीं हुआ। इन दो फिल्मों को पूरा करने के बाद वे केजीएफ 3 पर पूरा फोकस करेंगे। पोर्टल से जुड़े एक सूत्र ने कहा, न तो यश और न ही प्रशांत केजीएफ के तीसरे अध्याय को शुरू करने की जल्दी में हैं। वे पारस्परिक रूप से तीसरे भाग में शामिल होने के लिए सहमत हुए हैं और जब तक उनके पास पहले दो भागों से मेल खाती बेहतर स्क्रिप्ट नहीं होगी तब तक वे इस बारे में नहीं सोचेंगे। प्रशांत जूनियर एनटीआर के साथ फिल्म पूरी करने के बाद वे अगली केजीएफ फिल्म करेंगे।

पिंक गाउन में खूबसूरत लग रही थी उर्वशी

बालीवुड एक्ट्रेस उर्वशी रौतेला ने कान फिल्म फेस्टिवल में शिरकत की। एक्ट्रेस पिंक ट्यूल गाउन में बेहद खूबसूरत लग रही थी। उन्होंने स्टेटमेंट नेकलेस के साथ अपने लुक को पूरा किया। दो मगरमच्छ डिजाइन वाले नेकलेस को कार्टियर ने डिजाइन किया। इसके साथ ही हाई बन बनाया हुआ था। एक्ट्रेस ने फोटोज और वीडियो इंस्टाग्राम पर शेयर की, जिस पर सभी तरह की प्रतिक्रियाएं आईं। उन्होंने अपने कैप्शन में लिखा, 76वें वार्षिक कान फिल्म फेस्टिवल के रेड कार्पेट की ओपनिंग.. उर्वशी फ्रेंच रिवेरा में परवीन बाबी की बायोपिक पेश करेंगी। उर्वशी एक फोटोकॉल लॉन्च इवेंट का हिस्सा होंगी, जहां उनके पास अपने किरदार का प्रतिनिधित्व करने के लिए एक प्लेटफॉर्म होगा। बता दें कि उर्वशी के गाउन को सिमा कॉउचर ने डिजाइन किया था।

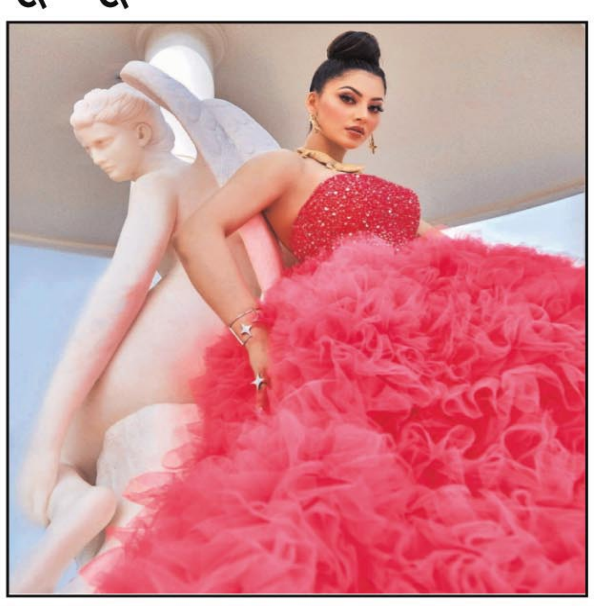

राजकुमार गुप्ता फार्मा उद्योग को लेकर रितेश देशमुख के साथ बना रहे सीरीज

मुंबई (ईएमएस)। भारत के सबसे प्रसिद्ध फिल्म निमार्ताओं में से एक राजकुमार गुप्ता फार्मा उद्योग को लेकर एक फिल्म बनाने जा रहे हैं। गौरतलब है कि राजकुमार गुप्ता ने अजय देवगन और इलियाना डिक्रूज स्टारर रेड, रानी मुखर्जी और विद्या बालन के बेमिसाल अभिनय से सजी नो वन किल्ड जेसिका और राजीव खंडेलवाल की आमिर जैसी फिल्मों का निर्देशन किया है। उनका आखिरी निर्देशित फिल्म - इंडियाज मोस्ट वांटेड, जिसमें अर्जुन कपूर थे, 2019 में प्रदर्शित हुई थी। उसके बाद से राजकुमार गुप्ता ने किसी फिल्म की घोषणा नहीं की। पिंकविला के अनुसार अब राजकुमार गुप्ता एक वेब सीरीज का निर्देशन करने जा रहे हैं, जिसके लिए उन्होंने रितेश देशमुख और रॉनी स्क्रूवाला से हाथ मिलाया है। बताया जा रहा है कि राजकुमार गुप्ता की यह वेब सीरीज भारत में फार्मा उद्योग के इर्द-गिर्द घूमती है। इस फिल्म का निर्माण कर रहे निमार्ता रोनी स्क्रूवाला का कहना है, यह एक बहुत ही दिलचस्प कहानी है, जिसे राजकुमार गुप्ता कुछ समय से परदे पर उतारना चाहते थे। उन्हें लगता है कि लॉन्ग फॉर्म फॉर्मेट स्क्रिप्ट के साथ पूरा न्याय करेगा, यही वजह है कि उन्होंने इसके लिए डिजिटल रास्ता चुना। कथानक के हिसाब

से उन्हें इस किरदार के लिए रितेश देशमुख उपयुक्त लगे। अब दोनों ने चंडीगढ़ में इसके लिए शूटिंग भी शुरू कर दी है। यह पहला मौका नहीं है जब राजकुमार गुप्ता और रॉनी स्क्रूवाला एक साथ काम करने जा रहे हैं, इससे पहले रॉनी स्क्रूवाला ने राजकुमार गुप्ता की आमिर, नो वन किल्ड जेसिका और घनचक्कर का निर्माण किया है। इस बीच, रितेश देशमुख अपनी मराठी फिल्म वेद की सफलता का आनंद ले रहे हैं, जिसे दर्शकों का भरपूर प्यार मिला। रोमांटिक ड्रामा रितेश देशमुख और जेनेलिया डिसूजा द्वारा सुर्खियों में था, और 2022 में सिनेमाघरों में रिलीज होने के बाद, पिछले महीने डिज्नी + हॉटस्टार पर इसका प्रदर्शन हुआ था। इसके अलावा, रितेश देशमुख के पास पाइपलाइन में आदित्य सरपोतदार की ककुड़ा भी है, जिसमें सोनाक्षी सिन्हा और साकिब सलीम सह-कलाकार हैं।

जान्हवी कपूर ने रखा द लिटिल मरमेड की दुनिया में कदम

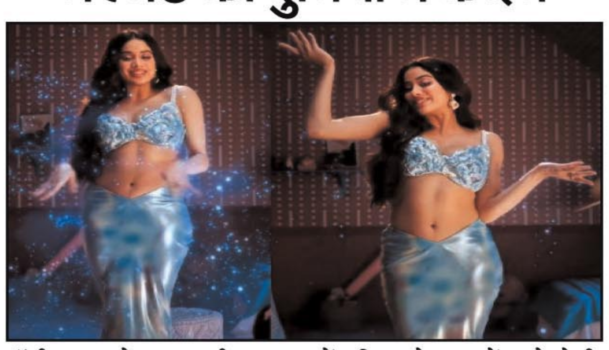

बॉलीवुड एक्ट्रेस जान्हवी कपूर अपकमिंग फिल्म द लिटिल मरमेड के नए प्रमोशनल एसेट के लिए जलपरी बनी हैं। एक्ट्रेस ने शुक्रवार को अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर एक वीडियो शेयर किया। वीडियो में, उन्हें राजकुमारी एरियल की जादुई दुनिया में कदम रखते हुए देखा जा सकता है और वह मछली जल की रानी है कहती दिख रही हैं। रॉब मार्शल द्वारा निर्देशित द लिटिल मरमेड में एरियल के रूप में हाले बेली, उसुर्ला के रूप में मेलिसा मैक्कार्थी, प्रिंस एरिक के रूप में जोना हाउर-किंग, किंग ट्राइटन के रूप में जेवियर बार्डेम, सेबस्टियन के रूप में डेवेड डिग्स, फ्लाउंडर के रूप में जैकब ट्रेमब्ले, स्कूटल के रूप में अक्वाफिना, नोमा डूमेजवेनी और जूड अकुवुदिके हैं। द लिटिल मरमेड 26 मई को सिनेमाघरों में अंग्रेजी में रिलीज करने के लिए तैयार है।

काजोल ने इंस्टाग्राम पर एक तस्वीर की साझा

बॉलीवुड एक्ट्रेस काजोल ने कहा कि वह अपनी बेटी न्यासा देवगन से मिलती जुलती हैं। काजोल ने इंस्टाग्राम पर अपनी एक तस्वीर साझा की। उन्होंने कैप्शन दियाः एआई और मैं.. कोई अनुमान लगा सकता है कि मैं किसकी तरह दिखती हूं (जवाब वह व्यक्ति है जिसे टैग किया गया है)। काजोल ने अपने पोस्ट में अपनी बेटी न्यासा देवगन को टैग किया। एआई की मदद से मशहूर हस्तियों की कई तस्वीरें फिर से बनाई गई हैं, जिनमें रणबीर कपूर, शाहरुख खान, दीपिका पादुकोण, प्रियंका चोपड़ा और ऋतिक रोशन, अली फजल, वीर दास और अक्षय कुमार जैसे नाम शामिल हैं। बता दें कि काजोल ने एक्टर और फिल्म निमार्ता अजय देवगन से शादी की है। फरवरी 1999 में दोनों शादी के बंधन में बंध गए। इस कपल के दो बच्चे हैं। न्यासा का जन्म 2003 में हुआ था और बेटे युग का जन्म 2010 में हुआ था।

सारा अली खान अपने भाई इब्राहिम की फिल्म का कर रही इंतजार

मुंबई (ईएमएस)। सारा अली खान ने इब्राहिम के एक्टिंग डेब्यू की पुष्टि की है। गौरतलब है कि सारा इन दिनों सुपर बिजी चल रही हैं। विक्की कौशल के साथ जरा हटके जरा बचके शीर्षक वाली अपनी अगली फिल्म की रिलीज का इंतजार कर रही सारा ने इस साल कान्स में अपनी शुरूआत की। अभिनेत्री सारा अली खान 20 मई को भारत लौटी। कान में अभिनेत्री ने अपने भाई इब्राहिम अली खान के बारे में एक बड़ा खुलासा किया। उसने पुष्टि करते हुए कहा कि इग्गी पॉटर, जैसा कि वह उसे प्यार से बुलाती है, एक अभिनेता के रूप में बॉलीवुड में अपनी शुरूआत के लिए पूरी तरह तैयार है। खास बात यह है कि उन्होंने फिल्म की शूटिंग भी पूरी कर ली है। सारा अली खान ने कहा कि उनके भाई, इब्राहिम अली खान, अपने अभिनय की शुरूआत के लिए पूरी तरह तैयार हैं। कान्स फिल्म फेस्टिवल में फिल्म साथी के साथ बात करते हुए, सारा

ने अपने भाई इब्राहिम और मां अमृता के बारे में बात की और खुलासा किया, उन्होंने एक अभिनेता के रूप में अपनी पहली फिल्म की शूटिंग अभी पूरी की है, जिस पर मुझे विश्वास नहीं हो रहा है। हां, उसके पास है और जब भी वह घर आता है, चाहे वह स्कूल से हो या शूट से, हम दोनों का उसके प्रति बेहद प्यार और पसंद, यह रवैया है और तब मुझे एहसास हुआ कि मेरे पास मेरी मां का दिल है। क्योंकि हम इब्राहिम के साथ बहुत समान व्यवहार करते हैं। दर-असल इब्राहिम ने अपनी पहली फिल्म के रूप में धर्मा प्रोडक्शन की फिल्म साइन की है। एक मीडिया हाउस ने इब्राहिम अली खान की धर्मा प्रोडक्शन के साथ पहली फिल्म का नाम अस्थायी रूप से सरजमीन बताया है। यह इमोशनल थ्रिलर होगी जिसमें इब्राहिम अहम भूमिका निभाएंगे। फिल्म फरवरी के अंत में फ्लोर पर चली गई। इब्राहिम के अतिरिक्त इस फिल्म में मलयालम फिल्मों के सुपर सितारे पृथ्वीराज व काजोल भी महत्त्वपूर्ण भूमिका में नजर आएंगे।

उर्फी जावेद की ड्रेस देख लोगों ने कहा, इससे अच्छा डस्टबिन

मुंबई (ईएमएस)। उर्फी जावेद अपनी ड्रेसिंग स्टाइल को लेकर हमेशा सुर्खियों में रहती हैं। वह कहीं भी हों, अतरंगी अंदाज में लोगों के सामने आना नहीं भूलतीं। इसकारण उन्हें ट्रोल तक किया जाता है, लेकिन उर्फी को इससे फर्क नहीं पड़ता। हाल ही में उन्हें एक इवेंट में देखा गया, जहां हमेशा की तरह वह जबरदस्त अंदाज में तैयार होकर पहुंची, और हमेशा की तरह लोगों ने उनके कपड़ों पर कमेंट करना शुरू कर दिया। दरअसल, उर्फी जावेद बीती रात मुंबई अचीवर्स अवॉर्ड फंक्शन में पहुंची। इस दौरान यहां सोशल मीडिया इन्फ्लूएंसर्स और सितारों का जमावड़ा देखने को मिला। फंक्शन में उर्फी पर्पल कलर की ड्रेस पहने नजर आईं। यह ड्रेस कुछ ऐसी थी कि यह हाफ शर्ट और हाफ स्टॉकिंग्स का लुक दे रही थी। उर्फी को पर्पल कलर के अतरंगी ड्रेसिंग सेंस में देखकर एक

यूजर ने कमेंट किया कि डस्टबिन भी उर्फी जावेद से बेहतर है। एक यूजर ने लिखा, सही किया...जो माधुरी ने इस अवॉर्ड फंक्शन में नहीं बुलाया। कुछ यूजर्स ने उनकी ड्रेस को मॉस्किटो बाइट का नाम दे दिया। बता दें कि इस अवॉर्ड फंक्शन में कच्चा बादाम फेम अंजलि अरोड़ा भी नजर आईं। अंजलि कच्चा बादाम गाने पर रील बनाकर फेमस हुईं थीं। उनका डांस वीडियो ऐसा वायरल हुआ कि देखते ही देखते उनकी फैन फॉलोइंग दोगुनी स्पीड से बढ़ने लगी। इसके बाद शुरू हुआ उनके साथ कभी न थमने वाला सफर। उन्होंने कंगना के रियलिटी शो लॉकअप में पार्टिसिपेट किया। अब वह हाई क्लास पार्ट भी अटेंड करती हैं।

सूडोकु नवताल- 6439

★★★★★ कठिनतम

				6	8	5		
	1						2	
		2						8
			4					9
6				5				1
2					3			
5						3		
	8						6	
		4	9	1				

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल -6438 का हल

2	4	6	7	9	3	5	8	1
3	1	5	2	8	6	4	7	9
7	8	6	1	5	4	2	3	6
6	5	7	9	3	8	1	4	2
9	3	1	4	7	2	8	6	5
4	2	8	6	1	5	7	9	3
1	9	2	3	4	7	6	5	8
5	7	3	8	6	1	9	2	4
8	6	4	5	2	9	3	1	7

Jagrutidaur.com, Bangalore

शब्दजाल - 7186

ना	हु	मे	रि	ना	ट	क	ल	च	ट	र्जी
ज	खु	क	दू	इं	जी	ने	शि	या	ड़	नी
नी	पी	ना	यि	का	ग	बा	द	ह	प	ल
न	ग	ए	ना	मु	म	कि	न	ह	लि	ना
व	र	ना	ग	रि	क	ला	कि	यो	प	मा
ल	इ	वि	मो	ग	प	वा	शी	ह	गी	कू
न	ना	ल	रा	व	मा	जो	न	व	प	ल
क	रि	का	र	य	र	ना	का	म	वि	रे
र	या	बा	बि	ह	न	ज	जी	शा	जू	ड्डी
र	ग	ल	नो	ल	व	ना	का	रा	टि	ल
बां	स	ना	रा	य	ण	ले	स	सु	रा	ल

शब्दजाल में 'ना' से शुरु होने वाले दस शब्द ढूंढिए.शब्द उपर से नीचे व तिरछे हो सकते हैं.

नामाकूल,नाकारा,नाकाबिल,नाजनीन,नागरिक,नाटक,नामुमकिन,नाकाम,नारायण,नायिका

शब्दजाल - 7185 का हल

गं	ल	जें	द्र	कु	मा	रा	श	न	पे	यी
द	गा	ल	प्रे	व	जी	म	द	ह	कां	रा
वि	स	रा	म	रा	ज	नी	ति	ल	ख	म
रा	स	स	क्ष	दि	वा	ज	ध	रा	श	दु
ज्य	आ	र	ग	स	ज	ना	तू	म	झ	रा
पा	ल	ला	र	दि	म	रा	ती	चं	घ	ज
ल	व	रा	ज	तं	त्र	ह	ज	द्र	व	धा
श	एं	वा	ई	द	ब	गी	डू	ए	श	नी
मी	ड	ल	रा	व	ण	र	आ	ग	शी	आ
र	गॉ	ल	प	लि	जी	शी	ला	कौ	ल	द
वि	ज	रा	ज	म	ह	ल	त	ब	प	म

Jagrutidaur.com, Bangalore

अष्टयोग - 6139

1	5		3		7	
	30	7	31	4	34	2
6		2		5		
	29		33		37	3
4		1	6			7
	30		32		34	
	5			1	2	4

प्रस्तुत खेल सुडोकू व जोड़ की पद्धति का मिश्रण है.खड़ी व आड़ी पंक्तियों में 1से 7 तक के अंक लिखने अनिवार्य हैं.गहरे काले वर्ग में लिखी संख्या चारों और के 8 वर्गों की संख्या का कुल योग होगी.सीधी अथवा आड़ी पंक्तियों में 1 से 7 तक के अंक होना अनिवार्य है.

अष्टयोग 6138 का हल

6	5	4	3	2	7	1
2	34	7	30	4	28	2
7	2	1	6	3	5	4
3	25	6	33	6	41	5
1	3	2	4	5	7	6
5	28	5	33	7	38	3
4	5	3	6	1	2	7

Jagrutidaur.com, Bangalore

नॉटिंघम फोरेस्ट ने आर्सेनल को 1–0 से हराया, मैनचेस्टर सिटी लगातार तीसरे साल प्रीमियर लीग जीती

लंदन।
इंग्लिश प्रीमियर लीग (ईपीएल) के खिताब को लेकर चल रही मैनचेस्टर सिटी और आर्सेनल के बीच जंग खत्म हो गई है। नॉटिंघम फोरेस्ट ने आर्सेनल को 1-0 से हराकर उसके खिताब जीतने की सभी उम्मीदों को तोड़ दिया। आर्सेनल को खिताब जीतने की दौड़ में बने रहने के लिए यह मैच जीतना जरूरी थी, लेकिन वह ऐसा नहीं कर पाया।

सिटी की ईपीएल में खिताबी हैट्रिक

आर्सेनल की हार के साथ ही सिटी का यह खिताब पक्का हो गया। लीग के एक सत्र में एक टीम को 38 मैच खेलने होते हैं और ऐसे में आर्सेनल 37 मैच खेल चुका है और उसके 81 अंक हैं। वहीं, सिटी के 35 मैचों में 85 अंक हो गए हैं। उसे अभी तीन मैच और खेलने हैं जबकि आर्सेनल को एक मैच खेलना बाकी है। सिटी ने लगातार तीसरी बार यह खिताब अपने नाम किया है। सिटी के कोच पेप के मार्गदर्शन में टीम ने खिताबी ट्रॉफी हासिल की है। सिटी के पास सत्र में एक और बड़ी ट्रॉफी हासिल करने का मौका है। टीम चैंपियंस लीग के फाइनल में पहुंची हुई है। मैनचेस्टर युनाइटेड के बाद ईपीएल की खिताबी हैट्रिक लगाने वाली सिटी दूसरी टीम बन गई है। सिटी की छह सत्रों में यह पांचवीं ईपीएल ट्रॉफी है।

अवोनी ने किया एकमात्र गोल

नॉटिंघम फोरेस्ट के लिए टाइवो अवोनी ने 19वें मिनट में गोल करके टीम का मैच में खाता खोल दिया। इसके बाद आर्सेनल की गोल करने की रणनीति विफल हो गई और उसके स्ट्राइकर नॉटिंघम के डिफेंस को भेद नहीं पाए। आर्सेनल की टीम बराबरी का गोल करने के लिए भी जूझती रही। अवोनी यूनियन बर्लिन से फोरेस्ट की टीम के साथ जुड़े हैं। वह पिछले तीन मैचों में पांच गोल कर चुके हैं। आर्सेनल को ईपीएल के इस सत्र में पहली बार लगातार दो हार मिली है। इससे पहले उसे ब्राइटन ने 3–0 से हराया था।

न्यूज ब्रीफ

खिताबी हैट्रिक लगाने वाले सिटी ने चेल्सी को 1-0 से हराया, जूलियन अल्वारेज ने किया गोल

मैनचेस्टर । नाटिंघम फॉरेस्ट के हाथों आर्सेनल की हार के साथ ही इंग्लिश प्रीमियर लीग चैंपियन गई मैनचेस्टर सिटी की ओर से चेल्सी को 1–0 से हराते ही पूरा एतिहाद स्टेडियम जश्न में डूब गया। मैनेजर पेप गुआर्डिओला की टीम ने ईपीएल की खिताबी जीत की हैट्रिक लगाई है। अर्जेंटीनी स्टार 23 वर्षीय जूलियन अल्वारेज के 12वें मिनट में किए गए गोल की बदौलत सिटी ने चेल्सी पर जीत हासिल की। आर्सेनल की अंतिम क्षणों में खराब फॉर्म ने सिटी का काम आसान कर दिया। सिटी लंबे समय तक आर्सेनल से पीछे चल रही थी। उसने न सिर्फ आर्सेनल को हराया बल्कि अपनी जीत के लगातार क्रम को भी जारी रखा। अब सिटी के सामने जून में होने वाले चैंपियंस लीग के फाइनल में यूरोपियन चैंपियन बनने का मौका है। जहां उसका मुकाबला इटली के क्लब इंटर मिलान से होगा। ईपीएल में छह सालों में यह सिटी की पांचवीं खिताबी जीत है। सिटी के विजेता बनने में सबसे बड़ा हाथ नार्वे के स्ट्राइकर एर्लिंग हालैंड का रहा। उन्होंने ईपीएल के इस सत्र में सर्वाधिक 36 गोल किए, जो कि सर्वाधिक हैं। हालैंड ने चेल्सी पर जीत के बाद जमकर जश्न मनाया। उन्होंने ईपीएल ट्रॉफी को अपने सिर पर रख लिया। कोच पेप गुआर्डिओला भी पीछे नहीं रहे। वह मैच के दौरान सूट में थे, लेकिन मैच खत्म होते ही उन्होंने सिटी की जर्सी को पहन लिया। मैच जैसे ही खत्म हुआ मैदान पर सिटी के समर्थक जश्न मनाने उतर आए। फुटबालरों को बमुश्किल मैदान के बाहर ले जाया गया।

बिहार में अब ग्रामीण क्षेत्रों में खेल प्रतिभाओं की खोजकर तराशेगी सरकार

पटना । बिहार सरकार अब ग्रामीण क्षेत्रों में पनप रही खेल प्रतिभाओं को तराश कर उन्हे सामने लाने की योजना बनाई है। इसके तहत सरकार ग्रामीण खेल प्रतिभाओं को प्रशिक्षित कर उन्हे राज्यस्तरीय और राष्टीय स्तर तक पहुंचाने में मदद करेगी। इसके लिए बजाप्ता कुछ जिलों में खेल अकादमी भी बनाएगी। खेल प्रतिभा खोज के लिए अब तक राजधानी के शहरी क्षेत्रों के आसपास ध्यान दिया जाता रहा है, लेकिन अब खेल प्राधिकरण की नजर ग्रामीण क्षेत्रों पर गई है। प्रतिभाओं को खोज के लिए आरा, बगहा, छपरा, सीवान, भागलपुर, बक्सर में खेल अकादमी खोली जाएगी और बुनियादी स्तर पर खेल प्रतिभा को खोजा जाएगा। प्राधिकरण के महानिदेशक रवींद्रन शंकरन ने बताया कि बिहार के प्रशिक्षकों के स्तर को सुधारने के लिए भी राष्टीयस्तर के प्रशिक्षकों से मदद ली जाएगी। उन्होंने कहा कि स्कूलों में कार्यरत शारीरिक शिक्षकों को भी गुणात्मक प्रशिक्षण दिलाकर उन्हें भी खेल प्रशिक्षक के रूप में तैयार किया जाएगा। उन्होंने बताया कई अंतर्राष्टीय खिलाड़ी यहां खेल अकादमी खोलने को लेकर अपनी इच्छा भी जता चुके हैं। उन्होंने कहा कि पटना में आयोजित दो दिवसीय स्पोर्ट्स कांक्लेव में बिहार में खेल का माहौल बनाने पर भी प्रयास किया जाएगा, जिससे बच्चो में खेल के प्रति रुझान बढ़ेगा।

भारत की शैली को सेको गोल्डन ग्रां प्री में कांस्य

योकोहामा । भारत की शैली सिंह ने जापान में हुई सेको गोल्डन ग्रां प्री में महिलाओं की लंबी कूद में तीसरा स्थान हासिल कर कांस्य पदक जीता है। शैली ने 6.65 मीटर के प्रयास के साथ ही तीसरा स्थान हासिल किया।। शैली ने विश्व एथलेटिक्स कॉन्टिनेंटल टूर गोल्ड स्तर की इस स्पर्धा के शुरुआती प्रयास में ही 6.65 मीटर की दूरी हासिल की यह उनका अब तक का सर्वश्रेष्ठ प्रयास रहा। यह छलांग हालांकि उनके व्यक्तिगत प्रयास से 11 सेंटीमीटर कम रही है। वह तीसरे दौर तक प्रतियोगिता में शीर्ष पर चल रही थी। वहीं जर्मनी की मैरीस लुजोलो ने 6.79 मीटर की छलांग लगाकर पहला स्थान हासिल करने के साथ ही स्वर्ण पदक हासिल किया। ऑस्ट्रेलिया की ही ब्रूक बुशकुएल 6.77 मीटर की छलांग लगाकर दूसरे स्थान पर रहीं। यह सीनियर स्तर पर शैली का पहला अंतरराष्ट्रीय मुकाबला था। पदक जीतने के बाद शैली ने सभी का आभार जताया है।

पहला क्वालिफायर गुजरात–चेन्नई के बीच

सीएसके नंबर 2 रहकर 3 बार चैंपियन बनी ; मुंबई 10वीं बार प्लेऑफ में, लखनऊ से एलिमिनेटर खेलेगी

नई दिल्ली ।
इंडियन प्रीमियर लीग में 51 दिन और 70 मैचों के बाद प्लेऑफ की 4 टीमें मिल चुकी हैं। लीग स्टेज खत्म होने के बाद गुजरात टाइटंस पहले, चेन्नई सुपर किंग्स दूसरे, लखनऊ सुपरजायंट्स तीसरे और मुंबई इंडियंस पॉइंट्स टेबल में चौथे नंबर पर रहीं। गुजरात टाइटंस और सीएसके के बीच 23 मई को क्वालिफायर–1, वहीं लखनऊ और मुंबई के बीच 24 मई को एलिमिनेटर मुकाबला खेला जाएगा। दोनों मैच चेन्नई के चेपॉक स्टेडियम में होंगे। महेंद्र सिंह धोनी की कप्तानी वाली चेन्नई अब तक खेले 14 सीजन में 12वीं बार प्लेऑफ में पहुंची। 10वीं बार टॉप–4 में फिनिश करने वाली मुंबई 5 बार की चैंपियन है। वहीं डिफेंडिंग चैंपियन गुजरात और लखनऊ 2022 में पहली बार शामिल होने के बाद लगातार दूसरे सीजन के प्लेऑफ में पहुंचीं।

गुजरात टाइंटस 7 प्लेऑफ में 100प्रतिशत जीत का रिकॉर्ड – हार्दिक पंड्या की कप्तान वाली गुजरात टाइटंस 20 अंकों के साथ पॉइंट्स टेबल में टॉप पर रही है। टीम ने 14 में से 10 मुकाबले जीते और केवल 4 ही गंवाए। 2022 से पहली बार आईपीएल में शामिल की गई टाइटंस लगातार दूसरे सीजन के प्लेऑफ में पहुंची। टीम ने पिछले साल फाइनल तक का सफर तय करते हुए ट्रॉफी भी जीती थी। पिछले सीजन भी टीम ने 10 मैच जीते थे और इस बार भी उन्हें इतने ही मुकाबलों में जीत मिली। 2022 में गुजरात टाइटंस ने क्वालिफायर–1 और फाइनल में राजस्थान रॉयल्स को हराकर ट्रॉफी उठाई थी। यानी टीम ने प्लेऑफ में कुल 2 मैच खेले हैं और दोनों में ही उन्हें जीत मिली। इस तरह टीम का प्लेऑफ मैच जीतने का रिकॉर्ड 100प्रतिशत है।

चेपॉक में अब तक नहीं खेली गुजरात – गुजरात इस बार 23 मई के क्वालिफायर–1 में सीएसके के खिलाफ उन्हीं के होम ग्राउंड एमए चिदंबरम स्टेडियम में भिड़ेगी। चेन्नई के खिलाफ टीम ने अब तक प्लेऑफ में कोई मैच नहीं खेला। लेकिन लीग स्टेज में दोनों के बीच 3 मुकाबले खेले गए और तीनों में गुजरात को ही जीत मिली। सभी मुकाबले 3 अलग–अलग ग्राउंड पर खेले गए, लेकिन सीएसके के होम ग्राउंड चेपॉक में दोनों टीमें अब तक नहीं भिड़ीं। इस बार चेपॉक में ही दोनों चैंपियन टीमों का पहली बार आमना–सामना होगा।

चेन्नई सुपर किंग्स 7 रिकॉर्ड 12वीं बार प्लेऑफ में पहुंचे – महेंद्र सिंह धोनी की कप्तानी वाली चेन्नई सुपर किंग्स इस बार 17 अंकों के साथ पॉइंट्स टेबल में नंबर–2 पर रही। टीम ने 14 में से 8 मैच जीते, 5 हारे और एक बेनतीजा मुकाबला खेला। 2008 से आईपीएल खेल रही चेन्नई रिकॉर्ड 12वीं बार प्लेऑफ में पहुंची। 12 प्लेऑफ में भी टीम 9 बार फाइनल में पहुंची और 4 बार ट्रॉफी भी उठाई। टीम ने टूर्नामेंट के ओवरऑल 16 में से 14 सीजन खेले हैं। 2016 और 2017 में 2 साल के लिए मैच फिक्सिंग और बेटिंग से जुड़े मामलों के कारण सीएसके बैन कर दी गई थी। सीएसके टूर्नामेंट में केवल 2 ही बार 2020 और 2022 के सीजन में टॉप–4 फिनिश नहीं कर सकी। दोनों ही बार टीम सेकेंड लास्ट पोजिशन पर रही थी। लेकिन 2021 में उन्होंने ट्रॉफी जीत ली। 2022 में भी 10 टीमों के पॉइंट्स टेबल में 9वें नंबर पर रहने के बाद टीम इस साल फिर प्लेऑफ में क्वालिफाई कर गई है।

सीएसके ने प्लेऑफ के 62.5प्रतिशत मैच जीते – अब तक सीएसके ने प्लेऑफ के 11 सीजन में 24 मुकाबले खेले। 15 में उन्हें जीत और 9 में हार मिली। यानी प्लेऑफ में उन्होंने 62.5प्रतिशत मैच जीते हैं। 2009 और 2014 ही ऐसे सीजन रहे, जब टीम टॉप–4 में फिनिश करने के बावजूद फाइनल में नहीं पहुंच सकी। टीम ने 2008, 2012, 2013, 2015 और 2019 के फाइनल हारे। वहीं 2010, 2011, 2018 और 2021 में सीएसके चैंपियन बनी हैं। एक अहम बात ये भी है कि 2011 में पहली बार प्लेऑफ सिस्टम शुरू होने के बाद चेन्नई ने तीनों ट्रॉफी लीग स्टेज में नंबर–2 पर फिनिश करने के बाद ही जीती। 2010 में टीम नंबर–3 पर रहकर चैंपियन बनी थी, लेकिन तब सेमीफाइनल सिस्टम हुआ करता था। वहीं 2009 और 2019 में टीम नंबर–2 पर लीग स्टेज फिनिश करने के बाद भी ट्रॉफी नहीं उठा सकी। 2009 में उन्हें आरसीबी ने सेमीफाइनल हराया था, वहीं 2019 के फाइनल में टीम को मुंबई के खिलाफ एक रन की हार झेलनी पड़ी थी। यानी सीएसके ने कुल 5 बार पॉइंट्स टेबल में नंबर–2 पर रहने के बाद 4 फाइनल खेले और 3 बार ट्रॉफी भी उठाई। इस बार भी टीम ने नंबर–2 पर ही लीग स्टेज फिनिश किया है।

लखनऊ सुपरजायंट्स 7 आरसीबी से हारे थे पिछले साल – क्रुणाल पंड्या की कप्तानी वाली लखनऊ सुपरजायंट्स अपने आखिरी मैच को जीतकर प्लेऑफ में पहुंची। टीम लीग स्टेज में 17 अंकों के साथ तीसरे नंबर पर रही। उन्होंने 14 में से 8 मैच जीते, 5 हारे और एक बेनतीजा खेला। गुजरात की तरह 2022 से पहली बार आईपीएल में शामिल की गई सुपरजायंट्स भी लगातार दूसरे सीजन के प्लेऑफ में पहुंची।

गिल की सेंचुरी के बाद बहन हुईं ट्रोल

आरसीबी के प्लेऑफ से बाहर होने के बाद फैंस ने सोशल मीडिया पर कहें अपशब्द

नई दिल्ली।
इंडियन प्रीमियर लीग 2023 में लगातार अच्छा प्रदर्शन कर रहे गुजरात टाइटंस के स्टार बल्लेबाज शुभमन गिल ने रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के खिलाफ मैच में एक और शानदार शतक जड़ा और अपनी टीम की जीत में अहम भूमिका निभाई। गुजरात की इस जीत के साथ आरसीबी प्लेऑफ में नहीं पहुंच सकी।

वहीं आरसीबी की हार से गुस्साए फैंस ने गिल को अपना निशाना बनाया और सोशल मीडिया पर गाली देना शुरू कर दिया। इतना ही नहीं इन फैंस ने शुभमन की बहन शाहनील गिल को भी अपशब्द कहें।डिफेंडिंग चैंपियन गुजरात टाइटंस ने इंडियन प्रीमियर लीग 2023 के लीग स्टेज को 6 विकेट की जीत के साथ फिनिश किया है। टीम की इस जीत ने रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के प्लेऑफ में जगह बनाने के सपने को तोड़ दिया है। एम चिन्नास्वामी स्टेडियम में गुजरात ने टॉस जीतकर बॉलिंग चुनी। बेंगलुरु ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में 5 विकेट पर 197 रन बनाए। 198 रन का टारगेट गुजरात ने 19.1 ओवर में 4 विकेट पर हासिल कर लिया। गुजरात के लिए शुभमन गिल ने 52 बॉल पर नाबाद 104 रन की पारी खेली। गिल का इस सीजन में यह दूसरा शतक है।

शाहलीन के इंस्टाग्राम पर 97 हजार से भी ज्यादा फॉलोअर्स

शुभमन गिल की बहन शाहलीन गिल सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती हैं। हालांकि सोशल मीडिया पर शाहलीन काफी ज्यादा एक्टिव रहती हैं और उनके इंस्टाग्राम पर 97 हजार से भी ज्यादा फॉलोअर्स हैं।

एशियाई कप से पहले भारतीय फुटबॉल टीम अधिक अंतरराष्ट्रीय मैच खेलेगी

नई दिल्ली ।
भारतीय फुटबॉल संघ (एआईएफएफ) के अध्यक्ष कल्याण चौबे ने हाल ही में कहा था कि दोहा में अगले साल होने वाले एशियाई कप से पहले राष्ट्रीय टीम 20 से 25 अंतरराष्ट्रीय मैच खेल सकती है। एशियाई कप को देखते हुए भारतीय टीम भुवनेश्वर में नौ से 18 जून तक हीरो इंटरकॉन्टिनेंटल कप और बेंगलुरु में सैफ चैंपियनशिप में 21 जून से चार जुलाई तक खेलेगी। वहीं इस साल के अंत में भारतीय टीम थाईलैंड में किंग्स कप और मलेशिया में मर्डेका कप में भी शामिल होगी। वहीं (एआईएफएफ) के अधिक अंतरराष्ट्रीय मैच खेलने की योजना को मिडफील्डर लालेंगमाविया राल्टे ने सही करार दिया और कहा है कि इससे टीम को लाभ होगा पर खिलाड़ियों के चोटिल होने की आशंकाएं भी बढ़ जाएंगी। राल्टे ने कहा, ''यह पहली बार है जब भारतीय टीम एक साल में इतने सारे मैच खेलेगी। इससे हमारे खिलाड़ियों को मैदान पर बेहतर तालमेल बिठाने में सहायता मिलेगी क्योंकि हम आमतौर पर अपने राष्ट्रीय टीम के साथ कम ही मैच खेलते हैं।''इस युवा खिलाड़ी ने कहा, '' फुटबॉल एक टीम खेल है, इसलिए साथ रहना अहम है। इसमें ये जानने की जरूरत है कि कौन सा खिलाड़ी किस तरह से अवसर बनाना पसंद करता है और कहां गेंद चाहता है। ऐसे में हम उसके साथ जितना अधिक खेलेंगे। हमारा समन्वय बेहतर होता जाएगा।

बांग्लादेश की पुरुष फुटबॉल टीम हांग्जो एशियाई खेलों में हिस्सा लेगी

ढाका। बांग्लादेश ओलंपिक संघ (बीओए) ने घोषणा की है कि देश की पुरुष फुटबॉल टीम हांग्जो एशियाई खेलों में हिस्सा लेगी। बांग्लादेश फुटबॉल महासंघ (बीएफएफ) के उपाध्यक्ष और राष्ट्रीय फुटबॉल टीम समिति के अध्यक्ष काजी नबील अहमद ने एक प्रेस वार्ता के दौरान कहा, बीओए ने हमें सूचित किया है कि हमारी पुरुष और महिला टीमें हांग्जो, चीन में प्रतिस्पर्धा करने के लिए तैयार हैं।

एडिडास टीम इंडिया का नया किट स्पॉन्सर: किलर की जगह जर्सी पर दिखेगा कंपनी का लोगो, बीसीसीआई सचिव जय शाह ने की घोषणा

नई दिल्ली ।
जर्मन स्पोर्ट्स ब्रांड एडिडास टीम इंडिया का नया किट स्पांसर होगा। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड सचिव जय शाह ने टीम इंडिया की नई किट स्पांसर की घोषणा की। उन्होंने ट्वीट कर बताया कि भारतीय क्रिकेट टीम की नई किट स्पांसर एडिडास होगी। एडिडास मौजूदा किट स्पॉन्सर किलर की जगह लेगा। मौजूदा स्पॉन्सर किलर जीन्स का कॉन्ट्रैक्ट 31 मई को खत्म हो जाएगा। जिसके बाद एडिडास का लोगो भारतीय टीम की जर्सी पर दिखेगा। किलर जीन्स से पहले, एमपीएल भारत के लिए किट स्पॉन्सर हुआ करता था।

एडिडास के साथ करार करके काफी खुश हैं

बीसीसीआई सचिव जय शाह ने ट्वीट किया, मुझे ये बताते हुए बहुत खुशी हो रही है कि किट स्पांसर के तौर पर बीसीसीआई ने एडिडास कंपनी के साथ करार किया है। हम क्रिकेट खेल को आगे बढ़ाने के लिए प्रतिबद्ध है। हम दुनिया की सबसे बड़ी स्पोर्ट्स वियर कंपनी के साथ करार करके काफी खुश है।

एमपीएल ने बीच में ही खत्म कर दिया था कॉन्ट्रैक्ट

बीसीसीआई से एमपीएल का करार 2023 के आखिर तक था, लेकिन कंपनी ने बीच में ही इस कॉन्ट्रैक्ट को खत्म करने का फैसला लिया। इसके बाद किलर टीम इंडिया का किट स्पॉन्सर बना। एमपीएल भारतीय बोर्ड को हर मैच के अनुसार 65 लाख और तीन साल के सौदे की रॉयल्टी के रूप में 9 करोड़ का भुगतान कर रहा था।

एग्रीमेंट कितने में और कब तक के लिए, इसका खुलासा नहीं

फरवरी में आई खबरों के मुताबिक, बीसीसीआई जर्मन स्पोर्ट्स ब्रांड के साथ 350 करोड़ रुपए के सौदे पर विचार कर रहा था। हालांकि जय शाह ने दो महीने बाद मई में इस खबर की पुष्टि की है। फिलहाल एग्रीमेंट कितने में और कब तक के लिए हुआ है, इसका खुलासा नहीं किया गया है।

जून से दिख सकता है एडिडास का लोगो

वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप फाइनल में टीम इंडिया एडिडास के लोगो वाली जर्सी पहन सकती है। इंग्लैंड में 7 जून से वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप का फाइनल खेला जाना है, जो ओवल पर भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच होगा।

पहलवानों ने बृजभूषण की नार्को टेस्ट की चुनौती स्वीकारी

बजरंग पूनिया बोले- हम तैयार पर सुप्रीम कोर्ट की निगरानी में टेस्ट हो

पानीपत।
भाजपा सांसद और रेसलिंग फेडरेशन के पूर्व अध्यक्ष बृजभूषण शरण सिंह की नार्को टेस्ट की चुनौती को रेसलर्स ने स्वीकार कर लिया। बजरंग पूनिया ने कहा कि हम सभी किसी भी टेस्ट के लिए तैयार हैं, लेकिन इसे सुप्रीम कोर्ट की निगरानी में कराया जाए। नार्को टेस्ट लाइव हो ताकि सवाल और जवाबों को पूरा देश सुने। बृजभूषण ने कहा था कि मैं अपना नार्को टेस्ट, पॉलीग्राफी टेस्ट और लाई डिटेक्टर टेस्ट कराने के लिए तैयार हूं, मगर मेरी शर्त है कि मेरे साथ ही विनेश फोगाट और बजरंग पूनिया का भी यही टेस्ट होना चाहिए। वह मीडिया बुलाकर इसका ऐलान करें। रेसलर्स पिछले 30 दिनों से जंतर–मंतर पर बृजभूषण सिंह के खिलाफ जांच और गिरफ्तारी की मांग कर रहे हैं। इंडिया गेट पर पहलवान कैंडल मार्च निकालेंगे।बजरंग पूनिया ने कहा सुप्रीम कोर्ट इसमें संज्ञान लेते हुए अपनी निगरानी में नार्को टेस्ट करवाए। साथ भी नार्को टेस्ट लाइव होना चाहिए, ताकि पूरे देशवासियों को पता लग सके कि बृजभूषण से किस तरह के सवाल पूछे जा रहे हैं और उस पर उसका क्या जवाब मिल रहा है। बृजभूषण के 15 के मेडल वाले बयान पर कहा कि यह सिर्फ मेडल का ही नहीं बल्कि तिरंगे का भी अपमान है। क्योंकि जब हम मेडल जीतते हैं तो तिरंगे को सिर पर उठाकर चक्कर लगाते हैं। बजरंग ने कोच विनोद तोमर, जितेंद्र और धीरेंद्र का भी नार्को टेस्ट कराने की मांग की है। विनेश फोगाट ने भी कहा कि न केवल विनेश और बजरंग का नार्को टेस्ट होना चाहिए, बल्कि सभी सातों शिकायतकर्ता पीड़ित पहलवानों की भी टेस्ट होने चाहिए। जिसके लिए वे भी तैयार भी हैं। दोनों पक्षों के सवाल–जवाब की प्रक्रिया को देश के सामने लाइव दिखाया जाना चाहिए। बृजभूषण को मीडिया कर्मी इस तरह से न दिखाए कि वह कोई भी अच्छा इंसान हैं। उसकी नार्को टेस्ट के बयान को भी बहुत बड़ा चढ़ाकर दिखाया जा रहा है। ऐसा प्रतीत करवाया जा रहा है कि उसने सामने से नार्को टेस्ट के लिए कहा हो, जबकि यह मांग हम 1 महीने से कर रहे हैं। साक्षी मलिक ने कहा कि इंडिया गेट पर कैंडल मार्च और नए संसद भवन में महिला महापंचायत में आने वाले लोगों को सरकार और पुलिस प्रशासन द्वारा परेशान न किया जाए। हम पहले दिन से ही शांतिपूर्वक तरीके से धरना कर रहे हैं। यह आगे भी शांतिपूर्वक ही जारी रहेगा। जब पत्रकारों ने साक्षी मलिक से पूछ कि नार्को टेस्ट के लिए बृजभूषण ने सिर्फ विनेश और बजरंग का ही नाम लिया है, आपका नहीं इसके जबाब में बजरंग पूनिया ने धन्यवाद कहते हुए पत्रकार वार्ता खत्म कर दी, साथ ही विनेश फोगाट ने कहा कि यह बृजभूषण से ही पूछ लेना।

बृजभूषण बोले– मामला जितनी जल्दी खत्म हो उतना अच्छा – भाजपा सांसद और रेसलिंग फेडरेशन के पूर्व अध्यक्ष बृजभूषण शरण सिंह ने एक बार फिर नार्को टेस्ट को लेकर बयान दिया है। उन्होंने कहा कि मैं तो नार्को टेस्ट के लिए तैयार हूं लेकिन मेरे ऊपर आरोप लगाने वाले सभी खिलाड़ियों को नार्को टेस्ट हो। ये मामला जितनी जल्दी खत्म हो उतना अच्छा है। देश भी यही चाहता है। बीजेपी सांसद ने आगे कहा कि इस आंदोलन से खेल का नुकसान हो रहा है। जल्द से जल्द ट्रायल होना चाहिए। आज बच्चियां अखाड़े पर आई थीं जिन्होंने कास्ट्यूम खरीद लिया था। जूता खरीद लिया था लेकिन सब निराश हैं। खिलाड़ियों की संख्या घट रही है। अभिभावक अपने बच्चों को वापस ले जा रहे हैं। इधर 4–5 महीने से कुश्ती के खिलाड़ी बहुत ज्यादा परेशान हैं बृजभूषण के खिलाफ प्रदर्शन कर रहे रेसलर्स के सपोर्ट में खाप पंचायतें भी आ चुकी हैं। रोहतक के महम चौबीसी में खाप महापंचायत हुई। फैसला लिया गया कि पहलवानों के समर्थन में 23 मई को दिल्ली के इंडिया गेट पर कैंडल मार्च निकाला जाएगा।

लंबे समय तक युवा बने रहने की चाहत है...

कहा जाता है कि उम्र महज एक नंबर के सिवा और कुछ भी नहीं। लेकिन यह बात सिर्फ उन लोगों पर लागू होती है, जो एक हेल्दी लाइफस्टाइल जीते हैं। वहीं, सही तौर-तरीके नहीं अपनाने से जवानी जल्दी ढलने लगती है। असमय आने वाले बुढ़ापे से बचना चाहते हैं, तो कुछ ऐसी आदतों के बारे में जानना जरूरी है...

फैट को करें खाने में शामिल: फैट के लिए बहुत ही गलत सोच लोगों के बीच बनी है। बल्कि ये हड्डियों की सेहत के लिए बहुत ही जरूरी है। बस ध्यान रखें कि ये फैट आपके शरीर में एक्स्ट्रा जमा न हो।

स्टेमिना बढ़ाएं: स्टेमिना अगर अच्छी हो तो लंबी उम्र तक कोई भी समस्या छू तक नहीं पाएगी। इसके लिए रोज खाने में अंडे, पनीर, बीन, दालें जैसी चीजें शामिल करें जो स्टेमिना को मजबूत बनाएंगे।

पानी पिएं: हर किसी को दिनभर में 3-4 लीटर पानी जरूर पीना चाहिए। पानी पीने की आदत हमेशा के लिए बनाएं, क्योंकि ये शरीर में अंगों के सुचारू रूप से चलने के लिए बहुत ही मददगार है।

खाने की आदत सुधारें: आप कितने भी बिजी क्यों न हों, खाना कभी न छोड़ें। इसके अलावा नाश्ता कभी भी मिस न करें। खाने में हमेशा ऐसी चीजें रखें जिनसे बॉडी को सभी जरूरी न्यूट्रिएंट्स मिलें।

भूरी वसा पर नियंत्रण से शीघ्र घटेगा वजन

अगर आप तेजी से वजन घटाना चाहते हैं, तो सामान्य सफेद वसा के बदले भूरी वसा पर अपना ध्यान केंद्रित कीजिए। शोधकर्ताओं के मुताबिक, भूरी (ब्राउन) वसा उपापचय (मेटाबॉलिज्म) में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। बेथ इजरायल डिकोनेस मेडिकल सेंटर के शोधार्थी इवान ने कहा कि यदि इन वसा कोशिकाओं की संख्या या गतिविधि को नियंत्रित कर पाएं, तो हम शरीर से अतिरिक्त कैलोरी को कम कर सकते हैं।

खूब हंसिए बदल जाएगी जिंदगी

हंसते-मुस्कुराते चेहरे वाले लोग अधिक स्वस्थ भी होते हैं। हंसी के अंदर छुपे सेहत के इस राज ने ही तो हंसी को एक चिकित्सा का रूप दिया है। अगर आप तनाव या अवसाद से परेशान रहते हैं तो यह हंसी आपके लिए वरदान साबित हो सकती है। तो क्यों न अपनी सेहत की खातिर थोड़ा हंसा जाए, खुल कर हंसने से आप युवा और खूबसूरत तो नजर आते ही हैं, साथ ही हंसी सेहत के लिए भी बहुत अच्छी होती है। हंसते समय जब किसी व्यक्ति की पूरी बत्तीसी दिखती है तो उसे खुल कर हंसना या ब्राइट स्माइल कहते हैं। ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी में हुए एक शोध में ये तथ्य उभर कर सामने आए हैं कि मुस्कुराने की बजाए जोर से ठहाका मार कर हंसना सिरदर्द के लिए दवा का काम करता है। इससे दिमाग में एंडोरफिन का स्त्रव होता है, जो दिमाग में दर्द को बढ़ावा देने वाले जटिल रसायनों को नियंत्रित करता है और हमें दर्द से राहत मिलती है। शोध के अनुसार 15 मिनट तक किया गया हंसी-मजाक दर्द को बर्दाश्त करने की क्षमता को 10 प्रतिशत तक बढ़ा देता है।

खाने का भी ख्याल रखें

खुश रहने के लिए खाने से अच्छा टॉनिक कोई नहीं है। ओमेगा 3 फैटी एसिड और विटामिन बी12 की कमी डिप्रेशन का शिकार बनाती है। जिस तरह से शरीर को पोषक तत्वों की आवश्यकता होती है, उसी प्रकार मस्तिष्क को भी पोषक तत्वों की आवश्यकता होती है। ताजे फल, सब्जियां, साबुत अनाज, स्वस्थ वसा मानसिक स्वास्थ्य के लिए बहुत उपयोगी है। दिन में तीन बार मेगा मील खाने की बजाए 5 या छह बार मिनी मील खाएं। इससे रक्त में शुगर का स्तर कम नहीं होता, जो नकारात्मक रूप से मस्तिष्क को प्रभावित करता है।

हंसना सबसे अच्छी दवा

खुल कर हंसने से धमनियों में फैलाव आता है, जिससे खून तेजी से शरीर के अन्य हिस्सों में पहुंचता है। हंसी हमारे शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता बढमती है और हमारे शरीर की एंटीबॉडीज को मजबूत करती है। हंसी शरीर में स्वस्थ शारीरिक परिवर्तन लाती है। हमारी ऊर्जा बढ़ाती है, दर्द और तनाव कम करती है। खुश रहना शरीर को संतुलित रखता है। हंसने से एंडोरफिन का स्त्राव होता है। यह शरीर का प्राकृतिक फीलगुड रसायन है। एंडोरफिन हमें सब कुछ ठीक होने का एहसास कराता है और थोड़े समय के लिए दर्द से राहत भी देता है। हंसी रक्त नलिकाओं की कार्यप्रणाली को सुधारती है और रक्त का प्रवाह बढमती है, जिससे हार्ट अटैक और कार्डियोवस्क्यूलर की आशंका कम हो जाती है।

नाकारात्मक में भी साकारात्मक

हंसी हमें सिर्फ शारीरिक और मानसिक रूप से ही नहीं, भावनात्मक रूप से भी स्वस्थ रखती है। हंसी आपको कठिन परिस्थितियों में भी सकारात्मक रखती है। आपको यह जल्दी से जल्दी समझ लेना चाहिए कि हंसी के बिना आपका दिन अधूरा है। आपका खिलखिलाता चेहरा आपके व्यक्तित्व को भी आकर्षक बनाता है।

लाफ्टर थेरेपी

जब हम हंसते हैं तो हमारी बॉडी रिलैक्स हो जाती है। ठहाके लगाना ही जरूरी नहीं है, मुस्कुराहट भी काम कर जाती है। प्रसिद्ध अमेरिकन साइकिएट्रिस्ट, डॉ. विलियम फ्राय पिछले चार वर्षो से अपने मरीजों के उपचार के लिए हंसी को एक थेरेपी के रूप में इस्तेमाल कर रहे हैं। वह कहते हैं कि हंसी शारीरिक बीमारियों और मानसिक तनावों से लड़ने का एक अचूक नुस्खा है। वह अपने सभी मरीजों को दिन में दो बार करीब बीस मिनट तक हंसने की सलाह देते हैं।

हास्य योग

हास्य योग की शुरुआत मुंबई के एक प्रसिद्ध फिजिशियन डॉ. मदन कटारिया ने 13 मार्च 1995 को मुट्ठीभर लोगों के साथ की थी। आज यह पूरे विश्व में फैल गया है। वर्तमान में 60 देशों में 6000 से ज्यादा लाफ्टर क्लब हैं। हास्य योग में बिना किसी शर्त के प्राणायाम (यौगिक ब्रीदिंग) के साथ खुल कर हंसा जाता है। कोई भी बिना किसी कारण, बिना किसी मजेदार बात, कॉमेडी या चुटकुले के हंस सकता है। लाफ्टर योगा की अवधारणा इस वैज्ञानिक तथ्य पर आधारित है कि शरीर कृत्रिम और वास्तविक हंसी में फर्क नहीं कर सकता। दोनों ही तरीकों से हंसने में शारीरिक और मनोवैज्ञानिक लाभ होते हैं। लाफ्टर योगा की तकनीक पर ऑस्ट्रिया, भारत और अमेरिका में कई शोध हुए और यह बात उभर कर सामने आई कि इससे तनाव बढने वाले हार्मोन्स (एपिनेफ्रिन और कर्टिसोल आदि) का रक्त में स्तर घटता है। इससे मानसिक रूप से सकारात्मक बदलाव आते हैं। शरीर में इन हार्मोनों का स्तर बढम्ने से अवसाद की चपेट में आने की आशंका बढ़ जाती है। लाफ्टर योगा वजन कम करने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। 20 मिनट तक इसका अभ्यास करने से करीब 215 कैलोरी बर्न होती है।

तथ्य और आंकड़े

- एक बच्चा दिन में 400 बार मुस्कुराता है, युवा 17 बार और वयस्क 1-2 बार।
- ब्रिटेन की वारविक यूनिवर्सिटी में हुए शोध के अनुसार अगर गर्भावस्था के दौरान मां कई बार मानसिक तनाव झेलती है तो जन्म लेने वाला बच्चा झगड़ालू होता है।
- विश्व स्वास्थ्य संगठन के मुताबिक दुनिया के ज्यादातर बड़े शहरों में अवसाद की समस्या तेजी से फैल रही है।
- भारत जैसे विकासशील देश में 10 पुरुषों में से एक व 5 महिलाओं में से एक अपनी जिंदगी के किसी न किसी पड़ाव पर अवसाद का शिकार बनते हैं।
- अकेले होने की बजाए किसी के साथ होने पर हंसने की संभावना 30 प्रतिशत तक बढ़ जाती है।
- बचपन में अवसाद की समस्या लड़कियों और लड़कों में समान अनुपात में होती है, लेकिन किशोरावस्था में यह अनुपात 2:1 हो जाता है।
- दिल से हंसी गई हंसी तनाव को कम करती है और आपके शरीर को अगले 45 मिनट तक रिलैक्स रखती है।

चमत्कार कर सकती है हंसी

- हंसी डायफ्राम, पेट, श्वसनतंत्र, चेहरे, पैर और कमर की मांसपेशियों के लिए अच्छा वर्कआउट है।
- हंसना रक्तदाब को कम करता है।
- हंसी रक्तसंचरण को सुधारती है।
- हंसने से स्ट्रेस हार्मोन्स जैसे कार्टिसोल और एड्रीनलीन का स्तर कम होता है।
- हंसी ट्यूमर और अन्य बीमारियों से लड़ने वाली कोशिकाओं जैसे गामा इंटरफेरन और टी-सेल की क्षमता बढ़ाती है।
- श्वसन मार्ग के संक्रमण से बचाती है।
- याददाश्त दुरुस्त रखती है और सीखने की क्षमता बढ़ाती है।
- शरीर की इम्यूनिटी बढ़ाती है।
- हंसने से दर्द कम होता है।
- हंसी मांसपेशियों को आराम पहुंचाती है।
- दिल की बीमारियों से बचाती है।
- उत्तेजना और भय से बचाती है।
- मूड दुरुस्त रखती है।
- रोगों से लड़ने का सामर्थ्य बढ़ाती है।

सामाजिक लाभ

- रिश्तों को मजबूत बनाती है।
- दूसरों को आपकी ओर आकर्षित करती है।
- व्यक्तित्व को आकर्षक बनाती है।
- लड़ाई-झगड़े से बचाती है।
- समूह में काम करने को आसान बनाती है।
- चौकन्नापन और सृजनात्मकता बढ़ाती है।
- जिंदगी में आनंद और उत्साह का संचार होता है।

हंसने के अवसर ढूंढ़िए

- कोई मजेदार फिल्म या टीवी शो देखिए।
- लाफ्टर क्लब की सदस्यता ले लीजिए।
- हंसमुख लोगों से मिलिए।
- पालतू जानवरों के साथ खेलिए।
- बच्चों के साथ समय बिताइए।
- चुटकुले पढ़िए, सुनिए और सुनाइए।- अच्छा खाइए और सदा मुस्कुराते रहिए।

ऐसे छुड़ाएं बच्चों की ज्यादा टीवी देखने की आदत

बच्चों की सही आदतें सिखाना आजकल के वक्त में सबसे बड़ी चुनौती हैं। आजकल अक्सर घरों में माता-पिता दोनों ही काम करते हैं, ऐसे में बच्चों के साथ गुजराने के लिए थोड़ा ही वक्त मिलता हैं। ऐसे हालात में बच्चों का सहारा बनता है टीवी, लेकिन ज्यादा टीवी देखना बच्चों के लिए खतरनाक हो सकता है।

- ज्यादातर घरों में बच्चे टीवी देखते समय ही खाना खाते हैं। ये आदत आगे चलकर आपके बच्चों पर बुरा असर डाल सकते हैं। ज्यादा टीवी देखने से बच्चों का शारीरिक विकास और मानसिक विकास दोनों की कम होता है, क्योंकि ऐसे बच्चे सारा दिन टीवी के सामने बैठे रहते हैं, वह न तो खेलने जाते हैं और नहीं पढ़ाई में आगे रहते हैं।
- अक्सर ये भी देखा जाता है कि जब बच्चे खाना नहीं खाते हैं, तो उनकी टीवी ऑन कर देती हैं, पर ऐसा नहीं करना चाहिए। ऐसा करके मां ही अपने बच्चे की आदत को खराब करती है।
- रात को खाना खाते समय बच्चों को टीवी देखने से रोकें क्योंकि यह ऐसा समय होता हैं जब सारा परिवार एक साथ बैठ कर खाना खाता है, दिन भर की बातें एक-दूसरे का साथ शेयर करते हैं। अगर आपके घर में टीवी ड्राइंग रूम में लगा है, तो इसे अपने कमरे में शिफ्ट कर लें। इससे बच्चा ज्यादा समय तक टीवी नहीं देख सकेगा। क्राइम पर आधारित प्रोग्राम बच्चे के सामने ना देखें, इससे बच्चे के अंदर निगेटिविटी आती है। जो बच्चे सारा दिन टीवी देखते है वो आलसी हो जाते है और सारा दिन घर से बाहर खेलने के लिए भी नहीं जाते। ऐसे में बच्चों का टीवी देखने से न तो दिमाग चलता है और न ही वह थकान महसूस करते हैं, जिससे उनका शारीरिक विकास ठीक से नहीं होता। बच्चों को टीवी देखने की आदत को छुड़ाने के लिए उन्हें कोई क्लब या हॉबी क्लास ज्वाइन करवाएं।

बड़े काम का है कपूर

बालों के झड़ने पर कपूर के तेल को नारियल तेल में मिलाकर लगाने से बालों का झड़ना धीरे-धीरे कम हो जाता है। रूसी होने पर भी यह तेल कारगर है। त्वचा संबंधी समस्याओं में कपूर को नारियल तेल में मिलाकर चेहरे पर मसाज करना असरदार है। शरीर के किसी हिस्से में खरोंच, घाव या जलने पर कपूर को पानी में घोलकर प्रभावित स्थान पर लगाएं। यह जलन को कम कर ठंडक पहुंचाता है। पेटदर्द होने पर कपूर, अजवायन और पिपरमेंट को शर्बत में मिलाकर पीने से आराम मिलता है। सर्दी-जुकाम व फेफड़े संबंधी रोगों में कपूर सूंघने से फायदा होता है। फटी एडियों के उपचार के लिए कपूर बेहतरीन दवा है। गुनगुने पानी में कपूर मिलाएं। इस पानी में पैर डालकर 15 से 20 मिनट बैठने से फटी एडियों की समस्या में आराम मिलता है। त्वचा पर लाल चकत्ते से राहत के लिए कपूर को थोड़े से पानी में मिलाकर पेस्ट बनाएं और प्रभावित हिस्से पर लगाएं। बालों के झड़ने पर कपूर के तेल को नारियल तेल में मिलाकर लगाने से बालों का झड़ना धीरे-धीरे कम हो जाता है। रूसी होने पर भी यह तेल कारगर है। जोड़ों में दर्द होने पर कपूर के तेल की मालिश राहत पहुंचाती है। गठिया के रोगियों के लिए भी फायदेमंद है।

इतना मुश्किल भी नहीं काम के दबाव से खुद को बचाना

स्ट्रेस मैनेजमेंट से बढ़ाएं कार्यक्षमता

कभी-कभी हमारे सामने बहुत सारा काम एक साथ आ जाता है, काम का दबाव बढ़ने लगता है और ये दबाव ही मानसिक तनाव पैदा करता है। तनाव में अक्सर गलतियां हो जाती हैं, लेकिन ऐसे समय में कुछ बातों का ध्यान रखा जाए तो ये तनाव भी हमारी योग्यता को बढ़ा सकता है। यदि हम तनाव को एक चुनौती मानकर काम करेंगे तो निश्चित ही इससे हमारी योग्यता व कार्यक्षमता बढ़ेगी व सफलता प्राप्त होगी।

कोई काम करते हुए दबाव बन जाना स्वाभाविक है, लेकिन तनाव में आ जाना ठीक नहीं। हमें प्रेशर और टेंशन के बीच के फर्क को समझना चाहिए। तनाव को सांसारिक दृष्टिकोण से देखेंगे तो हम पाएंगे कि इसकी वजह से हमारे आसपास नकारात्मक ऊर्जा एकत्रित हो गई है, लेकिन आध्यात्मिक दृष्टि देखेंगे तो तनाव से भी सकारात्मक संकेत प्राप्त होंगे। यही सकारात्मक दृष्टि हमारी कार्य क्षमता और योग्यता को बढ़ा सकती है।

इस तरह करें दूर

तनाव दूर करने के लिए एक प्रयोग किया जा सकता है। जब तनाव आए तो अपनी इंद्रियों पर लौट जाइए यानी ध्यान (मेडिटेशन) करें। उदाहरण के तौर पर जैसे आंख हमारी एक इंद्रिय है। हम आंखें बंद करें और पूरी तरह से उसी पर एकाग्र हो जाएं। यह एक आध्यात्मिक व्यवस्था है कि सभी इंद्रियां भीतर से अपने परिणामों को लेकर आपस में जुड़ी हुई हैं। हम जिस समय आंख नाम की इंद्रिय पर नियंत्रण करेंगे तो हम पाएंगे कि कान पर भी हमारा नियंत्रण शुरू हो गया। हम आंख से जो भीतर देख रहे होंगे, कान से भी वही सुनने लगेंगे। यह एक नया अनुभव रहेगा। यह आंतिरक अनुभव हमें बाहरी तनाव से मुक्त करेगा।

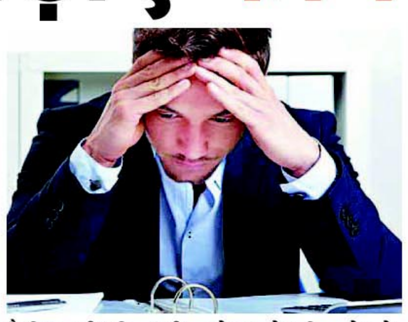

दौड़ से न हों बाहर

बाहर का काम तो होना ही है, आप नहीं करेंगे तो कोई दूसरा करेगा, लेकिन तनाव से परेशान होकर काम करेंगे तो आप उस दौड़ से या तो बाहर हो जाएंगे या लड़खड़ाकर गिर जाएंगे। अंतिम सफलता या तो असफलता में बदल जाएगी या अशांति में। अतः तनावमुक्त होने के लिए अपनी इंद्रियों पर लौटने का यह छोटा-सा प्रयोग करते रहें।

वजन कम करने के लिए इन 4 तरीकों से वॉक कर

वजन बढ़ने में बिल्कुल समय नहीं लगता, लेकिन उसे घटाने में महीनों लग जाते हैं। एक्सपर्ट्स के मुताबिक वजन घटाने में रनिंग से ज्यादा वॉकिंग असरदार होती है। रोजाना 30 मिनट की वॉक से भी वजन धीरे-धीरे घटाया जा सकता है। जानते हैं ऐसे कुछ तरीके जिनसे आप अपनी रोज की वॉक को असरदार और मजेदार बना सकते हैं।

ट्रैक यॉर प्रोग्रेस

एक अच्छा फिटनेस ट्रैकर खरीदें, जिससे आपको समय- समय पर पता चलता रहेगा कि आप क्या सही और क्या गलत कर रहे हैं। इसके अलावा आपको अलर्ट भी मिलते रहेंगे कि हर दिन कितनी वॉक की आपको जरूरत है। इसके अलावा चाहें तो कोई एप भी ट्राई कर सकते हैं।

म्यूजिक थैरेपी

ये आपकी बोरिंग वॉकिंग को मजेदार बना देगी। इससे वॉक करने का आपको और भी मजा आएगा। वहीं दिन की शुरूआत या पूरे दिन की थकान के बाद हल्की-फुल्की वॉक और म्यूजिक जादू के जैसे काम करेगा। इससे आप बहुत ही अच्छा और लाइट महसूस करेंगे।

ट्राई समथिंग न्यू

हमेशा कुछ अलग या नया करने की कोशिश करें। जैसे, जब रेग्युलर वॉक के आदी हो जाएं तो उसमें कुछ एक्सरसाइज शामिल करें। इसके अलावा रोज कहीं नई जगह वॉक के लिए जाएं, इससे घूम भी पाएंगे और वॉक भी मजेदार बन जाएगी।

मेडिटेशन

ऐसा जरूरी नहीं है कि मेडिटेशन बैठकर ही किया जाए। आप वॉक करते हुए भी मेडिटेशन कर सकते हैं। इसके लिए अपनी बॉडी, पैरों और सांसो पर ध्यान देते हुए उन्हें साधने की कोशिश करें। दिमाग शांत करें। इससे वॉक के साथ आप मेंटली रिलैक्स भी होंगे।

रेसिपी

मारवाड़ी गट्टे का पुलाव

सामग्री

2 कप बेसन, 1/2 छोटा चम्मच अजवाइन, 1/2 छोटा चम्मच लालमिर्च, 1 बड़ा चम्मच प्याज चौकोर कटा, 2 प्याज पिसे, 4-5 कलियां लहसुन पिसी, 1 इंच टुकड़ा अदरक का कसा हुआ, 4-5 बड़ी इलायची, 4-5 छोटी इलायची, 2 छोटे टुकड़े दालचीनी, 4-5 लौंग 5-6 साबुत कालीमिर्च, चुटकीभर हींग, 2 छोटे चम्मच धनिया पाउडर, 1/2 छोटा चम्मच गरममसाला, 1/2 छोटा चम्मच लालमिर्च पाउडर, 1/2 छोटा चम्मच हल्दी पाउडर, 1/2 धनियापत्ती कटी, 1/2 हरीमिर्च कटी हुई, 1/4 कप घी, 1 कप चावल, नमक स्वादानुसार

विधि

बेसन को छान कर उस में नमक, लालमिर्च, अजवाइन और इच्छानुसार चौकोर कटी प्याज डाल कर पानी की मदद से बेसन का रोल बना कर भाप में पकाएं। पानी से निकाल कर अलग रखें व ठंडा होने पर गोलगोल कतले काटें। घी गर्म करें व सुनहरा लाल होने तक तल कर अलग रखें। अब फिर से घी गर्म करें व लालमिर्च और साबूत खड़ा गरममसाला डाल कर चटकाएं। दही में सारा पाउडर मसाला व नमक डालें। पिसी प्याज, लहसुन व अदरक डाल कर अच्छी तरह से भूनें। गट्टों वाला उबला पानी लगभग 21/2 प्याले डाल कर उबालें व गट्टे गलाएं। 1 बड़ा चम्मच तेल या घी गरम करें। 2-3 तेजपत्ते डाल कर करारे करें फिर चावल और गट्टे डाल कर ढक कर पुलाव तैयार करें। **गार्निश विधि:** कटी हरी मिर्च व धनिया पत्ती से सजा कर परोसें।

कच्ची केरी की सब्जी

सामग्री

कच्चा आम 1 कप, चॉप किया हुआ गुड़ 1/2 कप, लाल मिर्च 5-6, राई 1/2 चम्मच, कड़ी पत्ती- 8-10, घिसा नारियल 1/2 कप, हरी धनिया 4-5, नमक स्वादअनुसार

विधि

कच्ची केरी की सब्जी बनाने के लिए सबसे पहलें एक कटोरे में पानी भर लें। बाद में उसमें कटें हुए कच्चे आम के टुकड़े डाल दें। अब इसे गैस पर तब तक उबालते रहें जब तक आम गल न जाए। इसके बाद एक और कटोरा लेकर उसमें थोड़ा पानी और गुड़ डाल कर अच्छे से मिक्स करके पेस्ट बना लें। पेस्ट बनाने के बाद इस पानी को छान कर अलग रख लें। अब गैस पर रखे आमों को देखें कि वह गल गए हैं। अगर गल गए हैं तो उन्हें पानी में से निकाल कर अलग कर लें और मिक्सी के जार में डाल कर पीस लें। पीसने के बाद मिक्सी में लाल मिर्च और घिसा नारियल भी डाल कर पेस्ट बना लें। अब एक पैन लेकर उसमें थोड़ा सा तेल डाल कर गर्म करें और उसमें राई और कड़ी पत्ती डाल दें। बाद में इसमें गुड़ वाला सारा पानी और आम का पेस्ट डाल कर अच्छे से उबालें। इसके बाद इसमें एक कप पानी और थोड़ा सा नमक डालें। अब आपकी कच्ची केरी की सब्जी बना कर तैयार है। आप इसे सजाने के लिए इस पर कटी हुई हरी धनिया छिड़ लें। इस कच्ची केरी की सब्जी को आप चावलों और रोटी के साथ खा सकते हैं।

मुद्रक एवं प्रकाशक राकेश शर्मा द्वारा अजय त्यागी के लिए पी.जी. इंडिया लिमिटेड एमआईई, कालापहाड़, गुवाहाटी-16 से मुद्रित एवं **गुड लक पब्लिकेशंस, हाउस नं. 30, डी. नेउग पथ, डोना प्लैनेट के नजदीक, एबीसी, जीएस रोड गुवाहाटी-5 से प्रकाशित।**
संपादक : राकेश शर्मा, मोबाइल : 94350-14771, 97070-14771 ● **कार्यकारी संपादक : डॉ. आसमां बेगम ● फोन : 0361-2960054 (संपादकीय)** e-mail : viksitbharatsamacharghy@gmail.com, **(सभी विवाद सिर्फ गुवाहाटी न्याय क्षेत्र के अधीन)**